वर्ष-22 ■ अंक-42
■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-2.00
दिल्ली (राष्ट्रीय संस्करण)
■ शनिवार ■ 29 मार्च 2025
चैत्र कृष्ण पक्ष अमावस्या
विक्रम संवत्-2081
E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

प्रधान संपादक : अशोक त्रिपाठी

देश की राजधानी से प्रकाशित होकर विभिन्न प्रदेशों में प्रसारित

दैनिक समय जगत

दिल्ली, भोपाल, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

ईश्वर से अधिक मूल्यवान दुनिया में कुछ भी नहीं...

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

पेंशनर्स महासंघ सहित अन्य समितियों को एक- एक लाख रुपए देगी प्रदेश सरकार

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने की बड़ी घोषणा

समय जगत, भोपाल। पेंशनर्स अभिनंदन समारोह में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बड़ी घोषणा की है। पेंशनर्स महासंघ सहित अन्य समितियों को सरकार एक एक लाख का फंड देगी। सीएम डॉ मोहन ने कहा- जब मैं उच्च शिक्षा मंत्री बना था तब लोगों ने कहा कि उच्च शिक्षा विभाग में कर्मचारी, प्रोफेसर, छात्र से मंत्री परेशान हो जाता है। मैंने कहा- जिसके पास किसी को साधने का मंत्र नहीं वो काहे का मंत्री। हम विश्वविद्यालयों को समर्थ बना रहे हैं, आर्थिक आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास कर रहे हैं। सारे विश्वविद्यालय कृषि-मेडिकल जैसे सभी सोर्स चलाने के लिए स्वतंत्र कर दिए हैं। विश्वविद्यालय विद पेंशनर्स एसोसिएशन के कार्यक्रम में डॉ मोहन ने कहा- जैसा कि हमने पूर्व में कैबिनेट में निर्णय किया था कि उनको सातवें वेतनमान की राशि दी जाएगी। विश्वविद्यालय पेंशनर्स के अधिकारी कर्मचारी शिक्षक को कोई कठिनाई नहीं आएगी, मैं सदैव उनके साथ खड़ा हूं और हमारे यहां विश्वविद्यालय की दो ही श्रेणी है या तो सरकारी या निजी। मै मान के चलता हूं कि विश्वविद्यालय अपने अपने क्षेत्र में आगे बढ़े उन्नति करें अच्छे नए-नए कोर्स खोलें। नए कोर्सों के बलबूते पर विश्वविद्यालय समर्थ हो और स्वावलंबी बने। इस भाव से मैंने शुभकामनाएं दी और आभार भी माना उन्होंने मुझे सम्मानित किया इसके लिए पुनः धन्यवाद।

चारधाम यात्रा में मंदिर के अंदर वीडियो और रील बनाने पर लगी रोक

चारधाम यात्रा में मंदिर के अंदर वीडियो और रील बनाने पर लगी रोक

नई दिल्ली। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा इस साल 30 अप्रैल से शुरू होगी। हर साल लाखों श्रद्धालु यात्रा पर आते हैं। इस बार चारधाम यात्रा को लेकर कुछ नए नियम बनाए गए हैं। सोशल मीडिया पर वीडियो और रील बनाने वालों के लिए खास नियम हैं। मंदिर के अंदर वीडियो और रील बनाने पर रोक लगा दी गई है। ऐसा करने पर दर्शन किए बिना ही वापस भेज दिया जाएगा। इसके अलावा वीआईपी दर्शन भी बंद कर दिए गए हैं। इस बार यात्रा के लिए 9 लाख लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। यात्रा को सुरक्षित बनाने के लिए कई इंतजाम किए जा रहे हैं। केदारनाथ-बद्रीनाथ पंडा समाज ने फैसला लिया है कि इस बार यात्रा में रील बनाने वालों को मंदिर में घुसने नहीं दिया जाएगा। बीते साल वीडियों बनाने वाले यात्रियों की वजह से कई जगह पर व्यवस्था बिगड़ गई थी। केदारनाथ धाम में सिर्फ वीडियो बनाने के लिए ढोल-नगाड़े बज रहे थे। इससे प्रकृति और श्रद्धालुओं की शांति भंग हो रही थी। इसलिए इस बार प्रशासन ने कैमरा चालू करने पर पूरी तरह से रोक लगा दी है। वहीं इस साल चारधाम यात्रा में वीआईपी दर्शन भी बंद कर दिए गए हैं। बद्रीनाथ धाम के पंडा पंचायत के कोषाध्यक्ष अशोक टोडरिया ने कहा कि पैसे लेकर दर्शन करवाना भगवान की मर्यादा के खिलाफ है। इसलिए इस बार सभी श्रद्धालु सामान्य दर्शन ही कर पाएंगे। इससे सभी को दर्शन करने का समान मौका मिलेगा। चारधाम यात्रा 30 अप्रैल, से शुरू होगी। सबसे पहले गंगोत्री और यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने है। इसके बाद 2 मई को केदारनाथ धाम के कपाट और सबसे आखिर में 4 मई को बद्रीनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। यात्रा मार्ग को 10-10 किलोमीटर के हिस्सों में बांटा गया है। हर हिस्से में 6 पुलिसकर्मी तैनात हैं। अगर मौसम खराब होता है, तब यात्रियों को राहत देने के लिए 10 जगहों पर होल्डिंग स्थल बनाए गए हैं। यहां पर खाने-पीने और दूसरी जरूरी चीजें मिलेंगी।

जम्मू-कश्मीर टेरर फंडिंग केस में कोर्ट में दी राहत की अर्जी

संसद जाने के लिए इंजीनियर राशिद को रोज खर्च करने होंगे 1.45 लाख

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर टेरर फंडिंग केस में जेल में बंद बारामूला के निर्दलीय सांसद अब्दुल राशिद शेख उर्फ इंजीनियर राशिद को दिल्ली हाईकोर्ट ने कस्टडी पैरोल पर संसद सत्र में भाग लेने की अनुमति दी है। हालांकि, इसके लिए उन्हें जेल से संसद तक की यात्रा और सुरक्षा व्यवस्था पर रोजाना 1.45 लाख रुपये अपनी जेब से खर्च करने होंगे। इस वित्तीय बोझ से राहत पाने के लिए राशिद ने दिल्ली हाईकोर्ट में अर्जी दायर की है। सांसद राशिद के वकील ने दलील दी कि 1.45 लाख रुपये प्रतिदिन का खर्च उनकी वित्तीय क्षमता से बाहर है। याचिका में कहा गया, कि राशिद अपने संवैधानिक कर्तव्यों को पूरा करने के लिए संसद सत्र में भाग लेना चाहते हैं, इसलिए उन पर इतना भारी वित्तीय बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। इससे पहले, दिल्ली हाई कोर्ट ने 4 अप्रैल तक हिरासत में रहते हुए राशिद को लोकसभा सत्र में भाग लेने की अनुमति दी थी। अदालत ने एनआईए की

इस दलील को खारिज कर दिया था कि राशिद देश छोड़कर भाग सकते हैं। हालांकि, परिवहन और सुरक्षा खर्च राशिद को खुद वहन करने का निर्देश दिया गया। यदि खर्च की बात की जाए तो 1.45 लाख रुपये प्रतिदिन के हिसाब से 6 दिनों के लिए कुल खर्च 8.74 लाख रुपये खर्च करने होंगे। तिहाड़ जेल अधिकारियों ने 26 मार्च को राशिद की कानूनी टीम को ईमेल के जरिए यह जानकारी दी। राशिद ने अब इस फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी है। यह मामला दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ के समक्ष है, जिस पर सुनवाई होनी है। इंजीनियर राशिद ने इससे पहले ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उन्हें कस्टडी पैरोल या अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया गया था। हालांकि, दिल्ली हाईकोर्ट ने हिरासत में रहते हुए संसद सत्र में भाग लेने की उनकी मांग मंजूर कर ली।

गौरतलब है कि साल 2017 के टेरर फंडिंग मामले में एनआईए ने इंजीनियर राशिद को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (ऊपा) के तहत 2019 में गिरफ्तार किया था। उन्हें तिहाड़ जेल में रखा गया है। बावजूद इसके, उन्होंने जेल से ही 2024 लोकसभा चुनाव लड़ा और बारामूला सीट से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में जीत हासिल की। उन्होंने नेशनल कॉन्फ्रेंस के उमर अब्दुल्ला और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के सज्जाद गनी लोन को हराया।

श्रद्धालुओं को असुविधा न हो इसलिए राहुल गांधी नहीं गए महाकुंभ: वाड्रा

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के महाकुंभ नहीं जाने को लेकर लंबे समय से सियासी बयानबाजी हो रही है। इस पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के पति राबर्ट वाड्रा ने कहा अगर हम महाकुंभ में जाते तो वहां वीआईपी व्यवस्थाओं के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी हो सकती थी। हम नहीं चाहते कि हम लोगों की वजह से श्रद्धालुओं को किसी तरह की असुविधा का सामना करना पड़े। उन्होंने कहा कि हम कुछ भी सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए नहीं करते। हमें यह दिखाने की जरूरत नहीं है कि हम कितने सेक्युलर हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरा मानना है कि हमें धार्मिक क्रियाओं में सार्वजनिक प्रदर्शन के लिए भाग नहीं लेना चाहिए।

गाजा हुआ तबाह, 50 हजार से अधिक लोगों की हुई मौत

गाजा। हमास और इजरायल के बीच जारी जंग में अब तक 50 हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। फिलिस्तीन का गाजा शहर पूरी तरह तबाह हो गया है। गाजा पर हमास का शासन है। इजरायली हमले में हमास के तमाम बड़े नेता और हजारों लड़ाके मौत की नींद सो चुके हैं। आम लोगों को भी बड़ी तबाही झेलनी पड़ी है। इस बीच अब गाजा की फिजा में चैन की बायर बहती दिख रही है। दरअसल, हमास-इजरायल के बीच जारी इस जंग से फिलिस्तीन की आम जनता भी बुरी तरह त्रस्त हो चुकी है। वह अब चैन चाहती है। ऐसे वह सड़कों पर उतर रही है। बुधवार को उत्तरी गाजा में बुरी तरह नष्ट हो चुके एक कस्बे में हजारों फिलिस्तीनियों ने जुलूस निकाला। यह युद्ध-विरोधी प्रदर्शनों का दूसरा

दिन था। कई लोग हमास के खिलाफ नारे लगा रहे थे। यह इस चरमपंथी संगठन के खिलाफ आम लोगों का गुस्सा दिखाता है। सवाल यह है कि आखिर फिलिस्तीन में आम लोग अब हमास के खिलाफ क्यों सड़कों पर उतर रहे हैं। जानकारों का कहना है कि आम इंसान जंग से आजीज आ चुके हैं। कुछ ये भी कह रहे हैं कि यह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उस चेतावनी का भी असर हो सकता है जिसमें उन्होंने हमास-इजरायल जंग को खत्म करने के लिए फिलिस्तीनियों को कहीं और बसाने की बात कही थी। खैर इसका कारण जो भी, लेकिन आम फिलिस्तीनियों का सड़क पर उतरना गाजा और पूरे मध्य पूर्व में शांति की आहट का संकेत देता है। बुधवार को ज्यादातर प्रदर्शन गाजा के उत्तरी हिस्से में हुए। लोग 17 महीने से चल रही इजराइल के साथ जंग को खत्म करने की मांग कर रहे थे, जिसने गाजा में जिंदगी को बहुत मुश्किल बना दिया है। लेकिन प्रदर्शनकारियों ने हमास की भी खुलकर आलोचना की, जिसका अब भी गाजा पर कब्जा है।

भारत में 284 हुई अरबपतियों की संख्या, अमेरिका-चीन के बाद तीसरे नंबर पर

नई दिल्ली। भारत में लगातार अरबपतियों की संख्या बढ़ती ही जा रही है। अब यह संख्या बढ़कर 284 हो गई है, जिनकी कुल संपत्ति 98 लाख करोड़ रुपए है। एक लेटेस्ट रिपोर्ट में बताया गया है कि रिपोर्ट पता चलता है कि देश के सबसे धनी व्यक्तियों की कुल संपत्ति में पिछले एक साल में 10 फीसदी की वृद्धि हुई है और अकेले मुंबई में 90 अरबपति हैं। भारत वैश्विक मंच पर मजबूत स्थिति में है, अरबपतियों की संख्या के मामले में देश विश्व में तीसरे नंबर पर है, जो केवल अमेरिका और चीन से पीछे है। अमेरिका 870 अरबपतियों के साथ इस सूची में टॉप पर हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि 175 भारतीय अरबपतियों की संपत्ति में बढ़ोतरी हुई है, जबकि 109 की संपत्ति में या तो गिरावट आई है या बदलाव नहीं हुआ है। एक भारतीय अरबपति की औसत संपत्ति अब 34,514 करोड़ है। इसके अलावा भारत में 40 साल से कम आयु के 7 अरबपति हैं, जिनमें से अधिकांश बेंगलुरु और मुंबई के हैं। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने पिछले साल 189 बिलियन डॉलर की कमाई के साथ सबसे बड़ी संपत्ति वृद्धि दर्ज करवाई। मस्क ने पांच साल में चौथी बार दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति के रूप में अपना खिताब बरकरार रखा है और वह 400 बिलियन डॉलर का आंकड़ा पार करने वाले पहले व्यक्ति बन गए हैं। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस 266 बिलियन डॉलर की कुल संपत्ति के साथ दूसरे नंबर पर हैं। मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने मेटा के एआई और टेक्नोलॉजी में अपग्रेड में मजबूत निवेशक विश्वास के कारण पहली बार टॉप थ्री में जगह बनाई। इस साल की सूची में मनोरंजन, खेल और सोशल मीडिया से भी नाम शामिल रहे। इनमें सिंगर जे-जेड, रिहाना, टेलर स्विफ्ट और पॉल मेकार्टनी शामिल हैं। अरबपति क्लब में जगह बनाने वाली खेल हस्तियों में माइकल जॉर्डन, टाइगर वुड्स, फ्लॉयड मेवेदर, लेब्रोन जेम्स, क्रिस्टियानो रोनाल्डो और लियोनेल मेस्सी शामिल हैं। किम कार्दशियन वर्ल्ड रैंकिंग में शामिल होने वाली एकमात्र प्रभावशाली हस्ती हैं।

कुल संपत्ति 98 लाख करोड़ के पार, अकेले मुंबई में ही हैं 90 अरबपति

आकलन

15 करोड़ नए एसी लगेंगे, विशेषज्ञों ने जताई संभावना

2035 तक अधिकतम बिजली की जरूरत होगी 180 गीगावाट

नई दिल्ली। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय (यूसी) में भारत ऊर्जा और जलवायु केंद्र (आईईसीसी) के अध्ययन में बताया गया है कि भारत में अगले दशक में 13-15 करोड़ नए रूम एयर कंडीशनर (एसी) की जरूरत होगी। इससे वर्ष 2035 तक देश की अधिकतम बिजली की मांग 180 गीगावाट (जीडब्ल्यू) से अधिक बढ़ सकती है और इससे बिजली की खपत पर दबाव पड़ेगा। अध्ययन में कहा गया है कि सबसे तेजी से विकसित हो रही यह प्रमुख अर्थव्यवस्था वाले भारत में अगले 10 वर्षों में रूम एसी की ऊर्जा दक्षता को दोगुना करके गंभीर बिजली की कमी से बच सकती है और उपभोक्ताओं के 2.2 लाख करोड़ रुपये (26 अरब डॉलर) तक बचा सकती है। अभी भारत सालाना 1-1.5 करोड़ नए एसी जोड़ता है। नीतिगत हस्तक्षेप के बिना, अकेले वर्ष 2030 तक 120 गीगावाट और वर्ष 2035 तक 180 गीगावाट बिजली की अधिकतम मांग बढ़ सकती है। यह कुल डिमांड का लगभग 30 फीसदी है। अध्ययन के प्रमुख लेखक और यूसी बर्कले के फैकल्टी

निकित अभ्यंकर ने कहा कि यह वृद्धि भारत की बिजली आपूर्ति से आगे निकल रही है और वर्ष 2026 की शुरुआत में ही बिजली की गंभीर कमी हो सकती है। पिछले साल, अखिल भारतीय अधिकतम बिजली की मांग 30 मई को 250 गीगावाट को पार कर गई थी, जो अनुमानों से 6.3 फीसदी अधिक थी। जलवायु परिवर्तन से प्रेरित गर्मी का तनाव बिजली की मांग को बढ़ाने वाले प्रमुख कारकों में से एक है। भारत की कुल बिजली खपत में घरेलू क्षेत्र की हिस्सेदारी वर्ष 2012-13 में 22 फीसदी से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 25 फीसदी हो गई है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस वृद्धि का एक बड़ा हिस्सा आर्थिक वृद्धि और बढ़ते तापमान के कारण है। वर्ष 2024 की गर्मियों में, रिकॉर्डतोड़ तापमान के बीच कमरे के एयर कंडीशनर की बिक्री में साल-दर-साल 40 से 50 फीसदी की वृद्धि हुई। वहीं ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में ऑक्सफोर्ड इंडिया सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट में चल रहे एक शोध के अनुसार, कुल आबादी के हिसाब से सबसे बड़ी एसी की मांग भारत से आएगी। इसके बाद चीन, नाइजीरिया, इंडोनेशिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, ब्राजील, फिलिपीन और अमेरिका का नंबर आएगा।

योगी सरकार के 8 वर्षों में गरौठा विधानसभा को मिलीं कई बड़ी सौगातें

गरौठा विधायक जवाहर राजपूत ने गिनाई उपलब्धियां

शानदार सड़कें, पुल, डिफेन्स कॉरिडोर, सौर ऊर्जा प्लांट, बिजली और पेयजल की योजना पर हुये कई काम

– दीपक त्रिपाठी –

समय जगत, झांसी। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार सेवा, सुरक्षा और सुशासन की नीति को साकार बना रही है। गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत ने यूपी में भाजपा सरकार के 8 वर्षो के कामकाज का ब्यौरा पेश करते हुए गरौठा विधानसभा में किए गए विकास कार्यो की जानकारी पत्रकारों के साथ साझा की।गरौठा विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार के डबल इंजन के साथ गरौठा विधान सभा क्षेत्र को कई बड़ी सौगातें मिली हैं और कई योजनाओं पर काम जारी है।

गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत ने कहा कि गरौठा विधानसभा क्षेत्र में बनने वाले डिफेंस कॉरिडोर से यहां तरक्की की इबारत लिखने की बड़ी शुरुआत हो चुकी है. निर्माण कार्य शुरू हो चुका है और जल्द ही यहां तोप, मिसाइल, टैंक, फाइटर जैट में प्रयोग होने वाले उपकरण बनने का काम शुरू हो जाएगा. यहां के गरौठा क्षेत्र ग्राम जलालपुरा में एशिया का सबसे बड़ा 600 मेगावाट का सौर उर्जा प्लांट भी लग रहा है जो उर्जा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि साबित होगा। गरौठा विधायक जवाहर राजपूत ने क्षेत्र की सड़कों के विस्तार और उनके पुनर्निर्माण का लेकर जानकारी दी. विधायक ने कहा कि मोंठ से भांडेर सड़क,गुरसरांय गरौठा से चिरगाँव तक सड़क, मोंठ समथर पण्डोखर सड़क, सिकन्दरा से समथर दबोह सड़क बन चुकी है. कोटरा का अधूरा पुल एवं ससोर नाले पर पुल का नव निर्माण कार्य पूरा हो चुका है. मोंठ में रेलवे ओवर ब्रिज का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो रहा है. खिरिया घाट पर पुल का निर्माण कार्य प्रारम्भ कर दिया गया और जल्द ही यह बनकर तैयार होगा. कचीर के पुल का नव निर्माण कार्य स्वीकृत हो चुका है. आड़ी सड़क से गरौठा सड़क, गढबई से ककरबई सड़क का कार्य चल रहा है, गरौठा से मोतीकटरा सड़क निर्माण का कार्य प्रस्तावित है. इसके साथ ही एरच से ढिकोली माता मंदिर तक सड़क निर्माण कार्य प्रस्तावित है.मोंठ विवाह घर निर्माण कार्य प्रस्तावित है गुरसरांय विवाह घर निर्माण कार्य प्रस्तावित है

पोषक नहर से किसानों को फायदा

गरौठा विधायक जवाहर राजपूत ने बताया कि किसानों को सिंचाई की समस्या न रहे इसलिए गुरसरांय मुख्य नहर से बड़वार झील पोषक नहर से भरी जानी शुरू हो गई है. इससे लगभग 70-80 गाँव में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध हो रहा है. इसके साथ ही मोंठ के प्राचीन चौपडा तालाब की जमीन को भूमाफिया के चंगुल से कब्जा मुक्त कराकर वहां तालाब का पुनः नव निर्माण/ सुन्दरीकरण का कार्य प्रगति पर है. गुरसरांय नगर की बडी माता मंदिर के प्राचीन तालाब का पुनुरुद्धार /गहरीकरण एवं सुन्दरीकरण का कार्य जारी है. बामौर ब्लॉक के ग्राम अस्ता में 110 एकड़ के तालाब का गहरीकरण का कार्य कराया गया है. गुरसरांय ब्लॉक के ग्राम हैवतपुरा में 50 एकड़ के तालाब का गहरीकरण कराया गया है. गुरसरांय गरौठा पुर्नगठन पेयजल योजना 85 करोड़ की लागत से कार्य पूर्ण हो चुका है और जल्द ही क्षेत्र के लोगों को शुद्ध पेयजल मिलना शुरू हो जाएगा.

बिजली उपकेंद्रों का निर्माण

एरच डिफेन्स कोरीडोर में बिजली उपकेन्द्र 132 के.वी.ए. के निर्माण के साथ दो उपकेन्द्र 33/11 के.वी.ए. का निर्माण किया जा रहा है. मोंठ में बिजली उपकेन्द्र 132 के.वी.ए. से 220 के.वी.ए. के रूप में उच्चीकृत किया गया है. मारकुआ, कुरैठा विद्युत पावर हाउस 11/33 बनकर तैयार अमरौख/बडवार/ चौथामील विद्युत पावर हाउस 11/33 का कार्य स्वीकृत है.

एरच के विकास के लिए बड़े काम शुरू

विधायक ने कि एरच भगवान विष्णु के अवतारों का साक्षी रहा है और इस जगह का हम प्राचीन महत्व से जोड़कर विकास कर रहे हैं. भक्त प्रहलाद की नगरी में होने वाले होली महोत्सव को शासकीय मान्यता दिलवाकर इसे भव्य बनाया जा रहा है. एरच नगर में बेतवा नदी पर मढिया घाट का नव निर्माण कार्य शुरू कराकर इसे पर्यटन के नक्शे पर उभारने की कोशिश है.

शिक्षा के क्षेत्र में कई काम

गरौठा विधायक जवाहर लाल राजपूत ने कहा कि बच्चों के भविष्य को देखते हुए सरकारी स्कूलों के निर्माण के लिए भी योगी सरकार काम कर रही है. क्षेत्र के ब्लॉक बामौर के ग्राम गोकुल में नवीन राजकीय विद्यालय का नव निर्माण कार्य पूर्ण, ब्लॉक मोंठ के ग्राम लोहागढ़ में नवीन राजकीय विद्यालय का नव निर्माण कार्य पूर्ण.

इन क्षेत्रों में फोरलेन सड़क

गरौठा विधायक ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से किए गए अनुरोध के बाद झांसी-कानपुर हाईवे पूँछ से लेकर एरच / टेहरका डिफेंस कॉरिडोर तक फोर लेन सड़क का कार्य प्रारम्भ बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस वे से जोडा जायेगा। इस पर जल्द ही कार्य शुरू होगा और लोगों को इसका सीधा लाभ होगा. इस सड़क के बनने से मुख्यालय तक शानदार कनेक्टिविटी हो जाएगा. दबोह-समथर सिकन्दरा पूँछ गुरसराय टीकमगढ 131 राज्य मार्ग स्वीकृत है।

गरौठा विधानसभा में 8 साल की प्रगति गिनाते हुए गरौठा विधायक ने जवाहर राजपूत ने कहा कि तहसील गरौठा में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश और सिविल जज सीनियर डिवीजन कोर्ट का प्रारम्भ हो गया है. एरच बांध का पुनः निर्माण कार्य शीघ्र प्रारम्भ होने वाला है. गुरसरांय सामुदायिक स्वास्थ केन्द्र में डिजीटल अल्ट्रासाउंड मशीन डिजीटल एक्सरे मशीन की सुविधा जल्द ही शुरू होने वाली है. बुन्देलखण्ड विकास निधि / विधायक निधि से गरौठा विधान सभा क्षेत्र में 54 ग्रामों में गौशालाओं के लिए भूसाघर, टीनशैड, वाउण्ड्री वॉल का निर्माण करवाया गया है.

पर्यटन और धार्मिक क्षेत्र में कई सौगातें

गरौठा विधायक ने 8 साल के कार्यो का व्यौरा देते हुए कहा कि पर्यटन और धार्मिक क्षेत्र में भी कई काम कराए गए हैं. इनमें मोंठ किले का सौन्दरीकरण, ध्वार की माता मंदिर एवं झारखण्ड गुढा का सौन्दर्यीकरण पर्यटन विभाग से स्वीकृत है. श्रृगांर में रामजानकी मन्दिर का सौन्दर्गीकरण का कार्य, कैरोखर में बारह देवी माता मन्दिर का सौंदर्यीकरण कराया जा रहा है. इसके साथ ही तपोभूमि ग्राम गुढ़ा में महर्षि विश्वामित्र की भव्य प्रतिमा लगाया जाना स्वीकृत है. विधायक ने बताया कि मोतीकटरा में बलुआ घाट का सुंदरीकरण, मोंठ में खेल स्टेडियम का निर्माण कार्य, बरुआसागर-टहरौली-भस्नेह गरौठा के चौड़ीकरण एवं सुदृढीकरण निमार्ण कार्य, गरौठा एडीजे कोर्ट प्रारम्भ हो चुका है और एरच नगर में भक्त प्रहलाद सहित नरसिंह भगवान की 12 फीट ऊंची प्रतिमा को लगाया जाना स्वीकृत है. विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री राहत कोष से क्षेत्र के सैकड़ों उन मरीजों को मदद दिलाई गई है जो आर्थिक रूप से कमजोर थे. उन्होंने कहा कि हमारे अनुरोध पत्र पर योगी जी ने करोड़ों रुपए उपचार के लिए शासकीय मदद भेजकर लोगों की जान बचाने का काम किया है. वह क्षेत्र के विकास के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं. कई काम अभी भी होने हैं और इसके लिए प्रयास जारी है।

झांसी मण्डल एनसीआरएमयू कार्यालय में हुई टीआरएस डीजल की त्रैवार्षिक आम सभा

समय जगत, झांसी। टीआरएस डीजल के त्रैवार्षिक आम सभा 2025 का चुनाव झांसी मण्डल के एनसीआरएमयू मण्डल कार्यालय में आयोजित की गई !जिसमें सर्वसमिति से बृजमोहन सिंह को पुनः शाखा सचिव एवं शाखा अध्यक्ष काम. जे.बी.खरे को पद पर चुना गया। जिसमें उपस्थित समस्त शाखा एवं यूथ विंग के पदाधिकारी उपस्थित रहे। चुनाव अधिकारी एवं केंद्रीय पर्यवेक्षक एवं मण्डल अध्यक्ष काम. एच एस चौहान की देखरेख में एवं मण्डल मंत्री काम. अमर सिंह यादव के नेतृत्व में यह चुनाव पूर्ण रूप से सम्पन्न हुआ।आज की इस आम सभा में उपस्थित मंडलीय पदाधिकारी पूर्व मण्डल अध्यक्ष डी के खरे , महिला शक्ति काम.आईलिन लाल,केंदीय पदाधिकारी ऊषा सिंह,भावेश प्रसाद कार्यकारी अध्यक्ष,निर्मल सिंह संधु,अनुरुद्ध सिंह ,तेज सिंह मीणा,जयसिंह,संजीवन राय,दीपक सिंधे,रामप्रकाश सिंह,राजकुमार शर्मा,के.के मिश्रा,मानसिंह मीणा,अमित गुप्ता,छोटे राजा, कालूराम कुशवाहा,ध्यान चन्द शाक्य, कमलेश शर्मा,गौरव सेंगर, रविन्द्र कुशवाहा,नारायण सिंह,आकाश तिवारी,दीपक यादव ,आदि उपस्थित रहे इस आम सभा में जते डीजल काम. शाखा सचिव बृजमोहन सिंह के द्वारा रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया।

तथा शाखा का लेखा जोखा वर्ष 2023 का काम.छोटे राजा ने सभी के समक्ष प्रस्तुत किए तथा सभी की आम सहमति से लेखा जोखा पास किया गया ओर अंत में सभी का आभार व्यक्त काम. जेबी खरे शाखा अध्यक्ष जते डीजल के द्वारा किया गया।

नव संवत्सर वार्षिक पंचांग का हुआ विमोचन

समय जगत, झांसी। रानी महल स्थित श्री गोपीनाथ जी के मंदिर में हिंदू नव वर्ष वार्षिक व्रत त्यौहार पंचांग का विमोचन सदर विधायक रवि शर्मा, शिक्षक विधायक डॉ बाबूलाल तिवारी ,जिला धर्माचार्य महंत विष्णु दत्त स्वामी, ब्राह्मण संघ के अध्यक्ष रवीश त्रिपाठी आदि ने किया। अतिथियों ने कहा कि इस व्रत पंचांग के माध्यम से हिंदू समुदाय के घरों में प्रत्येक पावन पर्व की सभी जानकारी उपलब्ध होती है और समय पर उन आयोजनों को करने का अवसर एवं पुण्य लाभ प्राप्त होता है। यह पंचांग देश में ही नहीं अपितु विदेश में भी हिंदू धर्म के अनुयाई हिंदू पर्व का आयोजन करते हैं। इसमें व्रत त्यौहार सभी की जानकारियां उपलब्ध रहती हैं, यह वार्षिक पंचांग प्रतिवर्ष श्री गोपीनाथ जी के मंदिर शिव जिला धर्म आचार्य महंत विष्णु दत्त स्वामी एवं महंत मार्तंड स्वामी द्वारा संपादित किया जाता है।इस अवसर पर बसंत गोलवलकर ,अमर सिद्ध, विवेक स्वामी, पुरुषोत्तम स्वामी ,शरद शर्मा, सोम दत्त स्वामी, ब्रजकिशोर भार्गव,नरेंद्र शर्मा, शिवम स्वामी, पवन शर्मा, प्रद्युम्न स्वामी ,गोकुल दुबे, विनोद अवस्ती, अतुल मिश्रा आदि उपस्थित रहे। संचालन संजीव त्रिपाठी।

नवरात्र पर मंदिरों में साफ- सफाई व सुरक्षा के लिए दिया ज्ञापन

समय जगत, झांसी। रविवार 30 मार्च 2025 से नवरात्र प्रारंभ हो रहे हैं। इसके साथ ही नवसंवत्सर 2082 की शुरुआत भी हो रही है।इन दिनों में महानगर के प्रसिद्ध देवी मंदिरों पर श्रद्धालुओं का आवागमन अधिक हो जाता है, साथ ही बडी भारी संख्या में माता बहिनें देवी मंदिरों में जल चढाने एवं पूजन अर्चन करने पहुंचती है, अतः सभी मंदिरों के आस पास साफ सफाई कराते हुए पर्याप्त पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित की जाये।

नगर के प्रसिद्ध पचकुइयां मंदिर पर नवरात्र के दिनों में मेला लगता है,नौ दिनों तक चलने वाले इस मेले में यह भी सुनिश्चित किया जाये कि कोई भी अन्य सम्प्रदाय के भाई बंधु दुकान न लगायें। यदि अन्य सम्प्रदाय के भाईयों की प्रसाद की दुकानें पचकुईयां मेले में लगेंगी तो हिंदू संगठन के लोग उनका विरोध करेंगे।आपसे यह भी अनुरोध करना है कि नवरात्र के इन पवित्र दिनों में विभिन्न मंदिरों के आने जाने वाले मार्गो में लगने वाली मांस,मछली बिक्री की दुकानों को हटाते हुए नवरात्र के दिनों में अण्डा,मांस मंछली की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया जाये, क्योंकि मांस मछली की बिक्री के चलते हिंसक कुत्ते आदि इन दुकानों के आस पास मंडराते रहते हैं और मौका पाकर छोटे बच्चों को शिकार बनाकर उन्हें काल कवलित कर देते हैं। आपसे विनम्र अनुरोध है कि उक्त मांगों का त्वरित संज्ञान लेते हुए यथा शीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने की महती कृपया करें। इस अवसर पर दुर्गा उत्सव महासमिति के अध्यक्ष पुरुषोत्तम स्वामी, महामंत्री विनोद अवस्थी, पीयूष रावत ,मुकेश अग्रवाल,रवीश त्रिपाठी , पवन गुप्ता ,जयदीप खरे,प्रभात शर्मा, संजीव तिवारी, पुरुकेश अमरया, सत्येंद्र पूरी ,अभिषेक साहू ,विकास अवस्थी, अतुल मिश्रा, दीपेंद्र सिंह राजावत आदि मौजूद रहे।

देश में अमन-चैन भाईचारा क़ायम रहे हजारों लोगों ने दुआएं मांगी ....

झांसी। मुस्लिम धर्म के पवित्र माह रमजान के आखिरी जुम्मा अलविदा की नमाज भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्र की मस्जिदों में अदा की गई हजारों की संख्या में पहुंचे मुस्लिम लोगों ने मुल्क के अमन-चैन आपस में भाई चारा कायम रखने के लिए दुआएं मांगी उक्त अवसर पर पहुंचे तमाम समाजसेवी संगठनों के पदाधिकारियों एंव उपस्थित पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने लोगों को रमजान की मुबारकबाद दी।जनपद झांसी में मुस्लिम धर्म के पवित्र माह ए रमजान के आखिरी जुम्मा अलविदा की नमाज़ शहर की तमाम मस्जिदों के अलावा ग्रामीण अंचलों की मस्जिदों में भी सौहार्द पूर्ण तरीके से अदा की गई अलविदा जुम्मा की नमाज़ अदा करने के लिए हजारों की संख्या में मुस्लिम लोग मस्जिदों में पहुंचे नमाज़ के पहले राजगढ़ की गौशुलबरा मस्जिद के पेश इमाम अब्दुल कय्यूम ने सभी लोगों को दीन पर चलने एंव ग़लत कामों से दूर रहने की नसीहत दी।

स्कूल खेल महाकुंभ का हुआ शुभारंभ

शुभारंभ कबड्डी मैच में पंडित राम सहाय शर्मा इंटर कॉलेज ने न्यू एरा पब्लिक स्कूल को हराया

समय जगत, बरुआसागर। फिजिकल एजुकेशन सोशल वेलफेयर फाउंडेशन संबंधता उत्तर प्रदेश ओलंपिक एसोसिएशन के तत्वाधान में स्कूल खेल महाकुंभ का आयोजन नगर के कंपनी बाग में आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बबीना विधायक राजीव सिंह पारीक्षा एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता एमएलसी श्रीमती रमा निरंजन ने की कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण करके किया गया। विशिष्ट अतिथि नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती सुशीला कुशवाहा, फुटेरा प्रधान बालमुकुंद कुशवाहा, विधायक प्रतिनिधि उदभव दीक्षित, भाजपा जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा मीनू राजावत, एमएलसी प्रतिनिधि पं दिनेश मिश्रा एवं ज्ञान सिंह खंगार उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नगर के 10 विद्यालयों ने पार्टिसिपेट किया। कार्यक्रम के शुभारंभ में विद्यालयों से आये खिलाड़ियों ने मार्च पास्ट कर अतिथि को सलामी दी। जिसमें खो-खो, कबड्डी, ऊंची कूद, लंबी कूद, आदि में एथलेटिक्स में 100 मीटर, 200 मीटर, 400 मीटर, 800 मीटर, 1500 मी, की प्रतिस्पर्धायें रखी गयी हैं। कार्यक्रम शुभारंभ के प्रथम मैच में कबड्डी सीनियर में पंडित राम सहाय शर्मा इंटर कॉलेज ने न्यू एरा पब्लिक स्कूल झांसी को 49 45 अंको से हराया।बबीना विधायक राजीव सिंह पारीक्षा ने अपने उद्बोधन में सभी स्कूलों को खेल के प्रति जोड़ने का आवाहन किया साथ ही उन्होंने कहा कि हमारे क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं है कमी है तो साधन संसाधन की और आजकल खिलाड़ियों को काफी प्रोत्साहन किया जा रहा है। एमएलसी रमा निरंजन ने कहा कि बरुआसागर क्षेत्र में फिजिकल एजुकेशन सोशल वेलफेयर फाउंडेशन सराहनीय कार्य कर रहा है। और बच्चों को खिलाड़ियो के रूप में देखकर मन प्रफुल्लित हुआ इन खिलाड़ियों के लिये हर सम्भव मदद की जायेगी।

छूटी हुई प्रयोगात्मक परीक्षा 7 एवं 8 अप्रैल को

गुरसरांय। इंटर मिडिएट की जिन छात्राओं की भौतिकी,रसायन ,जीव विज्ञान सहित जिन विषयों की प्रयोगात्मक परीक्षाएं छूट गई है।उन्ही छूटी हुई प्रयोगात्मक परीक्षा 7 एवं 8 अप्रैल को राजकीय इंटर कॉलेज झाँसी में सम्पन्न होंगी।

सड़क दुर्घटना में आकस्मिक निधन पर जताया शोक

समय जगत, गुरसराय। श्री महावीर वाल शिक्षा संस्कार केंद्र इंटर कॉलेज मेंएक शोक सभा संपन्न हुई शोकसभा में विद्यालय में कार्यरत परिचारक मनोज सेन उर्फबृजपाल की सड़क दुर्घटना में कल मौत होने पर 2 मिनट का मौन धारण कर आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई।परिचारक की मृत्यु पर विद्यालय परिवार के अध्यक्ष उत्तम चंद्र जैन सुकुमार चंद्र जैन प्रकाश चंद्र जैन राजेंद्र जैन योगेश जैन राजेंद्र जैन खिरिया प्रभात जैन प्रमोद जैन आदि ने दुख व्यक्त किया दुख व्यक्त करते हुए प्रधानाचार्य रामकुमार सिंह परिहार ने मनोज सेन की मृत्यु विद्यालय के लिए अपूर्ण क्षति बतलाई। मनोज सेन इमानदार कर्मठ एवं जिम्मेदार कर्मचारियों के रूप में जाना जाता था।

शोक सभा में प्रदीप श्रुति रविकांत पटेल नूतन गौर प्रवेश जैन आशुतोष शर्मा निर्मल शर्मा रमाकांत शर्मा केके पाठक अवधेश पटेल शिवम अग्रवाल सुनीता शर्मा रजनी चौहान हेमलता पटेरिया कल्पना पटेरिया विनीत पटेल आशानंद सोनकिया वीरेंद्र वर्मा रविंद्र गुप्ता अनूप वशिष्ठ आईबी सिंह पर्वत पटेल आनंद पटेल मंगल अभिलाषा साहू ममता खरे अंकित सेन राम जी सोनी संजय तिवारी प्रधानाचार्य रामकुमार सिंह परिहार आदि उपस्थित रहे।

विधायक ने गुरसराय गरौठा पेयजल योजना जल्द ही पूर्ण करने के दिए निर्देश

समय जगत, गुरसरांय। नगर की पेयजल समस्या के निदान के लिए बहु प्रतिशत 85 करोड़ की लागत से बेतवा नदी से गुरसरांय एवं गरौठा नगर को पानी की सप्लाई देने के लिए चल रही परियोजना का क्षेत्रीय विधायक जवाहरलाल राजपूत ने परीक्षण किया। नगर में पचासी करोड़ की लागत से शासन ने गुरसरांय गरौठा पेयजल योजना के निर्माण कार्य को विधायक ने तीव्र गति से कार्य करने के लिए निर्देश दिए। वहीं परीक्षण के दौरान लीकेज होने पर क्षेत्रीय विधायक जवाहरलाल राजपूत ने कार्यदाई संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि कार्य जल्द पूर्ण किया जाए जिस पर संस्था के प्रोजेक्टर मैनेजर ने बताया 15 अप्रैल तक नगर में पानी पहुंचाने की बात कही।

उन्होंने बताया कि कार्य पूर्ण हो चुका है टेस्टिंग का कार्य चल रहा है जो जल्दी ही पूर्ण किया जाएगा। हर घर पेयजल योजना से 10 हजार परिवारों को शुद्ध फिल्टर युक्त पेयजल की आपूर्ति अप्रैल माह में शुरू हो जाएगी।इस दौरान भाजपा के जिला महामंत्री अमित चौरसिया, जय नारायण वर्मा, सत्येंद्र दुबे ,कुलदीप यादव, अंकित दिवाकर, यशपाल सिंह, जितेंद्र कुशवाहा आदि लोग उपस्थित रहे।

उ.प्र.व्या.मं के रजत जयंती समारोह में व्यापारी सेना की नवमनोनीत कार्यकारिणी का हुआ शपथ ग्रहण

समय जगत, बरुआसागर। नगर में गुरुवार को लक्ष्मी व्यायाम मंदिर (व्यायाम शाला) के प्रांगण में उत्तर प्रदेश व्यापार मण्डल का रजत जयंती समारोह आयोजित किया गया द्य जिसमें व्यापार मंडल के वरिष्ठ पदाधिकारीयों ने नगर के व्यापारियों को सम्बोधित किया द्य कार्यक्रम का प्रारम्भ महारानी लक्ष्मीबाई एवं व्यापार शिरोमणि मा. भामाशाह के चित्र पर माल्यार्पण करके हुआ द्य तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उप्र व्यापार प्रांतीय अध्यक्ष संजय पटवारी , जिलाध्यक्ष अरुण गुप्ता , जिलाध्यक्ष कैट अभिषेक सोनकिया, नगर अध्यक्ष पंकज शुक्ला , जिला कोषाध्यक्ष सुनील नेनवानी , व्यापारी सेना जिलाध्यक्ष शकील खान, जिला महामंत्री जैकी पहलवान , शिवम् सोनी , शैलेन्द्र राय , यस लालवानी , अभिषेक सोनी , जिला संगठन मंत्री विवेक श्रीवास्तव , पाल कॉलोनी व्या.मं. अध्यक्ष साहिल खान का नगर अध्यक्ष डॉ. महादेव बाजपेई व नगर कार्यकारिणी द्वारा माल्यार्पण व बुके देकर सम्मान किया गया द्य इसके साथ नगर महिला मंडल अध्यक्ष रागनी चौरसिया व कार्यकारिणी द्वारा पुष्प गुच्छ देकर अतिथियों का सम्मान किया गया।

इसके उपरांत नवमनोनीत व्यापारी सेना के नगर अध्यक्ष प्रथम श्रीवास्तव एवं उनकी समस्त कार्यकारिणी को प्रांतीय अध्यक्ष व्यापार मंडल एवं जिलाध्यक्ष व्यापारी सेना द्वारा ईश्वर एवं व्यापार शिरोमणि भामाशाह को साक्षी मानकर व्यापारी हित में कार्य करने की शपथ दिलाई गई द्य व्यापारियों को सम्बोधित करते हुऐ जिलाध्यक्ष अरुण गुप्ता ने कहा कि व्यापारियों को व्यापार क्षेत्र में सफल होने के लिये ईमानदारी का मूल मन्त्र याद रखना होगा, यदि आप ईमानदारी के रास्ते पर चलेंगे तो अपने व्यवसाय को उचाईयों तक पंहुचा सकते है द्य साथ ही उन्होंने बरुआसागर के व्यापारियों की तारीफकरते हुऐ कहा कि नगर के प्रतिष्ठित व्यापारियों की निष्ठावान छवि की छाप पूरे जिले भर में है। व्यापारी सेना जिलाध्यक्ष एवं व्यापार मंडल के जिला कोषाध्यक्ष सुनील नेनवानी ने भी अपने उधवोधन में व्यापारी हित में नई तकनीक से व्यापार करने पर चर्चा की।

कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष व उ.प्र.व्या.मं. के प्रदेश अध्यक्ष संजय पटवारी ने व्यापारियों को सम्बोधित करते हुऐ कहा कि अब युग ऑनलाइन व्यापार का आ गया है इसलिए अब व्यापारियों को भी अपने व्यापार को ऑनलाइन क़ी ओर बढ़ाना चाहिये द्य उन्होंने कहा व्यापार करने के लिये किसी दुकान और गोदाम क़ी भी अवश्यकता अब नहीं रही, सिर्फतकनीक के साथ जुड़कर व्यापारी अपने काम को आगे बड़ा सकता है , आज के समय में सब्जियाँ तक ऑनलाइन बेची जाने लगी है और घर तक डिलीवर करदी जाती है द्य जीएसटी को लेकर कहा कि ज़ब जीएसटी की जटिलता को लेकर व्यापारी परेशान था तब सरकार और अधिकारीयों से वार्ता कर हमारे व्यापार मंडल ने प्रस्ताव दिया और सरकार ने हमारी बात मानते हुऐ जीएसटी में संसोधन कर उसे सरल किया द्य नगर में गुरुवार बंदी और बुंदेलखंड एक्सप्रेस ठहराव को लेकर उन्होंने कहा कि हम एक जुट होकर इस काम में प्रयास करेंगे और हमें उम्मीद है जल्द ही सफल भी होंगे द्य अंत में पटवारी जी ने बरुआसागर नगर अध्यक्ष डॉ बाजपेई के पिछले 15 वर्ष के कार्यकाल की सराहना करते हुऐ, पूरी जिलाकार्यकारिणी के साथ माला पहनाकर और पगड़ी पहनाकर उनका सम्मान किया।

नव मनोनीत नगर अध्यक्ष प्रथम श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में नगर के व्यापारियों से मिले समर्थन पर आभार किया और व्यापारियों के प्रति निष्ठावान और उनके हित में तत्पर रहने का वादा किया द्य इसके साथ नगर के समाजसेवी सुरेश बबेले, ओम दीक्षित पागल जी , राशि साहू , अमरसिंह कुशवाहा ,डॉ. विक्रम सिंह राजपूत ने भी अपने विचार व्यक्त किये द्य इस अवसर पर व्यापारी सेना की नवमनोनीत कार्यकारिणी से महामंत्री मयंक अग्रवाल, उपाध्यक्ष शैलेन्द्र सोनी , धर्मेन्द्र ठाकुर , मंत्री हर्ष पंडा , कोषाध्यक्ष सुमित अग्रवाल , सह कोषाध्यक्ष आनंद कुमार सोनी , संगठन मंत्री राहुल अग्रवाल , सह संगठन मंत्री अर्जुन झाँ, प्रचार मंत्री विकास यादव , सह प्रचार मंत्री अभिषेक तिवारी मोनू , मीडिया प्रभारी अंशुल राय , एवं सक्रिय सदस्य पवन सोनी , रमन साहू , विवेक साहू , आकाश पाल , संजय झाँ , अमित अग्रवाल छोटू ने सहयोग किया।

इस अवसर पर मीनू राजावत , अनीता जैन , रानी अग्रवाल , रजनी श्रीवास्तव , कमला सोनी , अंजलि बिरथरे , मंजूलता अग्रवाल , बबीता प्रजापति, इप्शिता चौरसिया , राजेश नौगरेया, नीरज राय , सोहन अग्रवाल , महेन्द्र कानीगो, अंशु अग्रवाल , ब्रजेन्द्र नायक , अशोक चौधरी , रामेश्वर अग्रवाल , हरिमोहन अग्रवाल , विशाल सोनी , हरीशचंद्र यादव , प्यारेलाल रायकवार , बाबु कुशवाहा , उमा पाण्डेय , राजेंद्र करोशिया, विनोद साहू , सुभाष अग्रवाल , वीएस भटनागर , हिर्देश चौरसिया , धीरज कानीगो , बंधु साहू व नगर के अन्य व्यापारीगण उपस्थित रहे द्य कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. महादेव बाजपेई ने की और आभार व्यक्त प्रथम श्रीवास्तव ने किया।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि फिरोज मोहम्मद शेख पुत्र सुबराती मोहम्मद शेख की प्लाट स्थित राजगढ बिजौली जोकि उन्होंने श्रीमती आरफा सुल्ताना पत्नी शमीम अहमद से खरीदा था। उक्त प्लाट की एक चैन टाईटल डीड जोकि यूथुप जैन पुत्र श्री देवेन्द्र कुमार जैन जरिये मुख्तार आम श्रीमती सावित्री देवी जैन पत्नी देवेन्द्र कुमार जैन ने सीताराम श्रीवास पुत्र भगवानदास को जरिये मुख्तारआम बेचा था। उक्त प्लाट आराजी नं0 448/1 मौजा बिजौली में स्थित है। एवं सीताराम श्रीवास के द्वारा मो0 याहिया को उक्त प्लाट बेचा गया है उस बैनामा में आराजी नं0 448/2 अंकित है जोकि किसी कारणवश गलत अंकित हो गया है क्योंकि इसके बाद मो0 याहिया के द्वारा उक्त प्लाट श्रीमती फहमीदा खातून को बेचा गया उक्त बैनामा में आराजी नं0 448/1 अंकित है। उक्त जरिये मुख्तार आम विक्रय के सम्बन्ध में एवं आराजी नं0 के सम्बन्ध में किसी को कोई आपत्ति है तो मेरे मो0नं0 9450071434 पर प्रकाशन के 7 दिन के अन्दर सम्पर्क कर सकते हैं।

संजीव कुमार भार्गव
एडवोकेट
जजी कैम्पस, झांसी
मो0नं0 – 9450071434

दिल्ली सरकार ने मौजूदा शराब नीति तीन माह के लिए बढ़ाई

लाइसेंसधारियों को जमा करानी होगी तीन माह की फीस

नई दिल्ली। भाजपा सरकार ने मौजूदा आबकारी नीति को तीन महीने के लिए बढ़ा दिया है। आबकारी विभाग की ओर से जारी सर्कुलर में कहा गया है कि एल-1 (भारतीय शराब), एल-1एफ (विदेशी शराब) और एल-2 (बीयर) लाइसेंसधारियों की वैधता 30 जून तक बढ़ाने की मंजूरी दी गई है। इसके लिए तीन माह की फीस जमा करनी होगी। यह नीति पहली बार सितंबर 2022 में लागू की गई थी, जब तत्कालीन आप सरकार ने विवादित नई आबकारी नीति (2021-22) को अचानक रद्द कर दिया था। इस नीति को पिछले साल सितंबर में भी छह महीने के लिए बढ़ाया गया था, जिसकी समयसीमा 31 मार्च को समाप्त हो रही थी। दरअसल, नई नीति पर अब तक अंतिम निर्णय नहीं हुआ है, इसलिए इसे आगे बढ़ाने का फैसला लिया गया है। दिल्ली सरकार ने तैयार की नई नीति का मसौदा कैबिनेट के पास लंबित है और इसमें कुछ बदलाव किए जाने की संभावना जताई जा रही है। अब नई सरकार सत्ता में आ चुकी है, इसलिए इसमें सुधार की प्रक्रिया में और समय लग सकता है। ऐसे में पुरानी नीति को एक अस्थायी समाधान के रूप में अगले तीन महीने तक जारी रखने का निर्णय लिया गया है। दिल्ली में शराब नीति को लेकर लंबे समय से अनिश्चितता बनी हुई है। वर्ष 2021-22 में लागू नई आबकारी नीति को भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण रद्द कर दिया गया था, जिसके बाद पुरानी नीति को अस्थायी रूप से लागू किया गया। हालांकि, यह अस्थायी समाधान पिछले दो वर्षों से चलता आ रहा है। नई सरकार के गठन के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि आगामी महीनों में नई आबकारी नीति को अंतिम रूप दिया जाएगा, जिससे शराब बिक्री और राजस्व संग्रह की प्रक्रिया को स्थिरता मिल सकेगी।

फतेहाबाद डिपो की रोडवेज बस ने कार को मारी टक्कर

हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए व्यक्ति की इलाज के दौरान मौत

गुरुग्राम। सुशांतलोक थाना क्षेत्र में फतेहाबाद डिपो की रोडवेज बस ने गुरुग्राम के खुशबू चौक पर कार को टक्कर मार दी। टक्कर से कार लगभग 35 फीट दूर जाकर गिरी। इस हादसे में कार चालक घायल हो गया, जबकि उसके पिता की निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने कार चालक की शिकायत पर रोडवेज बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। गाजियाबाद के गांव फटियाबाद निठौरा निवासी मोहित कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने पिता के साथ बीते बुधवार को कार में गुरुग्राम के सेक्टर-43 में अपने बड़े भाई रोहित से मिलने जा रहा था। मोहित कुमार ने बताया कि जब वे खुशबू चौक के पास पहुंचे तो फरीदाबाद से गुरुग्राम की तरफ आने वाली सड़क पर आ रही हरियाणा राज्य परिवहन की रोडवेज बस ने तेज रफ्तार व लापरवाही से कार में बांये तरफ टक्कर मार दी। इससे कार लगभग 35 फीट दूर जाकर गिरी। चालक बस को घटनास्थल पर ही छोड़कर भाग गया। मोहित के पिता भीम सिंह को इलाज के लिए डीएलएफ फेज-3 स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान मौत हो गई। जांच अधिकारी आशीष ने बताया कि मृतक के बेटे की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। कार को टक्कर मारने वाली फतेहाबाद डिपो की रोडवेज बस को पुलिस ने कब्जे में लेकर थाने में खड़ा किया है। बस के चालक को बुलाया गया है ताकि उसके बयान दर्ज कराकर कार्रवाई शुरू की जा सके।

सार-समाचार

पूर्व विधायक छोकर व बेटों की 44.55 करोड़ की संपत्ति कुर्क

गुरुग्राम। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के गुरुग्राम जोनल कार्यालय की टीम ने बुधवार को कांग्रेस के पूर्व विधायक धर्म सिंह छोकर, सिकंदर छोकर व विकास छोकर की कंपनियों मेसर्स साई आइना फार्म्स प्राइवेट लिमिटेड से संबंधित 44.55 करोड़ रुपये की संपत्ति को कुर्क किया है। यह कार्रवाई ईडी की टीम ने पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत 1500 से अधिक घर खरीदारों को धोखा देने और 500 करोड़ रुपये से अधिक की हेराफेरी के मामले में अस्थायी रूप से की है। बता दें कि बीते वर्ष ईडी ने कई बार पूर्व विधायक के ठिकानों पर छापेमारी भी की थी। विधायक धर्म सिंह छोकर व उनका बेटा विकास छोकर फरार है, जबकि सिकंदर छोकर जमानत पर है। ईडी की टीम द्वारा कुर्क की गई संपत्तियों में दिल्ली, गुरुग्राम, फरीदाबाद और पानीपत में स्थित 13 अचल संपत्तियां शामिल हैं। इन संपत्तियों में करीब तीन एकड़ की कृषि भूमि, 2487 वर्ग मीटर की व्यावसायिक भूमि, आठ आवासीय फ्लैट के अलावा विभिन्न व्यक्तियों से संबंधित लगभग 96 लाख रुपये की चल संपत्तियां, फिक्स्ड डिपॉजिट रसीदें (एफडीआर) और बैंक खातों में धन के रूप में शामिल हैं। इस मामले में माहिरा इंफ्रैटेक, सीजर बिल्डवेल व माहिरा बिल्डटेक ने गुरुग्राम के सेक्टर-68, सेक्टर-103 और सेक्टर-104 में मकान उपलब्ध कराने के वादे पर किफायती आवास योजना के तहत 1500 से अधिक घर खरीदारों से लगभग 616.41 करोड़ रुपये एकत्र किए थे। ये सभी संस्थाएं पीड़ितों को मकान देने में विफल रहीं। जबकि, घर खरीदारों से एकत्र किए गए धन को पूर्व विधायक व उनके बेटों ने अपने निजी लाभ के लिए पैसा डायवर्ट किया था।

कर्ज का बोझ से परेशान लोन एजेंट ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

ग्रेटर नोएडा। कर्ज के बोझ से दबे लोन एजेंट ने चूहड़पुर गांव में सरकारी ट्यूबवेल के पाइप से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान हरेंद्र कुमार (34) निवासी बलीपुरा बुलंदशहर के रूप में हुई है। सूचना पर पहुंची ईकोटेक-1 कोतवाली पुलिस के साथ फोरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर जांच की। शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा भरने के बाद पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। पूर्वांचल सोसायटी ग्रेटर नोएडा में हरेंद्र कुमार अपनी पत्नी और एक बेटी के साथ रहते थे। वह गुरुवार रात को बिना बताए घर से निकले थे। पूरी रात घर नहीं लौटे। शुक्रवार सुबह करीब साढ़े 6 बजे उनका शव सरकारी ट्यूबवेल के पाइप से फंदा लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उनके पास से मिले जरूरी दस्तावेज के आधार पर परिजन को सूचित किया। पास में रहने वाली सोसायटी से पत्नी तुरंत घटना स्थल पर पहुंची। पत्नी ने पुलिस को बताया कि हरेंद्र काफी समय से आर्थिक तंगी से जूझ रहा था। उसने अपने रिश्तेदारों से बड़ी मात्रा में उधार ले रखा था, जिसे चुकाने में वह असमर्थ था।

मृतक की पत्नी के अनुसार हरेंद्र लगातार कर्ज को लेकर परेशान था। बढ़ते कर्ज और उसे चुकाने में असमर्थता के कारण वह मानसिक तनाव में था। आशंका है कि इसी तनाव में आकर उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। युवक के आत्महत्या करने से परिवार में मातम पसरा है। पुलिस का कहना है कि परिजनों के बयान लिए जा रहे हैं। आत्महत्या के पीछे की पूरी सच्चाई का पता लगाया जाएगा। पत्नी ने जानकारी दी है कि हरेंद्र कुमार पंजाब नेशनल बैंक के प्राइवेट लोन एजेंट थे। वह लोगों को बैंक से लोन दिलाने का काम करते थे। उन्होंने बॉडी बनाने का शौक था। इस कारण वह जिम भी जाते थे। गौरतलब है कि कर्ज और आर्थिक तंगी के चलते आत्महत्या की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। आईएमए नोएडा के अध्यक्ष डॉ सुनील अवाना का अवसाद के कारण लोग आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर होते हैं। चिड़चिड़ापन, गुस्सा, आत्महत्या जैसी अगर कोई व्यक्ति बातें करे तो परिजन ऐसे व्यक्ति का तुरंत ही इलाज कराएं।

तेज रफ्तार बस ने स्कूटी को मारी टक्कर, इंजीनियर की मौत

गुरुग्राम। फर्रुखनगर थाना क्षेत्र में सुल्तानपुर झील के पास तेज रफ्तार बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी। इस हादसे में स्कूटी पर सवार इंजीनियर गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। हादसे के बाद चालक बस को लेकर मौके से भाग गया। पुलिस ने बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। भिवानी के सिवानी निवासी कुलदीप वर्मा गुरुग्राम की एक कंपनी में सिविल इंजीनियर था और यहां गढ़ी हरसरू गांव में किराये पर रहता था। 24 मार्च को कुलदीप वर्मा स्कूटी लेकर गढ़ी हरसरू से फर्रुखनगर साइट पर जा रहा था।

शेयर बाजार में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर 16.35 लाख ठगे

फरीदाबाद। शेयर बाजार में निवेश पर मुनाफे का झांसा देकर एक व्यक्ति से 16.35 लाख रुपये ठग लिए गए। आरोप है कि फेसबुक पर बनी महिला मित्र ने उन्हें निवेश पर बेहतर मुनाफे के बारे में बताते हुए अपने परिचित बताकर दो लोगों से संपर्क कराया। फेसबुक फ्रेंड के कहने पर शिकायतकर्ता ने निवेश कर दिया लेकिन रिफंड के दौरान और रुपये मांगने लगे। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि साइबर क्राइम थाना एनआईटी पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की है। बल्लभगढ़ एरिया के रहने वाले मनीष कुमार के साथ ठगी की ये वारदात हुई। इनका कहना है कि फेसबुक पर दोस्त बनी नताले गुलकिना ने सैफ इंडिया होल्डिंग्स कंपनी के बारे में बताया। उसके कहा था कि मुंबई में विप्रो कंपनी में नौकरी करती है। उसने कहा कि सैफ इंडिया होल्डिंग्स कंपनी के जरिये शेयर बाजार में निवेश करने पर अच्छा मुनाफा हो सकता है। बाद में दो मोबाइल नंबर देकर कहा कि ये मेरे परिचित हैं और निवेश के लिए इनसे संपर्क कर लो। मनीष ने दोस्त के परिचित से संपर्क किया और शुरू में कम रुपये निवेश किए। ऑनलाइन ट्रांसफर कर ये निवेश किया गया। एडवाइजर ने एक एप डाउनलोड कराया और उसमें निवेश व मुनाफा दिखने के बारे में बताया। शिकायतकर्ता ने जब रिफंड का प्रयास किया तो उन्हें मुनाफे पर लगने वाले चार्ज के नाम पर और रुपये जमा कराने को कहा गया। ये रुपये जमा करने के बाद क्रेडिट स्कोर की दिक्कत समेत अन्य बहाने बनाने लगे। पीड़ित का आरोप है कि कुल 16.35 लाख रुपये की ठगी हुई है। मामले में अब पुलिस ने जांच शुरू की है।

तहसील कर्मचारियों से परेशान व्यक्ति ने आत्मदाह का किया प्रयास

ग्रेटर नोएडा। सूरजपुर स्थित कलेक्ट्रेट में जिलाधिकारी कार्यालय के बाहर एक व्यक्ति ने अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की, लेकिन वहां मौजूद पुलिस व अन्य कर्मचारियों ने व्यक्ति को पकड़ लिया। पीड़ित तहसील सदर के कर्मचारियों की कार्यशैली से परेशान था। साथ ही उसकी जमीन के केस से जुड़ी पत्रावली गायब करने का पीड़ित ने आरोप लगाया है। घटना के बाद पुलिस की मौजूदगी में एसडीएम सदर ने पीड़ित से बात की और केस से जुड़ी पूरी जानकारी ली। पुलिस का कहना है कि व्यक्ति की जमीन का केस अभी जिला न्यायालय में विचाराधीन है। लखनावली गांव निवासी वेदपाल के पिता तेजवीर के नाम से डूब क्षेत्र में जमीन थी। वर्ष 2013 में इसमें से कुछ जमीन नोएडा के लोगों को बेच दी थी। इसका बैनामा भी किया। जमीन पर कुछ प्लॉट भी काटे गए। पिता की मौत के बाद वेदपाल ने वर्ष 2018 में सदर तहसील के तहसीलदार की कोर्ट में केस डाला और बैनामा को गलत बताकर खारिज करने की अपील की। जिस पर तहसीलदार कोर्ट ने वेदपाल के पक्ष में फैसला सुनाकर केस बैनामा खारिज कर दिया। दूसरे पक्ष ने इस फैसले को एडीएम प्रशासन की कोर्ट में चुनौती दी। नवंबर, 2024 में एडीएम कोर्ट ने अपील को खारिज कर दिया। उसके बाद से पीड़ित तहसील के चक्कर लगा रहा है। वहीं हाल ही में तहसील से लेखपाल टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे। टीम के साथ दूसरे पक्ष के लोग भी थे। इस बात से वेदपाल परेशान था। साथ ही तहसील से मदद नहीं मिलने के कारण नाराज था। परेशान होकर बृहस्पतिवार को वह पेट्रोल लेकर कलेक्ट्रेट पर पहुंचा। वहां अपने ऊपर पेट्रोल डालकर आग लगाने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया। वहीं एसडीएम सदर चारूल यादव का कहना है कि जांच में पता चला है कि कुछ दिन पहले ही दूसरे पक्ष ने कुछ जमीन का हिस्सा किसी तीसरे को बेच दिया। इसका बैनामा कर दिया गया। वेदपाल इस बात से दुखी था। जमीन का बैनामा कराने के संबंध में किसी कोर्ट से स्थगन का आदेश नहीं है।

तहसील की टीम आईजीआरएस पोर्टल पर आई शिकायत का निस्तारण करने मौके पर पहुंची थी। संबंधित व्यक्ति ने बैनामा कराने वालों पर एफआईआर दर्ज कराने और सुरक्षा देने की मांग की है। वहीं पुलिस का कहना है कि अभी संबंधित व्यक्ति से पूछताछ चल रही है। उच्च अफसरों के निर्देश पर कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली पुलिस ने की कार्रवाई

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल पर एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने सार्वजनिक संपत्ति अधिनियम (पीपीए) के कथित उल्लंघन की शिकायत पर मामला दर्ज किया है। दिल्ली पुलिस ने राउज एवेन्यू कोर्ट में अनुपालन रिपोर्ट दाखिल की और बताया कि एफआईआर दर्ज कर ली गई है। मामले की अगली सुनवाई 18 अप्रैल को होगी। इससे पहले मामले की सुनवाई में राउज एवेन्यू कोर्ट ने सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में तत्कालीन सीएम अरविंद केजरीवाल और मटियाला सीट से विधायक गुलाब सिंह के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के निर्देश दिए थे। अदालत ने अपने आदेश में स्पष्ट किया कि पुलिस ने शिकायत पर जांच नहीं की ऐसे में होर्डिंग किसने लगाए और क्यों लगाए इसकी जांच जरूरी है। अदालत ने पुलिस को 18 मार्च तक मामले में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए थे। इससे पहले 2022 में द्वारका स्थित मजिस्ट्रेट कोर्ट ने इस मामले को खारिज कर दिया था। जिसके बाद सत्र न्यायालय ने इसे दोबारा सुनवाई के लिए मजिस्ट्रेट अदालत में भेज दिया था। अतिरिक्त मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी नेहा मित्तल ने अपने आदेश में कहा था कि पुलिस की स्टेटस रिपोर्ट में लिखा है कि स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने की तारीख में बताए गए स्थान पर कोई होर्डिंग या बैनर नहीं दिखाई दिया है। जबकि शिकायत की तारीख पर बैनर होर्डिंग की स्थिति पर पुलिस ने चुप्पी साध ली है। ऐसे में यह जरूरी है कि इस मामले की जांच की जाए कि होर्डिंग बैनर किसने और क्यों लगाए हैं। राज्य की तरफ से पेश अधिवक्ता ने तर्क दिया था कि समय बहुत अधिक हो चुका है और साक्ष्य के तौर पर दाखिल की गई तस्वीरों में होर्डिंग और बैनर बनाने वाली कंपनी या संस्था का नाम नहीं लिखा है। जिसे अदालत ने खारिज करते हुए कहा कि यह जरूरी है कि मामले में शामिल लोगों की पहचान सामने आए।

सड़कों से लावारिस पशुओं को हटाने की प्रक्रिया तेज करेगा नगर निगम

नई दिल्ली। राजधानी की सड़कों पर घूमते लावारिस पशुओं को हटाने की प्रक्रिया तेज होगी। निगम ने मवेशी पकड़ने वाले वाहनों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया है। नए वाहनों को खरीदने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। लावारिस पशुओं से दिल्लीवासी परेशान हैं। साथ ही, ये समस्या नगर निगम के लिए भी सिरदर्द बनी हुई है। निगम ने दो माह में करीब दो हजार से ज्यादा लावारिस पशुओं को सड़कों से पकड़कर उचित स्थान पर छोड़ा है, लेकिन इनकी संख्या कम होती नहीं दिख रही। लावारिस पशुओं के हमले से सड़क हादसे व यातायात प्रभावित हो रहा है। बुधवार को सीएम रेखा गुप्ता का काफिला जब हैदरपुर फ्लाईओवर से गुजर रहा था, तो अचानक लावारिस मवेशियों का झुंड सामने आ गया। गनीमत रही कि सीएम के काफिले में शामिल वाहन हादसे से बच गए। इसके बाद सीएम गाड़ी से उतरीं और अधिकारियों को लावारिस पशुओं को सड़क पर आने से रोकने के लिए उपाय करने के निर्देश दिए। इस घटना के बाद निगम ने लावारिस पशुओं को पकड़ने वाले वाहनों की संख्या बढ़ाने का निर्णय लिया है। निगम के 12 जोनों में सड़कों से लावारिस पशुओं को हटाने के लिए 20 स्ट्रे एनिमल कैचर लगाए गए हैं, जिनके साथ 120 कर्मचारी इन पशुओं को पकड़कर उचित जगहों पर पहुंचाने का काम कर रहे हैं, लेकिन ये इंतजाम पर्याप्त नहीं हैं। निगम प्रशासन ने बताया कि पिछले साल 16251 लावारिस पशु सड़कों से पकड़े गए। इस साल फरवरी तक दो हजार से ज्यादा पशुओं को पकड़ा गया है। निगम का पशु चिकित्सा सेवा विभाग सड़कों से गाय, भैंस, बंदर और कुत्तों को पकड़ता है। गायों को केवला खानपुर में मानव गोशाला, डाबर हेड़ा में कृष्णा गोशाला, हरेवली में गोपाल गोसदन और सुल्तानपुर डबास में श्रीकृष्ण गौशाला में भेज दिया जाता है। चारों गोशालाओं में 19838 गायों को रखने की जगह है। इन गोशालाओं की देखरेख के लिए निगम को पैसे दिए जाते हैं। भैंसों को तिमारपुर में नीलामी के लिए भेजा जाता है। कुत्तों को टीका लगाने और बंध्याकरण करने के बाद वहीं छोड़ दिया जाता है, जहां से इन्हें पकड़ते हैं और बंदरों को असोला भाटी में छोड़ा जाता है।

बैंक मैनेजर बनकर फ्लैट मालिक के साथ 4.45 लाख रुपये की ठगी

गुरुग्राम। साइबर अपराध थाना मानेसर क्षेत्र में जालसाज ने एसबीआई का चीफ मैनेजर बताकर एक फ्लैट मालिक से 4.45 लाख रुपये की ठगी कर ली। खाते में रुपये नहीं आने की बात कहकर आरोपी फ्लैट मालिक से बार-बार रुपयों की ट्रांजेक्शन कराता रहा। पीड़ित फ्लैट मालिक की शिकायत के आधार पर पुलिस ने जालसाज के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-89 की टयूलिप सोसाइटी निवासी विकास कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनका पिरामिड सोसाइटी में एक फ्लैट है। फ्लैट को किराये पर देने के लिए उसने ओएलएक्स पर विज्ञापन दिया था। विकास कुमार नाम के एक व्यक्ति ने फ्लैट मालिक को कॉल करके बताया कि वह एसबीआई का चीफ मैनेजर है और बिहार का रहने वाला है। उसका ट्रांसफर गुरुग्राम के गांव सिकंदरपुर स्थित शाखा में हुआ है। उसको फ्लैट की आवश्यकता है। कॉल करने वाले ने अपना आधार कार्ड व बैंक का आईकार्ड फ्लैट मालिक विकास कुमार को व्हाट्सएप किया। इसके बाद उनके बीच 19 हजार रुपये मासिक किराया तय हो गया। वहीं, आरोपी ने फ्लैट मालिक को बताया कि उसको बैंक कि तरफ से छह माह का किराया एक साथ मिलता है। वह खाते में छह माह का किराया इकट्ठा डाल देगा। इसके बाद कॉल करने वाले ने फ्लैट मालिक के बैंक खाते में एक रुपये डाला, जोकि उनके खाते में आ गया। इसके बाद फ्लैट मालिक के पास आरोपी की कॉल आई, उसने कहा कि छह माह का 95 हजार रुपये किराया उसके खाते में डाल दिया है। इसमें एक माह का किराया व एक माह की सिक्योरिटी के तौर पर रखकर बाकी राशि वापस खाते में भेज दें। फ्लैट मालिक ने विश्वास करके 23 जनवरी को 38 हजार रुपये भेज दिए। उसने बाद भी आरोपी झूठ बोलकर रुपये मंगवाता रहा। कई बार रुपये भिजवाने के बाद यह भी कहा गया कि रुपये नहीं मिले, तो फ्लैट मालिक ने 19 हजार रुपये भेज दिए। इसके बाद 24 जनवरी को फ्लैट मालिक ने आरोपी विकास कुमार को 19000 रुपये, 57000 रुपये से दो ट्रांजेक्शन किए। वहीं, 25 जनवरी को आरोपी ने फ्लैट मालिक को 10 रुपये डालने को बोला, तो उन्होंने 10 रुपये भेज दिए। इसके बाद 27 जनवरी को 50,000 रुपये, 20,000 रुपये, 15,000 रुपये, 80,000 रुपये, 30,000 रुपये, 60,000 रुपये ट्रांसफर किए। ऐसे में आरोपी विकास कुमार ने फ्लैट मालिक विकास कुमार के साथ धोखाधड़ी करके 4.45 लाख रुपये अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कराकर ठगी की है। जांच अधिकारी सुनील कुमार का कहना है कि शिकायतकर्ता और आरोपी दोनों के नाम विकास कुमार हैं। शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है।

पुलिस पर चाय विक्रेता को पीटने का आरोप, बीके चौक पर लोगों ने लगाया जाम

फरीदाबाद। बीके और केसी रोड पर मंगलवार की देर रात पुलिस पर चाय विक्रेता को पीटने का आरोप लगाकर लोगों ने जमकर हंगामा किया। नाराज लोगों ने बीके चौक पर जाम लगा दिया। उच्च अधिकारियों के आश्वासन के बाद जाम को खोला गया। वहीं, दूसरी ओर पुलिस का कहना है कि बुजुर्ग ने अपने परिवार के सदस्यों के साथ मिलकर पुलिस टीम पर हमला किया और वर्दी फाड़ने की कोशिश की। पुलिस प्रवक्ता यशपाल सिंह ने बताया कि मामले में बुजुर्ग समेत सात नामजद लोगों के खिलाफ हाथापाई करने और सरकारी कार्य में बाधा डालने समेत कई धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। बीके केसी रोड पर स्थित बीटीडब्ल्यू रेस्टोरेंट के पास एनआईटी पांच निवासी आनंद प्रकाश ने बताया कि वह चाय की दुकान लगाते हैं। आरोप है कि मंगलवार की देर शाम एनआईटी पुलिस टीम उनके पास पहुंची और मारपीट के एक केस में किसी व्यक्ति का नाम जबरन लेने का दबाव बना रही थी। उन्होंने विरोध किया तो पुलिस मारपीट करने लगी। इस दौरान उनकी पत्नी बचाने के लिए आई तो उसे भी अपशब्द कहा। इस दौरान पुलिस और लोगों के बीच हुई हाथापाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। उसके बाद लोगों ने एनआईटी थाने पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया। उच्चाधिकारियों के समझाने के बाद लोग शांत हुए। वहीं, आनंद प्रकाश, गीता आदि का कहना था कि पुलिस टीम के साथ कोई महिला पुलिसकर्मी नहीं थी।

संपादकीय

किसानों के प्रति रवैये से आम आदमी पार्टी का असली चेहरा हुआ उजागर

आम आदमी पार्टी हमेशा से किसान हितैषी होने का दावा करती रही है लेकिन उसके ताजा रवैये से उसकी असलियत उजागर हो गई है। दिल्ली में 2020-21 में कृषि कानून के विरुद्ध किसानों के नाम पर दिए जाने वाले धरना और आंदोलन के दौरान मिले राजनीतिक समर्थनों को देखते हुए किसान नेताओं को शायद ही उम्मीद रही होगी कि आम आदमी पार्टी की पंजाब सरकार सीमा से उनके तंबू वगैरह उखाड़ कर भागने को विवश कर देगी। पंजाब के शंभू बोर्डर व खनोरी बॉर्डर पर 13 फरवरी, 2024 यानी कुल 13 महीने से धरने पर बैठे किसान नेताओं का सारा लाव लश्कर भगवंत मान सरकर ने समाप्त कर दिया। बुलडोजर एवं जेसीबी एक्शन की लाइव तस्वीरें पूरा देश देख रहा था, जिनमें मंच ढाए जा रहे थे, ट्यूब लाइट, पंखे , टीन की चादरें उखड़ रही थी । प्रशासन की पूरी कार्रवाई सुनियोजित थी। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर शंभू अंबाला और संगरूर जींद मार्गो से कंक्रीट के अवरोध को हटाने के लिए जेसीबी और अन्य मशीनों की मदद ली गई। हरियाणा की प्रशासनिक मशीनरी ने भी पंजाब से लगी राज्य की सीमा पर सीमेंट के ब्लॉक, लोहे की कीलें और कंटीले तारों की मदद से अवरोधक लगाए थे ताकि दिल्ली चलो कार्यक्रम के अंतर्गत पंजाब से किसान संगठनों को राजधानी की ओर न बढ़ने दिया जाए। पंजाब में लगभग 1000 से ज्यादा प्रदर्शनकारी हिरासत में है तथा 100 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को मुकदमे प्रदर्शनकारियों पर मुकदमा दर्ज कर उन्हें पटियाला जेल भेज दिया गया। किसानों के नाम पर बने नेताओं को आभास होना चाहिए था कि वो जो कुछ कर रहे हैं उसे सरकार और प्रशासन ही नहीं जनता के बीच भी समर्थन नहीं है। ऐसा होता तो उनके पक्ष में कोई बड़ा प्रदर्शन कम से कम पंजाब और हरियाणा में अवश्य दिखाई देता। पिछले कई दिनों से लग रहा था कि मुख्यमंत्री भगवंत मान इनसे नाखुश हैं और इन्हें बला मानकर टालना चाहते हैं। यानी कार्रवाई कभी भी हो सकती है। किसान संगठनों के नेताओं ने निश्चय ही सरकार के विरोध किए जाने की कोशिश की होगी। कार्रवाई के बावजूद कांग्रेस और अकाली दल जैसी पार्टियों के अलावा देश के अन्य भागों को छोड़िये पंजाब हरियाणा में ही कहीं कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हुआ। वैसे राजनीतिक पार्टियों द्वारा किसानों को हमेशा ही पालिटिकल टूल के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है लेकिन किसानों के वास्तविक हितों की अनदेखी होती है।

रंग से नहीं, काबिलियत से तय होती है पहचान

प्रो. आरके जैन

रंग–एक ऐसा शब्द, जो सिर्फ चमक या छाया नहीं, बल्कि समाज की गहरी दरारों का प्रतीक बन चुका है। यह वह जहरीला बीज है, जो सदियों से भारतीय समाज की मिट्टी में बोया गया और आज भी इसकी जहरीली फसल हमारे आत्मसम्मान को लील रही है। खासकर महिलाएँ–जिनकी पहचान, योग्यता और सपनों को रंग के इस पैमाने पर तौला जाता है। यह शर्मिंदगी की बात है कि आधुनिकता का ढिंढोरा पीटने वाला हमारा समाज आज भी गोरे और काले के भेद में उलझा हुआ है। लेकिन इस अंधेरे में एक चिंगारी जली–केरल की पहली महिला मुख्य सचिव शारदा मुरलीधरन ने रंगभेद की इस कुत्सित मानसिकता पर ऐसा प्रहार किया कि समाज का चेहरा शर्म से झुक गया। उनके साहस ने न सिर्फ एक बहस छेड़ी, बल्कि यह साबित कर दिया कि सफलता का कोई रंग नहीं होता–वह तो मेहनत, आत्मविश्वास और काबिलियत का प्रकाश है। शारदा मुरलीधरन ने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपने जीवन की कड़वी सच्चाइयाँ उजागर कीं। उनके सांवले रंग को बचपन से ही निशाना बनाया गया। ताने, कटाक्ष और अपमान उनके जीवन का हिस्सा बन गए थे। समाज ने उनके रंग को उनकी पहचान से बड़ा बना दिया, उनकी प्रतिभा को कुचलने की कोशिश की। लेकिन शारदा ने हार नहीं मानी। मेहनत और लगन से उन्होंने न सिर्फ ऊँचा मुकाम हासिल किया, बल्कि केरल की मुख्य सचिव बनकर इतिहास रच दिया। मगर समाज की संकीर्ण सोच यहाँ भी पीछे नहीं हटी। एक शख्स ने उनकी कार्यशैली की तुलना उनके पति से करते हुए बेहूदा टिप्पणी की–÷वह उतनी ही काली हैं, जितना उनके पति गोरे थे।÷ यह टिप्पणी सिर्फ एक शब्द नहीं थी–यह समाज की उस गहरी बीमारी का लक्षण थी, जो रंग को इंसान की कीमत का पैमाना मानती है। लेकिन शारदा ने इस अपमान का जवाब ऐसा दिया कि समाज की नींद उड़ गई। उन्होंने बुलंद आवाज में कहा, ÷मुझे मेरा रंग पसंद है। मुझे इस पर गर्व है। यह जवाब सिर्फ उस शख्स के लिए नहीं था–यह हर उस सोच को चुनौती थी जो गोरे रंग को सुंदरता का ताज पहनाती है और सांवले रंग को अपमान की गहराई में धकेलती है। शारदा ने साफ कर दिया कि असली सुंदरता रंग में नहीं, आत्मविश्वास और प्रतिभा में बसती है। उनकी यह प्रतिक्रिया एक तूफान बन गई–जिसने समाज की चुप्पी को तोड़ा और रंगभेद के खिलाफ एक नई जंग की शुरुआत की।

यह सवाल अब हर जुबान पर है–आखिर क्यों गोरे रंग को ही श्रेष्ठता का पर्याय माना जाता है? क्यों सांवले रंग को हीनता की नजर से देखा जाता है? शारदा मुरलीधरन की यह बेबाकी उन लाखों महिलाओं के लिए मशाल बन गई, जो अपने रंग-रूप के कारण खुद को कमतर समझती हैं। उनकी आवाज ने समाज को आईना दिखाया और बदलाव की एक उम्मीद जगाई। यह सिर्फ एक महिला की कहानी नहीं है–यह उस दर्द की पुकार है, जो हर सांवली लड़की ने कभी न कभी महसूस किया है। यह उस संघर्ष की गाथा है, जो हर उस इंसान ने जिया है, जिसे उसके रंग के कारण हाशिए पर धकेल दिया गया। भारतीय समाज में रंगभेद की जड़ें इतनी गहरी हैं कि वे हमारी संस्कृति का हिस्सा बन चुकी हैं। बचपन से ही बच्चों के दिमाग में यह बात ठूँस दी जाती है कि गोरा रंग ही सुंदरता का प्रतीक है। टेलीविजन पर विज्ञापन हों या फिल्मों के गीत–हर जगह गोरे रंग को महिमामंडित किया जाता है। ÷फेयर एंड लवली÷ जैसी क्रीम्स की बिक्री इस सोच को और हवा देती है। शादी-विवाह में यह भेदभाव अपने चरम पर पहुँच जाता है। गोरी बहू की माँग आज भी हर परिवार की पहली शर्त होती है। सांवले रंग की लड़कियों को न सिर्फ अपमान सहना पड़ता है, बल्कि उनके आत्मविश्वास को भी कुचल दिया जाता है। यह एक ऐसी सजा है, जो बिना जुर्म के दी जाती है। महिलाओं के लिए यह भेदभाव और भी क्रूर हो जाता है। चाहे वे कितना भी पढ़-लिख लें, कितना भी बड़ा मुकाम हासिल कर लें, उनकी पहचान उनके रंग से जोड़ दी जाती है। शारदा मुरलीधरन इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। उन्होंने अपनी मेहनत और काबिलियत से एक ऊँचा पद हासिल किया, लेकिन समाज ने उनकी सफलता को उनके रंग के चश्मे से देखा। यह सिर्फ उनकी कहानी नहीं है–यह हर उस महिला की कहानी है, जिसे उसके रंग के कारण जज किया गया। यह उस मानसिकता का सबूत है, जो योग्यता को रंग के तराजू पर तौलती है। लेकिन शारदा ने इस सोच को ललकारा। उनकी प्रतिक्रिया ने समाज को झकझोर कर रख दिया। उन्होंने दिखाया कि रंग कोई बाधा नहीं है–यह तो एक पहचान है, जिसे गर्व से अपनाया जा सकता है। उनकी इस हिम्मत ने न सिर्फ रंगभेद के खिलाफ जंग छेड़ी, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की नींव भी रखी। सोशल मीडिया पर उनकी बात को जबरदस्त समर्थन मिला। हजारों महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए–कोई अपने बचपन के तानों को याद कर रो पड़ी, तो किसी ने शादी में रिजेक्शन की पीड़ा बयाँ की। यह एक सामूहिक आवाज बन गई, जो रंगभेद के खिलाफ खड़ी हो गई। सरकार की ओर से भी इस मुद्दे पर सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। लोग अब खुलकर इस पर बात करने लगे हैं–यह बदलाव की पहली किरण है। शारदा मुरलीधरन का यह साहस उन लाखों महिलाओं के लिए प्रेरणा है, जो अपने रंग-रूप को लेकर हीन भावना से जूझती हैं। उन्होंने साबित किया कि सुंदरता का असली मापदंड रंग नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, मेहनत और व्यक्तित्व है। समाज को इस संकीर्ण सोच से बाहर निकलना होगा। गोरे रंग को श्रेष्ठता का तमगा देना बंद करना होगा। शिक्षा और जागरूकता ही इस बीमारी का इलाज है।

नागपुर हिंसा के पीछे की सोच को समझना होगा

नजरिया

नागपुर के दृश्य निस्संदेह फिर देश को भयभीत कर रहे हैं। 33 से ज्यादा पुलिसकर्मियों का घायल होना, भारी संख्या में वाहनों की तोड़फोड़ या जलाना, जगह-जगह घरों और दुकानों का क्षतिग्रस्त होना बताता है कि हमले सुनियोजित थे। विधानसभा में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बयान भी दिया कि यह सुनियोजित हमला लगता है। नागपुर पुलिस की प्राथमिकी, अभी तक की छानबीन तथा हिंसा के पैटर्न बताते हैं कि यह त्वरित उत्तेजना और गुस्से की परिणति नहीं थी। तत्काल किसी मुद्दे ,विषय या बयान से उत्तेजना हो तो छिटपुट समूह निकलकर हल्की-फुल्की हिंसा कर सकता है। वीडियो फुटेज में हमलावर चेहरे ढंके हुए हैं,नकाबपोश हैं , कई के पत्थरबाजी, तोड़फोड़ करते समय चेहरे से नकाब उतार रहे हैं , फिर वे लगा रहे हैं। पेट्रोल बम तक चले। इतने व्यापक क्षेत्र में बगैर पूर्व योजना और षड्यंत्र के वैसी हिंसा संभव नहीं। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक 13 प्राथमिकी दर्ज हो चुकी है तथा 100 से ज्यादा लोगों की गिरफ्तारी भी। घटनाक्रम देखिए। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने 17 मार्च को औरंगजेब की कब्र हटाने के लिए विरोध प्रदर्शन किया और छत्रपति शिवाजी महाराज चौक पर प्रतीकात्मक पुतला जलाया।

अवधेश कुमार

माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी के शहर अध्यक्ष फ़हीम अहमद लगभग 50-60 लोगों को लेकर गणेशपेठ पुलिस थाना पहुंचा और लिखित शिकायत दर्ज कराई कि हरे कपड़े पर पवित्र कुरान की आयत लिखकर जलाया जा रहा है। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई गई कि पवित्र कुरान की आयतें जलाई गई है , लोगों के घर से निकलने की अपील की गई। सोशल मीडिया पर झूठ फैलाया गया कि हिंसा में दो लोगों की मृत्यु हो गई है। एक सोशल मीडिया अकाउंट बांग्लादेश से मिला है जिसमें लिखा गया कि यह छोटा दंगा था, इससे बड़ा दंगा आगे होगा। फहीम खान थाने से आकर 400-500 लोगों, जिनके हाथों में हथियार थे को लेकर छत्रपति शिवाजी महाराज चौक यानी धरना स्थल पर पहुंच गया। पुलिस द्वारा भीड़ से वापस जाने के आग्रह को अनसुना करते हुए भड़काऊ और उकसाऊ नारे लगे। आप सोचिए, अगर कुछ निहत्थे लोग मांगों के लिए प्रदर्शन कर रहे हों, पुतले जल रहे हों और वहां कुल्हाड़ियों ,पत्थरों, लाठी, रोड और अन्य ऐसी सामग्रियां लेकर 400-500 लोग लहराने लगें तथा दृश्य ऐसे हों मानो टूट पड़ने वाले हैं तो लोगों की कैसी मनोदशा होगी। इसी दौरान भालदारपुरा में पुलिस पर पत्थरों से हमले की भी घटना हुई। सबसे शर्मनाक अंधेरे का लाभ उठाकर महिला पुलिस के साथ छेड़खानी और दुर्व्यवहार था। गीतांजलि चौक पर भीड़ ने पुलिस वाहनों पर पेट्रोल बम से हमला किया और पुलिस के दो वाहनों में आग लगा दी। गंजीपुरा में फ्लाईओवर निर्माण के लिए खड़ी दो क्रेन को पेट्रोल बम से आग लगा दी गई। ड्यूटी पर मौजूद पुलिस अधिकारियों पर पत्थरों और घातक हथियारों से हमलाकर घायल कर दिया गया। बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग आक्रामक तेवर और तैयारी में महल, कोतवाली, गणेशपेठ और चिटनिस पार्क समेत शहर के विभिन्न इलाकों में हिंसा करने लगे। नागपुर के सीए रोड, भालदारपुरा, गंजी पेठ, हंसापुरी, गांधी बाग, चिटनवीस पार्क, आदि क्षेत्र में ज्यादातर दुकानें पुराने मोटरसाइकिल एवं ऑटो स्पेयर पार्ट्स की हैं। सभी दुकानें मुस्लिम समुदाय की है। सोमवार को दुकानें सुबह से ही बंद रखी गई थी। क्यों? मोबिनपुरा में 150 गाड़ियां इन्हीं लोगों की खड़ी रहती थी, वहां एक भी गाड़ी नहीं थी। क्यों? शाम की हिंसा में केवल हिंदू घर एवं दुकान ही निशाना बने। नागपुर के डीसीपी निकेतन कदम

पत्थरबाजी की घटना में घायल हुए। उनका वक्तव्य देखिए, ''जिस तरह से हर तरफ से पत्थरबाजी हुई, उसमें कई अधिकारी घायल हो गए। एक घर में कुछ लोग छिपकर पत्थरबाजी कर रहे थे। टीम वहां गई तो दूसरी ओर से 100 से ज्यादा लोगों की भीड़ आई। मैंने उन्हें रोकने की कोशिश की तो एक ने कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। कई छतों से पत्थर फेंके जा रहे थे। पत्थर छत पर कैसे पहुंचे, कुछ तो प्लानिंग थी।' भीड़ उन्मादित और कुछ भी करने पर उतारू थी तो कारण सामान्य नहीं हो सकता। पुलिस वालों से मोर्चाबंदी कर रहे हैं, घायल कर रहे हैं तो इसका गहराई से विश्लेषण करना होगा।

ऐसी घटना को हम सामान्य राजनीतिक और दलीय चश्मे से देखेंगे तो भविष्य में होने वाले भयावह परिणामों के भागीदार बनेंगे। सच को सच के रूप में समझ कर स्पष्ट न बोला जाए तो परिणाम सतत भयावह से भयावहतम की ओर बढ़ेंगे। सामान्य सामाजिक व्यवहार की दृष्टि से देखें तो इस हिंसा का कोई कारण नहीं था। कोई समूह किसी विषय पर लोकतांत्रिक तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहा है तो उसे मजहब विरोधी कार्रवाई मानकर हमले की व्याख्या कैसे की जाएगी? साफ है कि ऐसा कुछ जलाया ही नहीं गया जिसका प्रचार किया गया। असदुद्दीन ओवैसी ने बयान दिया कि हरे कपड़े पर पवित्र पाक कुरान शरीफ की आयतें लिखकर जलाई गई है। इस तरह के अफवाह फैलाने वाले कौन हो सकते हैं? भारी संख्या में सोशल मीडिया अकाउंट बंद किए गए हैं और उनके आधार पर लोगों की गिरफ्तारियां हुई है। मानकर चलना चाहिए कि प्रदेश सरकार या अगर जांच केंद्रीय एजेंसी को दी जाती है तो केंद्र दोषियों को अंतिम सीमा तक दंड दिलाएगा। केवल दंड दिलाने से ऐसी समस्याओं का निदान नहीं हो सकता । विचार करने वाली बात है कि पूरे देश में जगह-जगह इस तरह की हिंसा के पैटर्न क्यों पैदा हो रहे हैं? इतने ईंट , पत्थर , पेट्रोल बम आदि तत्काल पैदा नहीं हो सकते। इसकी पूरी तैयारी करनी होती है। हाल में महू, संभल से लेकर नागपुर तक मोटा- मोटी एक ही तरह का पैटर्न देखा जिसमें हमलावर पूरी तरह तैयार थे तथा सबके पास हमले की पर्याप्त सामग्रियां थीं। कोई औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग कर रहा है तो उससे इतनी संख्या में किसी समुदाय के लोगों के अंदर गुस्सा क्यों पैदा हो गई? औरंगजेब जैसे आततायी, धर्मांध, बुरे शासक के लिए उसकी मृत्यु के 300 से ज्यादा वर्षों बाद इतने लोगों के अंदर उसे अपना या इस्लाम का आदर्श मानने की इतनी संवेगी भावना कि मरने - मारने को उतारू हो जाएं कैसे पैदा हो गई? पहले भी सोशल मीडिया पर औरंगजेब का महिमामंडन कर हिंसा फैलाने की कोशिश की गई है। केवल औरंगजेब नहीं, महमूद गजनवी और उसके भांजे सालार मसूद तक के प्रति इतना समर्थन कैसे कि उन पर प्रश्न उठाने के विरुद्ध खुलेआम बयानबाजी और हिंसा तक की घटनाएं हो रही हैं? क्या कल कोई नादिर शाह और अहमदशाह अब्दली को भी इस्लाम का ध्वजवाहक मानकर लड़ना शुरू कर देगा? कल्पना करिए कि कोई जनरल डायर , लॉर्ड क्लाइव आदि के पक्ष में खड़ा हो तो देश उसे किस दृष्टि से दिखेगा? यही दृष्टि औरंगजेब, महमूद गजनवी, सालार मसूद गाजी जैसों के प्रति क्यों नहीं पैदा होती? यह विचारधारा है जिसमें इस्लाम के नाम पर काफिरों या विरोधियों के विरुद्ध अत्याचार, पवित्रतम स्थलों को ध्वस्त कर इस्लामी ढांचा खड़ा करना सही माना जाता है। इस्लाम को उच्च तथा काफिरों या विरोधियों के साथ बुरे व्यवहार की विचारधारा को व्यापक स्वीकृति मिलती दिख रही है।

यही आचरण दुनिया में आतंकवाद और अन्य प्रकार की हिंसा का है। भारत विभाजन के पीछे भी यही था। इसलिए दलीय बयानबाजी द्वारा ऐसे तत्वों को परोक्ष समर्थन देना इनको हिंसा के लिए प्रोत्साहित करना है जो भविष्य में आत्मघाती साबित होगा। शिवसेना नेता संजय राऊत का बयान देखिए, ÷नागपुर में हिंसा होने का कोई कारण नहीं है। यहीं पर आरएसएस का मुख्यालय है। यह देवेंद्र जी का निर्वाचन क्षेत्र भी है। यहां हिंसा फैलाने की हिम्मत कौन कर सकता है? हिंदुओं को डराने, अपने ही लोगों से उन पर हमला करवाने और फिर उन्हें भड़काकर दंगों में शामिल करने का यह एक नया पैटर्न है।÷ हिंसा कौन कर रहे थे साफ दिख रहा है और संजय राऊत को भाजपा और संघ दोषी नजर आ रहा है। इसी समय बेंगलुरु में संघ की प्रतिनिधि सभा से अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर का बयान है कि औरंगजेब अप्रासंगिक है और हिंसा अनुचित। सामना के संपादकीय में औरंगजेब की कब्र हटाने की मांग करने वालों को हिंदू तालिबान कहा गया। लिखा गया कि औरंगजेब की कब्र मराठों और शिवाजी के शौर्य का प्रतीक है और उसे खत्म करने की मांग करने वाले इतिहास को समझने की कोशिश नहीं कर रहे। जब अबू आजमी ने औरंगजेब को महान शासक बताया तो अखिलेश यादव ने एक्स पर सच्चाई छुप नहीं सकती जैसे पोस्ट कर दिया। संसद के अंदर और बाहर सारा विपक्ष हमलावरों की आलोचना की जगह केवल प्रदेश और केंद्र की भाजपा सरकार को घेरने पर लगा रहा। भाजपा की आलोचना और विरोध करिए किंतु इतने बड़े खतरे की अनदेखी कर आप कैसे तत्वों को प्रोत्साहित कर रहे हैं, इसका परिणाम क्या होगा इन पर अवश्य विचार कर लीजिए।

अन्य देशों में रह रहे हिंदुओं के साथ खड़े रहने की आवश्यकता

प्रहलाद सबनानी

आज लगभग 4 करोड़ से अधिक भारतीय मूल के नागरिक विश्व के अन्य देशों में शांतिपूर्ण तरीके से रह रहे हैं एवं इन देशों की आर्थिक प्रगति में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। कई देशों में तो भारतीय मूल के नागरिक इन देशों के राजनैतिक पटल पर भी अपनी उपयोगिता सिद्ध कर रहे हैं। अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, आदि विकसित देश इसके प्रमाण हैं। आस्ट्रेलिया में तो भारतीय मूल के नागरिकों को राजनैतिक क्षेत्र में सक्रिय करने के गम्भीर प्रयास स्थानीय स्तर पर किए जा रहे हैं, क्योंकि अन्य देशों में भारतीय मूल के नागरिकों की इस क्षेत्र में सराहनीय भूमिका सिद्ध हो चुकी है। राजनैतिक क्षेत्र के अतिरिक्त आर्थिक क्षेत्र में भी भारतीय मूल के नागरिकों ने अपनी उपयोगिता सिद्ध की है जैसे अमेरिका के सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आज भारतीयों का ही बोलबाला है। अमेरिका में प्रतिवर्ष लगभग 85,000 एच वन-बी वीजा जारी किए जाते हैं, इसमें से लगभग 60,000 एच वन-बी वीजा भारतीय मूल के नागरिकों को जारी किए जाते हैं। इसी प्रकार अमेरिका की प्रमुख बहुराष्ट्रीय कम्पनियों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी भारतीय मूल के नागरिक बन रहे हैं। आज अमेरिका एवं ब्रिटेन में प्रत्येक 7 चिकित्सकों में 1 भारतीय मूल का नागरिक हैं। न केवल उक्त वर्णित विकसित देशों बल्कि खाड़ी के देशों यथा, बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात में भी भारतीय मूल के नागरिक भारी संख्या में शांतिपूर्ण तरीके से रह रहे हैं एवं इन देशों के आर्थिक विकास में अपनी प्रभावशाली भूमिका निभा रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कई देशों यथा सिंगापुर, गुयाना, पुर्तगाल, सूरीनाम, मारीशस, आयरलैंड, ब्रिटेन, अमेरिका आदि के राष्ट्राध्यक्ष (प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति/उपराष्ट्रपति) भारतीय मूल के नागरिक रहे हैं एवं कुछ देशों में तो अभी भी इन पदों पर आसीन हैं। साथ ही, 42 देशों की सरकार अथवा विपक्ष में कम से कम एक भारतवंशी रहा है। दूसरी ओर, भारत के पड़ौसी देशों बांग्लादेश, पाकिस्तान एवं अफगानिस्तान में भारतीय मूल के नागरिकों, विशेष रूप से हिंदुओं की जनसंख्या लगातार कम हो रही है। बांग्लादेश में तो वर्ष 1951 में कुल आबादी में हिंदुओं की आबादी 22 प्रतिशत थी वह आज घटकर 8 प्रतिशत से भी नीचे आ गई है। लगभग यही हाल पाकिस्तान का भी है। बांग्लादेश में तो हाल ही के समय में सत्ता पलट के पश्चात हिंदुओं सहित वहां के अल्पसंख्यक समुदायों पर कातिलाना हमले किए गए हैं। केवल बांग्लादेश ही क्यों बल्कि विश्व के किसी भी अन्य देश में हिंदुओं के साथ इस प्रकार की घटनाओं का कड़ा विरोध होना चाहिए। भारतीय मूल के नागरिक सनातन संस्कृति के संस्कारों के चलते

बहुत ही शांतिपूर्वक तरीके से इन देशों के विकास में अपनी भागीदारी निभाते हैं। इसके बावजूद भी यदि भारतीयों पर इस प्रकार के आक्रमण किए जाते हैं तो इसकी निंदा तो की ही जानी चाहिए एवं विश्व समुदाय से इस संदर्भ में सहायता भी मांगी जानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके। बांग्लादेश में हिंदूओं सहित अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हुए घातक हमलों की अमेरिका के राष्ट्रपति श्री डॉनल्ड ट्रम्प ने भी भर्त्सना की थी, इसी प्रकार के विचार अन्य देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भी प्रकट किया थे। परंतु, आज आवश्यकता इस बात की है कि भारतीय हिंदू समाज भी विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों के साथ खड़ा हो। इसी संदर्भ में, दिनांक 21 मार्च से 23 मार्च 2025 को बंगलूरू में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में बांग्लादेश के हिंदू समाज के साथ एकजुटता से खड़े रहने का आह्वान किया गया है एवं इस संदर्भ में निम्नलिखित एक विशेष प्रस्ताव भी पास किया गया है। अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा, बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्प संख्यक समुदायों पर इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा लगातार हो रही सुनियोजित हिंसा, अन्याय और उत्पीड़न पर गहरी चिंता व्यक्त करती है। यह स्पष्ट रूप से मानवाधिकार हनन का गम्भीर विषय है।

बांग्लादेश में वर्तमान सत्ता पलट के समय मठ मंदिरों, दुर्गा पूजा पंडालों और शिक्षण संस्थानों पर आक्रमण, मूर्तियों का अनादर, नृशंस हत्याएं, सम्पत्ति की लूट, महिलाओं के अपहरण और अत्याचार, बलात मतांतरण जैसी अनेक घटनाएं सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को केवल राजनीतिक बताकर इनके मजहबी पक्ष को नकारना सत्य से मुंह मोड़ने जैसा होगा, क्योंकि अधिकतर पीड़ित, हिंदू और अन्य अल्प संख्यक समुदायों से ही हैं। बांग्लादेश में हिंदू समाज, विशेष रूप से अनुसूचित जाति तथा जनजाति समाज का इस्लामी कट्टरपंथी तत्वों द्वारा उत्पीड़न कोई नई बात नहीं है। बांग्लादेश में हिंदुओं की निरंतर घटती जनसंख्या (1951 में 22 प्रतिशत से वर्तमान में 7.95 प्रतिशत) दर्शाती है कि उनके सामने अस्तित्व का संकट है। विशेषकर, पिछले वर्ष की हिंसा और घृणा को जिस तरह सरकारी और संस्थागत समर्थन मिला, वह गम्भीर चिंता का विषय है। साथ ही, बांग्लादेश से लगातार हो रहे भारत विरोधी वक्तव्य दोनों देशों के सम्बन्धों को गहरी हानि पहुंचा सकते हैं। कुछ अंतरराष्ट्रीय शक्तियां जान बूझकर भारत के पड़ौसी क्षेत्रों में अविश्वास और टकराव का वातावरण बनाते हुए एक देश को दूसरे के विरुद्ध खड़ा कर अस्थिरता फैलाने का प्रयास कर रही हैं। प्रतिनिधि सभा, चिन्तनशील वर्गो और अंतरराष्ट्रीय मामलों से जुड़े विशेषज्ञों से अनुरोध करती हैं कि वे भारत विरोधी वातावरण, पाकिस्तान तथा डीप स्टेट की सक्रियता पर दृष्टि रखें और इन्हें उजागर करें। प्रतिनिधि सभा इस तथ्य को रेखांकित करना चाहती है कि इस सारे क्षेत्र की एक सांझी संस्कृति, इतिहास एवं सामाजिक सम्बंध हैं जिसके चलते एक जगह हुई कोई भी उथल पुथल सारे क्षेत्र में अपना प्रभाव उत्पन्न करती हैं। प्रतिनिधि सभा का मानना है कि सभी जागरूक लोग भारत और पड़ौसी देशों की इस सांझी विरासत को दृढ़ता देने की दिशा में प्रयास करें। यह उल्लेखनीय है कि बांग्लादेश के हिंदू समाज ने इन अत्याचारों का शांतिपूर्ण, संगठित और लोकतांत्रिक पद्धति से साहसपूर्वक विरोध किया है। यह भी प्रशंसनीय है कि भारत और विश्वभर के हिंदू समाज ने उन्हें नैतिक और भावनात्मक समर्थन दिया है। भारत सहित शेष विश्व के अनेक हिंदू संगठनों ने इस हिंसा के विरुद्ध आंदोलन एवं प्रदर्शन किए हैं और बांग्लादेशी हिंदुओं की सुरक्षा व सम्मान की मांग की है। इसके साथ ही विश्व भर के अनेक नेताओं ने भी इस विषय को अपने स्तर उठाया है।

भारत सरकार ने बांग्लादेश के हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के साथ खड़े रहने और उनकी सुरक्षा की आवश्यकता को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई है। उसने यह विषय बांग्लादेश की आंतरिक सरकार के साथ साथ कई अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी उठाया है। प्रतिनिधि सभा भारत सरकार से अनुरोध करती है कि वह बांग्लादेश के हिंदू समाज की सुरक्षा, गरिमा और सहज स्थिति सुनिश्चित करने के लिए वहां की सरकार से निरंतर संवाद बनाए रखने के साथ साथ हर सम्भव प्रयास जारी रखे। प्रतिनिधि सभा का मत है कि संयुक्त राष्ट्रसंघ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों व वैश्विक समुदाय को बांग्लादेश में हिंदू तथा अन्य अल्प संख्यक समुदायों के साथ हो रहे अमानवीय व्यवहार का गम्भीरता से संज्ञान लेना चाहिए और बांग्लादेश सरकार पर इन हिंसक गतिविधियों को रोकने का दबाव बनाना चाहिए। प्रतिनिधि सभा हिंदू समुदाय एवं अन्यान्य देशों के नेताओं से तथा अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं से आह्वान करती है कि बांग्लादेशी हिंदू तथा अन्य अल्पसंख्यक समाज के समर्थन में एकजुट होकर अपनी आवाज उठाएं। यह प्रथम बार नहीं है कि भारत के किसी सांस्कृतिक संगठन ने विदेशों में रह रहे भारतीय मूल के नागरिकों के हित में आवाज उठाई है।

रेल विकासः एक पहलू यह भी

निर्मल रानी

भारतीय रेल विकास के नित्य नये अध्याय लिख रहा है। अनेक तीव्रगामी ट्रेन संचालित की जा रही हैं। मुंबई-अहमदाबाद के मध्य तो हाई स्पीड रेल/ बुलेट ट्रेन चलने की योजना है। दिसंबर 2023 तक बुलेट ट्रेन संचालन की तैयारी को पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। परन्तु अभी तक इसका निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है। इसकी अधिकतम गति 320-350 किमी प्रति घंटे की बताई जा रही है। इससे भी आगे बढ़कर 1300 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से हाइपर लूप चलाने का भी प्रस्ताव है। अनेक वनदे भारत सेमी हाई स्पीड ट्रेन चल चुकी हैं। इसके अतिरिक्त नमो भारत रैपिड रेल जिसे पहले वंदे भारत मेट्रो के नाम से जाना जाता था वह भी अहमदाबाद और भुज के बीच पहले से ही चल रही थी,अब दिल्ली, गाजियाबाद व मेरठ के बीच लगभग 180 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से चल रही है। इसी तरह अनेक रेलवे स्टेशन का नवीनीकरण किया जा रहा है। अनेक प्रमुख रेल स्टेशन पर एस्केलेटर / स्वचालित सीढ़ियां लगाई गयी हैं। अनेक रेल स्टेशन पर एक प्लेटफार्म से दूसरे पर जाने के लिये लिफ़्ट लगाई गयी हैं। भीड़ भाड़ वाले स्टेशन पर नए प्लेटफॉर्म बनाये गए हैं। उधर रेल परिवहन क्षेत्र में भी बड़ी क्रांति हुई है जिसके तहत भारत के समर्पित मालवाहक गलियारे (डीएफसी) पर विशेष रेलवे ट्रैक निर्मित किये गए हैं। यह ट्रैक केवल माल परिवहन के लिए डिज़ाइन किये गए हैं जिनका मकसद माल ढुलाई की क्षमता और गति को बढ़ाना,माल परिवहन की दक्षता और गति में सुधार करना, मौजूदा रेल नेटवर्क पर ट्रेन की संख्या को कम करना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। परन्तु इन सब के बावजूद रेल यात्रियों की सुविधा,सुरक्षा व स्वास्थ्य आदि से जुड़े अनेक बुनियादी सवाल अभी भी उसी तरह बरकरार हैं। सरकार भले ही वंदे भारत,राजधानी व शताब्दी जैसी ट्रेनों के संचालन पर इतराती हो परन्तु हकीकत तो यह है कि देश की अधिकांश आम जनता इनके अतिरिक्त चलने वाली दूसरी लगभग तीन हजार सामान्य मेल एक्सप्रेस ट्रेन्स से ही यात्रा करती है। और इन ट्रेन्स में यात्रियों को अनेक प्रकार की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। सबसे बड़ी समस्या तो बर्थ व सीट की उपलब्धता की ही है। लंबी दूरी की गाड़ियों में सामान्य कोच की स्थिति किसी से छुपी नहीं है। न केवल यात्री लटक कर या दरवाजों पर खड़े होकर यात्रा करते हैं बल्कि कभी कभी तो यह यात्री शौचालय में घुसकर उसे भीतर से बंद कर अपनी यात्रा पूरी करते हैं। जिससे ट्रेन के अन्य यात्रियों को भी परेशानी होती है। और जब यही भीड़ अनियंत्रित होती ही तो स्लीपर क्लास से लेकर ए सी कोच तक में अनिधकृत रूप से घुस जाती है। ज्यादा भीड़ देखकर टिकट निरीक्षक भी उन्हें उतारने के बजाये यात्रियों से सुविधा शुल्क लेकर उनकी अवैध यात्रा की अनदेखी कर देते हैं। परिणामस्वरूप आरक्षित यात्रियों व उनके सामन की सुरक्षा तो खतरे में पड़ती ही है साथ ही उन्हें वाशरूम तक पहुँचने व उसे इस्तेमाल करने में भी परेशानी होती है। दिल्ली,पंजाब,महाराष्ट्र व दक्षिणी राज्यों से बिहार बंगाल की तरफ जाने वाली गाड़ियों में ए सी श्रेणी में उपलब्ध कराये जाने वाले कंबल व चादरों की तो दशा ही मत पूछिए। बहुत सौभाग्यशाली होता होगा वह यात्री जिसे धुली हुई चादर नसीब हो जाती हो। अन्यथा पूर्व के यात्रियों द्वारा प्रयुक्त चादरें ही तह कर और वेंडर के लिफाफे में पैक कर उसपर टेप लगाकर पुनः दूसरे यात्रयों को दे दी जाती हैं । और कंबल का तो हाल ही मत पूछिए। यह बदबूदार गंदे कंबल तो शायद कभी धोये ही नहीं जाते। देर रात जब बेडिंग आपूर्ति करने वाले स्टाफ को नींद आती है तो यही चादरें और कंबल जो बाद में यात्रियों को भी दिए जाने हैं उन्हें गंदी फर्श पर बिछा कर सो जाते हैं। और सोने में सुहागा यह की उन्हीं कोनों में लोगों ने पान खाकर भी थूका होता है जहाँ वे चादर कंबल बिछा कर सो रहे होते हैं। निश्चित रूप से इस तरह के कंबलों व चादरों का यात्रियों को आवंटित किया जाना यात्रियों के आराम व सुविधा देने से अधिक बीमारियों व संक्रमण को न्यौता जरूर देता है। रेल मंत्रालय को इस दुर्व्यवस्था से सख्ती से निपटने की जरुरत है। मेल एक्सप्रैस ट्रेन्स में प्रायः किन्नर व महिलाओं के गैंग यहां तक कि सजी धजी सुन्दर लड़कियों के गिरोह सक्रिय रहते हैं। यह यात्रियों से पैसों की उगाही करते हैं।

आज के विद्यार्थी कल देश का स्वर्णिम भविष्य हैं : कैलाश नारायण

वार्षिक परीक्षाफल वितरण समारोह में मेधावी विद्यार्थियों का हुआ सम्मान

समय जगत, ललितपुर। शहर की प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थान ए.वी.एम. इण्टर कॉलेज में वार्षिक परीक्षा परिणाम कक्षा में प्रथम आये छात्र-छात्राओं को विद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष की भांति श्रीभगवानदास स्वर्णकार छात्रवृत्ति प्रदान की गई। यह छात्रवृत्ति विद्यालय द्वारा श्रीभगवानदासजी स्वर्णकार की स्मृति में प्रतिवर्ष विद्यालय मे प्रत्येक कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को प्रदान की जाती है, जिसमें विद्यार्थी को तीन हजार रूपये की राशि व प्रशस्ति पत्र, उनकी लगन व परिश्रम को प्रोत्साहन के तौर पर प्रदान की जाती है। छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम में अतिथि प्रेस क्लब अध्यक्ष राजीव बबेले सप्पू, महामंत्री अमित सोनी, विजय ड्योडिया, कृष्णकान्त सोनी, विकास सोनी, अमित लखेरा, उपस्थित रहे। छात्रवृति वितरण कार्यक्रम में विद्यालय मे अध्ययनरत सभी विद्यार्थी अपने माता-पिता व अभिभावको के साथ उपस्थित रहे। कार्यक्रम सरस्वती वन्दना एवं स्वागत गीत से प्रारम्भ हुआ जिसकी प्रस्तुती विद्यालय की छात्राओं ने बडे ही सुन्दर व मनमोहक ढंग से प्रस्तुत की। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अभिभावकों ने भी प्रतिभाग किया व विद्यार्थियों की उपलब्धियों के लिए उन्हे उत्साहित किया व आर्शिवाद दिया। अभिभावकों के लिए कार्यक्रम मे सामान्य ज्ञान क्विज करवाया गया जिसमें छात्र-छात्राओं के माता पिता ने प्रतिभाग कर कार्यक्रम को और अधिक रोमांचक बना दिया। अभिभावकों द्वारा क्विज मे दिये गये प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए उन्हे पुरूस्कृत किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं द्वारा ए.वी.एम. न्यूज बुलेटिन का विमोचन प्रेस क्लब के अध्यक्ष, महामंत्री व सम्मानित सदस्यों द्वारा किया गया। ए.वी.एम. न्यूज बुलेटिन को छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों के मार्गदर्शन मे बनाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय समिति के चेयरमैन एड.कैलाश नारायण ड्योडिया ने प्री-प्राइमरी की कक्षाओं मे, प्ले सेंटर मे शुभी ने प्रथम, तन्मय ने द्वितीय और वर्षा ने तृतीय स्थान, एल. के.जी. कक्षा मे प्रकृति व सूर्यांश ने प्रथम समृद्धि व जैनब ने द्वितीय और रूद्र व देव ने तुतीय स्थान, कक्षा यू.के.जी. में प्रत्युश व मोनिका ने प्रथम, विवान व वेदांश ने द्वितीय और दुर्गेश व सुरजीत ने तृतीय स्थान, कक्षा 1 मे उमन्ग यादव व सार्थक ने प्रथम, रूद्रांश व लक्ष्य ने द्वितीय तथा ध्रुव कुमार सिंह व प्राची पाल ने तृतीय स्थान, कक्षा 2 मे अनव्या खान व जान्हवी ने प्रथम, अनन्त व सुधीर ने द्वितीय तथा पीहू जैन व लवी कुशवाहा ने तृतीय स्थान, कक्षा 3 मे सौर्य व अनोखी राजपूत ने प्रथम, प्राची झा व भव्या जैन ने द्वितीय तथा देव कुशवाहा व आर्ना ने तृतीय स्थान, कक्षा 4 मे आस्था व अम्लोनकर ने प्रथम, वंशिका व अभिराज ने द्वितीय तथा सेृयांश डोली राजपूत ने तृतीय स्थान, कक्षा 5 मे नभ साहू व ध्रुव राठौर ने प्रथम, मानवी साहू व देवेन्द्र ने द्वितीय तथा अर्पिता, अनामिका व अभिनव कौशिक ने तृतीय स्थान, कक्षा 6 मे तमन्ना खान व अरिश खान ने प्रथम, महक व काव्या ने द्वितीय तथा साक्षी जोशी व आरोही सेन ने तृतीय स्थान, कक्षा 7 मे उज्जवल कुशवाहा व पार्थ विश्वास ने प्रथम, फारूक व सौर्य ने द्वितीय तथा जयमाला व भूमि साहू ने तृतीय स्थान, कक्षा 8 मे रागिनि साहू ने प्रथम, महक विश्वकर्मा ने द्वितीय तथा गीतिका कौशिक ने तृतीय स्थान, प्राप्त किया। कक्षा 9 मे पूर्वी पटेरिया व मनु ठाकुर ने प्रथम, अंश प्रताप सिंह व राजवीर सिंह लोधी ने द्वितीय तथा अमृता पटेरिया व मधुर सोनी ने तृतीय स्थान, कक्षा-11 मे कृष्णा कुशवाहा ने प्रथम, कृष्णकान्त साहू ने द्वितीय तथा अरिहन्त जैन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर विद्यालय समिति के चेयरमेन एड. कैलाश नारायण ड्योडिया ने छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले सभी विद्याथियों व उनके मातापिता को विद्यार्थी के उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाये प्रदान करते हुये कहा कि वे विद्यार्थियों के लिए उत्तम शिक्षा प्रदान करने के लिए हर सम्भव प्रयासरत है। विद्यालय के डायरेक्टर श्रेयश ड्योडिया ने छात्रवृत्ति प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई व कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि विद्यालय का बोर्ड परीक्षा परिणाम अभी तक प्रतिवर्ष की भांति हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट मे शत- प्रतिशत रहा है और प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट मे आशा के अनुकूल परिणाम शत-प्रतिशत रहेगा पिछले दो वर्षो मे ए.वी.एम के विद्यार्थियों ने जिले की हाईस्कूल व इण्टरमीडिएट की टॉप टेन लिस्ट मे स्थान बनाया हुआ है, जो इस वर्ष भी आशा के अनुकूल रहेगा। जिसके लिए वे ए.वी.एम. के विद्यार्थियों को जिले मे शिक्षा के क्षेत्र मे उच्च तकनीकि के पाठ्य सहगामी सामग्री को शिक्षण प्रक्रिया में सम्मलित किया है और आगे भी इस प्रकार की नवीनतम पाठ्य सहगामी प्रक्रियाओं व तकनीकि को शिक्षण प्रक्रिया में जुड जायेगा। कार्यक्रम में आये सभी अतिथियों को स्मृतिचिन्ह भेंट कर आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्रधानाचार्य शिवराम झा, अमितप्रिय नामदेव को-आर्डिनेटर दीप्ति अरोडा, प्रिया रजक एवं समस्त शिक्षक-शिक्षिकायें उपस्थित रहे।

ज्योति कलश यात्रा का निवाड़ी में हुआ आगमन

समय जगत, निवाड़ी । आज मां गायत्री प्रज्ञा पीठ ट्रस्ट द्वारा वर्ष 2026 को गुरु माता श्रीमती भगवती देवी का जन्म शताब्दी वर्ष मनाये जाने के क्रम में सम्पूर्ण देश में ज्योति कलश यात्रा निकाली जा रही है । इसी क्रम में मध्य प्रदेश में पांच ज्योति कलश यात्रा संचालित हैं आज जिला निवाड़ी में शाम चार बजे यात्रा का प्रवेश हुआ यह ज्योति कलश यात्रा 27 फरवरी को उज्जैन से प्रारंभ हुई थी यहां से दतिया ग्वालियर चंबल के अंचल में होती हुई वापस छतरपुर पन्ना होती हुई आगे बढ़ेगी पूरे साल वर्ष 2026 तक ज्योति कलश यात्रा चलती रहेगी आज निवाड़ी आगमन पर घर घर ज्योति कलश यात्रा का पूजन हुआ तत्पश्चात यात्रा शाम 6.30 पर भगवान श्री लखनलाल जी मंदिर गहोई समाज यज्ञ शाला में पूजन होगा ।

गहोई समाज श्री लखनलाल जी मंदिर की यज्ञ शाला वह स्थान है जहां वर्ष 1975 में स्वयं गुरु देव श्री राम शर्मा आचार्य जी स्वयं आये थे और उन्होंने यज्ञ किया था इसीलिए उस जगह का नाम यज्ञशाला पढ़ा जो आज भी यज्ञशाला ही कहलाती है उसी स्थान पर ज्योति कलश यात्रा को पूजन हेतु रखा जायेगा और आज रात्रि विश्राम होगा कल यात्रा अगले पड़ाव दतिया के लिए प्रस्थान करेगी कलश यात्रा के साथ गायत्री परिवार निवाड़ी के लोग रहे और सभी महिलाओं द्वारा रास्ते में पूजन किया गया ।

राखपचंमपुर में सिद्ध बाबा मन्दिर पर वार्षिक दुकानों की हुई नीलामी

समय जगत, ललितपुर। विकास खण्ड जखौरा के ग्राम राखपचंमपुर में स्थित श्रीश्री 1008 श्री सिद्ध बाबा मन्दिर प्रांगण में प्रभारी तहसीलदार सदर घनेन्द्र तिवारी की उपस्थिति में वार्षिक दुकानों की नीलामी की गई, जिसमें सबसे पहले गन्ना वाली दुकान की बोली लगाने वाले बोलीदाता में अमित ग्राम पंचमपुर, कप्तान ग्राम पंचमपुर, सतेन्द्र सिंह पंचमपुर ने बोली लगाई। सर्वाधिक बोली लगाने वाले अमित पंचमपुर को एक लाख ग्यारह हजार रुपये में गन्ने की दुकान साल भर के लिये आवंटित की गई। इसके बाद कैन्टीन वाली दुकान की बोली लगाने वाले बोलीदाता में प्रताप पंचमपुर, दीपेश पंचमपुर, शम्भू पंचमपुर, जगदीश पंचमपुर, सूरत ने बोली लगाई, जिसमें सर्वाधिक बोली लगाने वाले जगदीश को दो लाख अस्सी हजार रुपये में कैन्टीन की दुकान साल भर के लिये आवंटित की गई। इसके बाद भोग प्रसादी की दुकान की बोली लगाने वाले बोलीदाता में जयपाल, अशोक शर्मा, प्रताप सिंह, कप्तान सिंह ने बोली लगाई, जिसमें सर्वाधिक बोली लगाने वाले जयपाल पंचमपुर को आठ लाख बीस हजार रुपये में भोग प्रसाद की दुकान साल भर के लिये आवंटित की गई। इसके अलावा शेष दुकान भी आवांटित की गई। इन वार्षिक दुकानों के अलावा आटा दाल चावल (सीदा) की बोली लगाई गई, जिसमें बोली लगाने वाले बोलीदाता में जगदीश, यश कुमार, शिशुपाल सिंह को नौ लाख इकतीस हजार तीन सौ रुपये में आटा दाल चावल (सीदा) की नीलामी की गई एवं जो अभी तक वार्षिक दुकाने लगी हुई थी, उनका भी निरीक्षण किया गया। इस दौरान प्रभारी तहसीलदार सदर घनेन्द्र तिवारी, कानूनगों चन्द्रभान सिंह, लेखपाल पंचमपुर संजीव मिश्रा, लेखपाल मोहनलाल, लेखपाल राकेश साध्य, ग्राम प्रधान राखपचंमपुर राजपाल सिंह यादव, पूर्व प्रधान जयराम सिंह राजपूत, एड. देवेन्द्र शर्मा, वीरन पन्डा, उप निरीक्षक बृजेश कुमार सिंह, इन्द्रपाल सिंह कम्पनी कमान्डर, कान्स्टेबल चन्द्रकान्त शर्मा के अलावा पुलिस बल व भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

गाय से टकराई टैक्सी, किशोर उछलकर सड़क पर गिरा

ललितपुर। थाना जखौरा क्षेत्रांतर्गत ग्राम कोटरा में रहने वाली द्रोपती पत्नी स्व.राजकुमार खंगार ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि वह विधवा महिला है और इन्दौर में रहकर अपना व परिवार का भरण पोषण करती है। बताया कि 19 जनवरी 2025 को वह अपने 15 वर्षीय पुत्र आशीष के साथ इन्दौर से अपनी गांव कोटरा में तेरहवीं में शामिल होने के लिए आ रही थी। तभी तालबेहट से कोटरा जाने के लिए आपे टैक्सी संख्या यू.पी.94 ए.टी. 2083 में अपने पुत्र के साथ बैठ गयी। आपे में सवारी अधिक होने के कारण व उसके बार-बार मना करने के बावजूद भी टैक्सी चालक ने उसके पुत्र आशीष को आगे अपनी सीट पर बैठा लिया। बताया कि शाम करीब साढ़े चार बजे तेजी व लापरवाही से टैक्सी चलाकर बिजरौठा के बौलारी व पारा के बीच नहर के पास रोड किनारे खड़ी गाय में जोरदार टक्कर मार दी ।

आर.ओ. वाटर के नाम पर मची खुली लूट

समय जगत, ललितपुर। नामचीन कम्पनियों की वोटल में मंहगा बिकने वाला आर.ओ. का पानी पन्द्रह लीटर के कंटेनरों के जरिए महज 15 से 20 रुपये में कैसे बेचा जा रहा है। धरती से निकलने वाले पानी को चिलिंग प्लाण्ट से अत्याधिक ठण्डा करके सीधे तौर पर बड़े-बड़े कन्टेनरों में भरकर बेचा जा रहा है। मजे की बात तो यह है कि इन कंटेनरों पर कोई धनराशि, मेनीफेक्चरिंग और एक्सपायरी अंकित नहीं होती, जिससे कि टैक्स की चोरी भी व्यापक पैमाने पर किये जाने का सवाल भी खड़ा होता है। इसके अलावा भू-गर्भ जल विभाग द्वारा ऐसे चिलिंग प्लाण्टों पर कंटेनरों में भरकर बेचे जा रहे पानी की गुणवत्ता जांचने के लिए सेम्पल भी नहीं भरे जाते हैं, जिससे हम यह भी कह सकते हैं कि कंटेनरों का पानी गुणवत्तायुक्त नहीं है। ऐसे में आम नागरिकों ने जनहित में जिला प्रशासन से ऐसे चिलिंग प्लाण्टों से आर.ओ. के नाम पर बेचे जा रहे पानी की गुणवत्ता जांच के लिए आवश्यक रूप से सेम्पल भरवाये जाने और इनकी रिपोर्ट चिलिंग प्लाण्ट पर सार्वजनिक रूप से चस्पा कराये जाने की मांग उठायी गयी है।

गौरतलब है कि सार्वजनिक स्थलों पर लगाये जाने वाली बड़ी-बड़ी पानी की टंकियों पर सफाई और पानी की गुणवत्ता के लिए एक शिलापटट पर लेखन किया जाता है, जबकि शहर में बिना पंजीकरण कराये ही संचालित हो रहे आर.ओ.पानी के प्लाण्टों पर ऐसा कुछ देखने को भी नहीं मिलता। इसके अलावा गौर करने वाली बात तो यह है कि वर्षो से शहर के मध्य चल रहे ऐसे गोरखधंधे में सरकार को राजस्व का भी चूना लगाया जा रहा है। आर.ओ.पानी के बेचे जा रहे कंटेनरों पर सार्वजनिक तौर पर न तो मूल्य सूची और न ही निर्माण और निष्पादन की तिथि अंकित की जा रही है। धनराशि अंकित न होने से मनमाने तरीके से रुपया भी वसूला जा रहा है। तो वहीं दूसरी ओर ऐसे व्यापार में जीएसटी का पंजीकरण भी नहीं है, क्योंकि जब ऐसे प्लाण्ट सम्बन्धित विभाग में पंजीकृत ही नहीं हैं तो जीएसटी पंजीकरण कैसे होगा। ऐसे में शहरवासियों ने जिला प्रशासन से ऐसे आर.ओ.पानी के प्लाण्टों की जांच कराये जाने एवं बोर से निकाले जा रहे पानी की एनओसी जारी कराये जाने की मांग उठायी है।

घरों व दुकानों पर आपूर्ति किये जा रहे कंटेनर

शहर में इन दिनों कई आर.ओ.वाटर आपूर्ति की दुकानें बिना सम्बन्धित विभाग में पंजीकरण के संचालित हो रहीं हैं। ऐसे में घरों से लेकर व्यवसायिक भवनों तक आपूर्ति किये जा रहे ऐसे कंटेनरों के पानी से लोगों की सेहत पर भी खलल डाल सकता है। इसलिए ऐसे कंटेनरों में पानी की आपूर्ति कर रहे प्लाण्टों की जांच करायी जाना आवश्यक है।

हत्या के मामले में नामजद कराने पर दबंगों ने धमकाया

समय जगत, ललितपुर। सदर चौकी क्षेत्रांतर्गत मुहल्ला नदीपुरा में रहने वाले विटटू यादव पुत्र नारायण सिंह यादव ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि बीती 21 फरवरी को उसके चचेरे भाई अमर यादव की हत्या कर दी गयी थी। हत्या के बाद उसके द्वारा एफआईआर में रवि कुशवाहा का नाम लिखवाया गया था। परन्तु पुलिस ने रवि कुशवाहा के खिलाफकोई कार्यवाही नहीं की, जिस कारण वह व उसकी चाची शीला द्वारा पुलिस ने रवि पर कार्यवाही करने के लिए प्रार्थना पत्र भी दिया गया था। बताया कि 25 मार्च 2025 को अपराह्न करीब 12.30 बजे पुराने नदीपुल के पास आकाश शर्मा व सोनू शर्मा उसे मिले और गालियां देते हुये कहने लगे कि रवि कुशवाहा की पैरवी वह दोनों कर रहे हैं, यदि रवि का नाम दोबारा एफआईआर में लिखवाया तो जान से मारकर फिकवा देंगे। आगे बताया कि नगर पालिका में अमर की माताजी अमर की मृत्यु का प्रमाण पत्र बनवाने गयीं तो उपरोक्त आकाश शर्मा व सोनू शर्मा ने माताजी को भी धमकाते हुये शिवनगर निवासी रवि कुशवाहा पुत्र बाबूलाल के खिलाफप्रार्थना पत्र देने पर विटटू यादव को जान से मारकर फेंक देने की धमकी दी। पीड़ित ने पुलिस के समक्ष उक्त लोगों से जानमाल को खतरा बताया। पुलिस ने विटटू यादव की तहरीर पर उक्त लोगों के खिलाफबीएनएस की धारा 352 व 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

प्रयागराज एक्सप्रेस से मोबाइल फोन चोरी

समय जगत, ललितपुर। मध्य प्रदेश के जिला रायसेन के थाना सांची अंतर्गत वार्ड नं. 1 कान्हा खेड़ाकलां पठार निवासी दीपेश पाल पुत्र राम दयाल ने जीआरपी पुलिस को अवगत कराया कि वह बीती 7 मार्च को ट्रेन संख्या 11416 प्रयागराज अम्बेड़कर नगर एक्सप्रेस के कोच सं. एस-1 के बर्थ नं. 17, 18 व 20 पर सवार होकर प्रयागराज से सांची की यात्रा कर रहा था। यात्रा के दौरान रेलवे स्टेशन खजुराहो पर वह मोबाइल चार्जर में लगाकर सो गया। बताया कि ललितपुर रेलवे स्टेशन निकलने के बाद जब उसकी नींद खुली तो उसने देखा कि मोबाइल फोन चार्जर प्वाइँट से गायब था। दीपेश पाल की सूचना पर जीआरपी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफबीएनएस की धारा 305 (सी) में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

ट्रैक्टर लेने जा रहे युवक से मारपीट

समय जगत, ललितपुर। थाना जाखलौन के ग्राम गढ़ौली निवासी प्रभुदयाल पुत्र मुकुन्द सिंह लोधी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीते गुरूवार को सुबह करीब साढ़े आठ बजे वह गांव में भूसा लेने के लिए ट्रेक्टर लेने जा रहा था। रास्ते में भोलू यादव पुत्र कृपाल सिंह आया और उसे गालियां देते हुये मारपीट कर दी। आरोप है कि भोलू ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

जातिसूचक शब्दों से अपमानित कर मारपीट का आरोप

समय जगत, ललितपुर। कोतवाली महरौनी क्षेत्रांतर्गत ग्राम जखौरा में रहने वाले इमरत अहिरवार पुत्र अठई ने पुलिस को तहरीर दी है। बताया कि गुरूवार को सुबह करीब 9 बजे वह अपने भाई संतोष अहिरवार के साथ खेत पर जा रहा था। तभी रास्ते में गांव के भूपेन्द्र पुत्र सोबरन सिंह ने पीछे से आकर उसके साथ गालियां देते हुये मारपीट कर दी, जिससे वह व उसका भाई घायल हो गया। आरोप है कि भूपेन्द्र ने उसके साथ जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करते हुये अपमानित करते हुये जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली महरौनी पुलिस ने भूपेन्द्र के खिलाफबीएनएस की धारा 115 (2), 352, 351 (3) व एस.सी. एस.टी. एक्ट की धारा 3 (1)(द), 3 (1)(घ), 3 (2)(व्ही.ए.) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी।

ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलटी

समय जगत, उरई। सरिया लेकर जा रही एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खाई में पलट गई। इस हादसे में ट्रैक्टर चालक और उस पर सवार मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची।

जिन्होंने स्थानीय लोगों की मदद से ट्रैक्टर ट्राली के नीचे दबे चालक व मजदूर को बाहर निकाला। एम्बुलेंस की मदद से दोनों को इलाज के लिए कोंच सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां चिकित्सक ने हालत देखते हुए इलाज किया। मगर इलाज के दौरान मजदूर ने दम तोड़ दिया। जबकि घायल चालक की हालत देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। वहीं पुलिस ने जांच करने के बाद मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।घटना कोंच कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कुंवरपुरा की है। बताया गया कि कोंच-क्योलारी मार्ग स्थित ग्राम बिरोरा के पास पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा स्टोर बनाया गया है। जहां पर सड़क और पुलिया के निर्माण के लिए लोहे का सरिया रखा हुआ है। जिसे उठाने के लिए सड़क के निर्माण कार्य में लगे झांसी जनपद के खैरार गांव के रहने वाला मजदूर जितेंद्र 35 वर्ष पुत्र जगमोहन, अंडा गांव के रहने वाले अजय, विमल तथा ट्रैक्टर चालक रामनरेश चितगुवां थाना पूंछ जिला झांसी के साथ गया था।जब सभी लोग ट्रैक्टर ट्राली में सरिया लेकर एट कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सतोह के पास बन रही निर्माणाधीन पुलिया के लिए लेकर जा रहे थे जैसे ही ट्रैक्टर ग्राम कुंवरपुर के पास पहुंचा। तभी ट्रैक्टर की रफ्तार तेज होने के कारण चालक अपना संतुलन को बैठा। ट्रैक्टर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खंती में जा पलटा। इस हादसे के कारण ट्रॉली के नीचे मजदूर जितेंद्र दब गया। जबकि मधुर अजय, विमल बच गए और ट्रैक्टर चालक रामनरेश घायल हो गया। इस हादसे को देख वहां से गुजरने वाले राहगीर दहशत में आ गए। जिन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी।जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। जिन्होंने राहगीरों की मदद से ट्रॉली में दबे मजदूर को बाहर निकाला। घायलों को इलाज के लिए तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कोच में भर्ती कराया।जहां चिकित्सक ने हालात देखते हुए इलाज शुरू कर दिया। लेकिन इलाज के दौरान घायल जितेंद्र ने दम तोड़ दिया। जबकि ट्रैक्टर चालक रामनरेश की हालत देखते हुए उसे हायर सेंटर उरई रेफर कर दिया। वहीं पुलिस ने जांच करने के बाद मृतक के शब को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। वहीं पुलिस ने मृतक की परिजनों को इस बारे में सूचना दे दी।

दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा

उरई। कालपी कोतवाली क्षेत्र में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के मामले में पॉक्सो कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आरोपी को 20 साल की सजा और 60 हजार रुपए का जुर्माना लगाया है।घटना 14 मई 2023 की है। पीड़िता के परिवार में एक शादी समारोह था। शेखपुर गुढा का रहने वाला मनोज नाम का व्यक्ति भी समारोह में आया था। उसने नाबालिग लड़की को अकेला पाकर दुष्कर्म किया। पीड़िता के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी मनोज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मामले में कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किया गया। स्पेशल पॉक्सो कोर्ट में विचारण के दौरान दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गई। विशेष न्यायाधीश मोहम्मद कमर ने गवाहों के बयान और सबूतों के आधार पर गुरुवार को फैसला सुनाया। शासकीय अधिवक्ता बृजराज राजपूत ने इस मामले में पैरवी की। कोर्ट ने सभी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को दोषी करार दिया।

अवैध खनन के आरोपी को पकड़ने गए दरोगा और सिपाही से मारपीट, मुकदमा दर्ज

समय जगत, उरई । पुलिस टीम पर हमला हुआ है। डकोर कोतवाली क्षेत्र में तस्करी और अवैध खनन के आरोपी को पकड़ने गए दरोगा और सिपाही से मारपीट की गई।आरोपी के घर की महिलाओं ने पुलिसवालों को घेर लिया। वह आरोपी को छुड़ाने के लिए उनसे भिड़ गई। खूब धक्का-मुक्की हुई। महिलाओं ने दरोगा की वर्दी तक फाड़ दी। हाथापाई की।महिलाओं ने पुलिस से युवक को छुड़ाकर भगा दिया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपी की तलाश में पुलिस की टीम दबिश दे रही है।डकोर कोतवाली में तैनात दरोगा जगदीश गुरुवार दोपहर को अपने सहयोगी के साथ एक मामले की जांच के लिए खरका गांव गए थे। वहां उन्हें आरोपी धर्मेंद्र राजपूत दिखाई दिया। धर्मेंद्र अवैध खनन, हथियारों की तस्करी समेत कई मामलों में फरार है। दरोगा और सिपाही को देखते ही धर्मेंद्र भागने लगा। पुलिस वालों ने उसे दौड़ाकर पकड़ लिया। उसे कोतवाली ले जाने लगे। इसी दौरान धर्मेंद्र की पत्नी और अन्य महिलाएं वहां पहुंच गई। उन्होंने दरोगा को रोक लिया। उनसे भिड़ गई। आरोपी को छुड़ाने लगीं। छीना-झपटी शुरू हो गई। महिलाओं ने दरोगा की वर्दी पकड़कर खींची। उनके बिल्ले गिर गए। दरोगा से हाथापाई की। सिपाही ने महिलाओं को रोकने की कोशिश की, तो उससे भी भिड़ गई।इसी बीच महिलाओं ने धर्मेंद्र को छुड़ाकर भगा दिया। स्थानीय लोगों ने इस पूरी घटना का वीडियो बना लिया। घटना की जानकारी मिलते ही डकोर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। दरोगा और सिपाही को वहां से निकाला गया। आरोपी की तलाश में गांव में कांबिंग की गई, लेकिन वह नहीं मिला। उरई शहर की सीओ अर्चना सिंह ने बताया कि दरोगा जगदीश एक मामले में जांच करने के लिए खरका गांव गए हुए थे, इसी दौरान उन्हें अपराधी धर्मेंद्र राजपूत दिखाई दिया, जिसके खिलाफ कई आपराधिक मामले हैं।उसे गिरफ्तार कर पुलिस ला रही थी। उसकी घर की महिलाओं ने पुलिस को रोका। उनसे मारपीट की।

चंदेल एवं बुंदेल कालीन तालाब जीर्णोद्धार एवं अन्य जल संवर्धन कार्यों हेतु चलेगा जन अभियान:कलेक्टर

समय जगत, निवाड़ी। कलेक्टर लोकेश कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में समय-सीमा (टीएल) बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण, विद्यालयों में पुस्तकों की उपलब्धता, किसान पंजीयन, आयुष्मान 70 प्लस एवं कलेक्टर द्वारा भ्रमण के दौरान दिए गए निर्देशों की समीक्षा तथां आगामी आयोजन विक्रमोत्सव 2025 अंतर्गत सूर्य उपासना कार्यक्रम का आयोजन, स्कूल चलें हम अभियान एवं जल गंगा संवर्धन के संबंध में दिशा निर्देश दिए गए।

बैठक में कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ ने सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने विभागवार, अधिकारीवार एवं 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों की समीक्षा कर निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने एफएलएन मेला आयोजन के संबंध में जिले के समस्त विद्यालयों में मेला आयोजित करने के निर्देश दिए। रवि विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत किसान पंजीयन में प्रगति की समीक्षा कर पंजीयन बढ़ाने हेतु निर्देशित किया। साथ ही 70 प्लस आयुष्मान कार्ड में प्रगति लाने हेतु निर्देश दिए। 17 मार्च को ग्राम पंचायत टेहरका में कलेक्टर द्वारा भ्रमण के दौरान दिए निर्देशों की समीक्षा कर शेष कार्यो को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

जल गंगा संवर्धन अभियान

बैठक में कलेक्टर श्री जांगिड़ ने शासन के आदेशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान (30 मार्च से 30 जून 2025) के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आयोजन एवं जिम्मेदारी से अवगत कराते हुए सौंपे गए कार्यो को जिम्मेदारी से निर्वहन हेतु निर्देशित किया। इस अभियान के अंतर्गत नये तालाबों का निर्माण, पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुंओं का जीर्णोद्धार, अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही और सघन पौधरोपण किया जाएगा। उन्होंने निर्देशित किया कि चंदेल एवं बुंदेल कालीन तालाब का जीर्णोद्धार एवं अन्य जल संवर्धन कार्यो हेतु जन अभियान चलेगा। उन्होंने समाज और सरकार की भागीदारी से चंदेल-बुंदेल कालीन जल स्त्रोतों को संरक्षित रखने हेतु निर्देशित किया। अभियान को सफल बनाने हेतु समिति का गठन, व्यापक प्रचार-प्रसार व जागरूकता अभियान, प्रत्येक ग्राम पंचायत में जलदूत नियुक्त करने एवं विभागों के कार्य दायित्व एवं जल स्त्रोतों की साफ-सफाई के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने वृहद स्तर पर पौधरोपण हेतु संबंधित अधिकारियों को योजना अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए। अभियान अंतर्गत विद्यालयों में निबंध, पोस्टर, रंगोली, परिचर्चा एवं संवाद आयोजित करने के निर्देश दिए।

स्कूल चलें हम अभियान

कलेक्टर श्री जांगिड़ ने स्कूल चलें हम अभियान (01 अप्रेल से 4 अप्रेल 2025) प्रवेशोत्सव के सफल संचलान एवं तैयारियों के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रवेशोत्सव पूर्व पंचायतें विद्यालयों की साफ-सफाई कराएं। डीएमएफअंतर्गत स्कूलों की मरम्मत एवं रंग-रोगन कराएं। सीएसआर से बच्चों के बैठने हेतु स्कूल में फर्नीचर लाया जाए। प्रवेशोत्सव पूर्व सभी स्कूलों की सफाई, सौचालयों की सफाई, विद्यालय परिसर से झाडियों एवं कचरे को हटाना सुनिश्चित करें। सभी अधिकारी उत्साह के साथ प्रवेशोत्सव अभियान में सहभागिता करें। 01 अप्रेल 2025 प्रवेशोत्सव अंतर्गत जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में जिले के प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में जिला स्तर की किसी एक शाला में एवं शाला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में माननीय सांसद, विधायक, शाला के पूर्व विद्यार्थियों एवं जनप्रतिनिधियों की सहभागिता हेतु उन्हें सम्मानपूर्वक आमंत्रित किया जाए। उपस्थित छात्र छात्राओं को अतिथियों के द्वारा निःशुल्क पाठ्यपुस्तके वितरित की जाएगी। ग्राम के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन एवं उनके अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जाए। कक्षा 1 से 8 तक की सभी शालाओं में 1 अप्रेल को बाल सभा का आयोजन किया जायेगा।

समस्त शालाओं में विशेष भोज का आयोजन किया जाएगा। 02 अप्रेल 2025 को भविष्य से भेंट कार्यक्रम में माननीय जनप्रतिनिधियों, समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध एवं सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट हेतु आमंत्रित किया जाए। 03 अप्रैल 2025 विद्यालय स्तरीय सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधि का आयोजन किया जाएगा।

उत्तर वाहिनी पवित्र नर्मदा परिक्रमा यात्रियों का कैबिनेट मंत्री संपतिया उइके ने किया पुष्प वर्षा से स्वागत

समय जगत, मंडला। चैत्र महीने में पवित्र उत्तर वाहिनी पैदल नर्मदा परिक्रमा का शुभारंभ हुआ। जिसमें हजारों की संख्या में विभिन्न राज्यों सहित मंडला जिले के नर्मदा भक्त शामिल हुए महाराजपुर कारी कोन नर्मदा परिक्रमा पथ पर प्रदेश की कैबिनेट मंत्री श्रीमती संपतिया उइके, भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा,जिला मीडिया प्रभारी सुधीर कसार सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं जनप्रतिनिधियों स्थानीय नागरिकों ने उत्तर वाहिनी पवित्र नर्मदा परिक्रमा यात्रियों का पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत, अभिवादन करते हुए हर हर नर्मदे के जयघोष किए। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने सेवा भाव के साथ परिक्रमा यात्रियों को जलपान कराया। उत्तर वाहिनी पवित्र नर्मदा परिक्रमा यात्रा के प्रथम दिन का पड़ाव ग्राम घाघी में हुआ, यहां शाम को आयोजित नर्मदा आरती में मंत्री श्रीमती संपतिया उइके सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता शामिल हुए। इस अवसर पर प्रदेश सरकार की मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने कहा कि उत्तर वाहिनी मां नर्मदा की पवित्र परिक्रमा यात्रा के प्रति लोगों की श्रद्धा आस्था विश्वास और आध्यात्मिक भाव का ये अद्भुत समागम है।पैदल परिक्रमा में वृद्धजन मातृ

शक्तियों,युवा बड़ी संख्या में शामिल हैं ।ये मां नर्मदा के प्रति अटूट श्रद्धा का भाव मन में समेटे हुए है। परिक्रमा पथ पर जगह-जगह हर हर नर्मदे नमामि देवी नर्मदे जलतरंग सर्वदा नमामि देवी नर्मदा के जयकारों का गुंजायमान से नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। स्काउट एवं गाइड के छात्र-छात्राओं ने मां नर्मदा के तटों को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखना, नर्मदा जी का प्रवाह निरंतर बना रहे जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण नर्मदा जी के तटों में प्लास्टिक की सामग्री का उपयोग बंद करने के संदेश की तख्ती लेकर मार्ग में चल रहे है।

उत्तर वाहिनी पवित्र नर्मदा परिक्रमा का यह नजारा नर्मदा परिक्रमा पथ पर हमारी सनातन धार्मिक परंपरा, आध्यात्मिक चेतना के साथ सामाजिक समरसता का संदेश दे रही है। उन्होंने कहा कि मां नर्मदा जी से प्रार्थना है कि यह पवित्र यात्रा सभी के लिए सुख समृद्धि और मंगलमय हो।

कमल सिसोदिया परिवार में आई मां गणगौर पावनी

समय जगत, खिरकिया। खड़ा स्थापना के साथ चैत्र माह में बड़े पैमाने पर भुआणा क्षेत्र में मनाए जाने वाले गणगौर उत्सव की शुरुआत हो गई है। 9 दिनों तक क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों में आयोजन की धूम मच रही है। आयोजनकर्ता कमल सिसोदिया राजा सिसोदिया तहसील खिरकिया जिला हरदा के ग्राम चौकडी में गणगौर महोत्सव की शुरूआत की थी आज वर्तमान तक जारी है यह 12 वर्ष है। जिसको लेकर आयोजक परिवारों में जबरदस्त उत्साह है। गणगौर उत्सव का अलग ही उत्साह गांवों में देखने को मिलता है। विद्युत सज्जा से भव्य पंडाल तैयार किए गए हैं। जिसमें रात्रि में गणगौर मंडलियों द्वारा भजनो व नृत्यों की प्रस्तुति दी रही है। गणगौर माता का पाठ किया जा रहा है। 1 अप्रेल को ज्वारों के विसर्जन के साथ गणगौर उत्सव का समापन किया जाएगा। नौ दिवसीय गणगौर उत्सव में पुरुष मंडलियों द्वारा गीतों के साथ झालरे स्वांग आदि कार्यक्रम प्रस्तुत किए जा रहे है। भारतीय संस्कृति वैसे तो अत्यधिक जटिल जान पड़ती है। परंपराओं और रीती.रिवाजों की इन जटिलताओं को यदि भावनाओं के कोमल हाथों से कुरेदा जाए तो प्यार और संवेदनाओं की महीन डोरियों की छुअन सह्रदय व्यक्ति को खासा रोमांचित कर सकती है। गणगौर पर्व इन्ही सामाजिक रिश्तों.नातों की डोरियों से बंधा हुआ ईश्वर के प्रतीक स्वरूप मात्र दो पात्रों को केंद्रित कर समूचे गृहस्थ जीवन की परिकल्पनाओं को प्रतिबिंबित करता है। गणगौर पर्व हिंदू धर्म के मूल आराध्य शिव.पार्वती की पूजा.अर्चना के साथ ही विविधताओं को समेटे हुए है। इस पर्व को लोकजीवन के आधार पर मनाया जाता है। इस पर्व में गोरा मैया रनुबाई बनकर एवं महादेव धनियर राजा के रूप में भक्तों को दर्शन देते हैं। गणगौर महोत्सव में मालवा निमाड़ भुआणा की साझी संस्कृति की झलक दिखाई देती है। जहां कन्याएं महिलाएं परंपरागत नृत्य करती हैं।

स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में ट्विन स्ट्रिंग्स बैंड की म्यूजिकल परफॉर्मेंस से झूम उठे श्रोता

समय जगत, भोपाल। स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी द्वारा स्किल्स फ्यूजन फेस्ट 2025 वार्षिकोत्सव को गुरुवार को सेलिब्रेट किया गया। इस जश्न को और भी खास और यादगार बनाने के लिए विश्वविद्यालय ने अपने परिसर में प्रसिद्ध बैंड ट्विन स्ट्रिंग्स का लाइव म्यूजिक कंसर्ट आयोजित किया। म्यूजिकल नाइट में विश्वविद्यालय परिवार के साथ-साथ शहर की जनता ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और सिंगर सागर, साहिल, मानव और मोहित के गानों पर थिरके। उम्दा साउंड अरेंजमेंट्स और बेहतरीन लाइटिंग के साथ-साथ सिंगर्स ने सुरों का कुछ ऐसा समा बांधा की विश्वविद्यालय परिसर दर्शकों के अभिवादन और प्रशस्ति में बजाई गई तालियों से गूंज उठा। म्यूजिक बैंड ने शाम की शुरुआत बेख्याली... गीत से की। उसके बाद उन्होंने केसरिया तेरा..., मस्त मौला मस्त कलंदर..., तू मेरा कोई होके भी कुछ लागे..., जी ले जरा..., आशिकी..., कुछ तो है तुझे राब्ता..., तू पहला प्यार है मेरा ... जैसे पॉपुलर सॉन्ग्स पर नाचने को मजबूर कर दिया।

बैंड को सुनने बड़ी तादाद में लोग आए। और संगीत से अपनी शामें सजाई। इस अवसर पर रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे, डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, प्रो-चांसलर, डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी, कुलाधिपति स्कोप स्किल ग्लोबल यूनिवर्सिटी, कुलगुरू प्रो. विजय सिंह, कुलसचिव डॉ. सितेश कुमार सिन्हा, एआईसी-आरएनटीयू के निदेशक श्री नितिन वत्स विशेष रूप से मौजद रहे। इससे पहले दिन के सत्र में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें रंगोली, वाद-विवाद, पोस्टर मेकिंग, फोटोग्राफी, नेल आर्ट शामिल रहे।

नगर परिषद टिमरनी की बैठक में आम बजट हुआ स्वीकृत

समय जगत, टिमरनी। नगर परिषद टिमरनी का साधारण बैठक का आयोजन नगर परिषद् सभा कक्ष में किया गया। जिसमें बजट सहित विभिन्न तीन विषय सहित कुल चार विषय परिषद में विचार निर्णय हेतु प्रस्तावित किए गए थे, जिसमें सर्वप्रथम नगर परिषद द्वारा वितीय वर्ष 2025 26 का अनुमानित आय व्यय बजट पर चर्चा की गई साथ ही वास्तविक बजट वर्ष 2024 25 पर विचार विमर्श कर परिषद द्वारा सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि वर्ष 25-26 में विभिन्न मदों में आय राशि 79,15,98,500/ के विरुद्ध व्यय राशि 79,15,60,000/तथा बचत राशि 38,500/का प्रावधान किया गया इसी प्रकार वास्तविक बजट वर्ष 2024- 25 में विभिन्न मदों में आय राशि 12,68,17081/ व्यय राशि 12,67,46,725/ बचत 70356/ है इस प्रकार बजट वर्ष 2025-26 में विभिन्न निर्माण विकास कार्यों के साथ-साथ शासन द्वारा संचालित अमृत योजना वाटर बॉडी योजना संजीवनी

योजना एवं अन्य विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत निर्माण विकास कार्यों को प्रावधानित कर प्रस्तावित किया गया है, साथ ही निकाय में कार्यरत अधिकारी कर्मचारी के वेतन भत्तों के साथ-साथ विद्युत बिल पेयजल व्यवस्था अग्निशमन व्यवस्था जलप्रदाय व्यवस्था साफ-सफाई व्यवस्था आदि में राशियों का प्रावधान किया गया। वर्ष 25 - 26 में शासन द्वारा संचालित योजना अमृत 2.0 अंतर्गत 26 करोड़ का प्रावधान किया गया। लीक्बेस्टवॉटर ट्रीटमेंट प्लांट का 7 करोड़ 50 लाख का प्रावधान किया गया है, एसडीआरएफ योजना अंतर्गत 80 लाख का प्रावधान किया गया, तथा एमआरएफ सेंटर हेतु 75 लाख का प्रावधान किया गया है तथा शहर के सभी सौंदरीकरण कार्यों के साथ-साथ सड़क नाली एवं वर्षा जल की निकासी हेतु नालों को निर्माण एवं एवं अन्य निर्माण विकास कार्य का प्रावधानित किया जाकर बजट परिषद द्वारा सर्वसम्मति से स्वीकृत किया गया। बजट बैठक में अनुसूचित जाति जनजाति एवं आरक्षित वार्डों के साथ-साथ अन्य पिछड़े वार्डों में जो व्यय पक्ष में बजट प्रावधान 20 लाख रुपया किया गया था उसको संशोधित कर 50 लाख रखने हेतु चर्चा कर बजट पुंनरीक्षित किया जाकर प्रावधान करने की चर्चा की गई साथ ही अन्य तीन विषय भी परिषद द्वारा निर्णय लिए जाकर स्वीकृत किए गए । परिषद बैठक में अध्यक्ष नगर परिषद टिमरनी देवेंद्र भारद्वाज द्वारा बताया कि इस वर्ष 25-26 का बजट शहर विकास को लेकर एवं ध्यान रखकर प्रस्तावित किया गया है जिसमें विभिन्न निर्माण, विकास कार्य के साथ-साथ सौंदयीकरण प्रस्तावित है, एवं शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाऐ भी सम्मिलित है। बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष देवेंद्र भारद्वाज, उपाध्यक्ष जयंत कौशल, पार्षदगण,सहित विधायक प्रतिनिधि ओमप्रकाश मिश्रा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी सुश्री किरण राहगडाले, उपयंत्री रितेश यादव, प्रभारी लेखपाल शेर सिंह बट्टी,राजस्व उप निरीक्षक दुर्गा प्रसाद बोरासी, राजेश नागरे आदि उपस्थित थे।

नगर परिषद बोड़ा का 2025-26 का बजट स्वीकृत बैठक सफलता पूर्वक संपन्न

बोड़ा। नगर परिषद बोड़ा की बजट बैठक शुक्रवार दोपहर 12~30 बजे नगर परिषद सभा कक्ष में आयोजित की गई। इस बैठक में 15 में से 11 पार्षद उपस्थित रहे, जिनमें 4 महिला और 7 पुरुष पार्षद शामिल थे। बैठक के दौरान विधायक मोहन शर्मा और सीएमओ भगवान सिंह भिलाला से पार्षदों ने शहर के विकास कार्यों को लेकर सीधे सवाल-जवाब किए।

15.39 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत नगर परिषद बोड़ा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 15 करोड़ 39 लाख 82 हजार 500 रुपये की अनुमानित आय और 15 करोड़ 39 लाख 10 हजार रुपये के अनुमानित व्यय को स्वीकृति दी। इस बजट में 72,500 रुपये की बचत होगी। बजट का फोकस शहर के बुनियादी ढांचे के विकास और सुधार पर रखा गया है।

बैठक में पास हुए 7 प्रस्ताव: बैठक में नगर परिषद के 7 महत्वपूर्ण बिंदुओं को सर्वसम्मति से पारित किया गया

1. वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट की स्वीकृति।
2. छोटे पुल के पास रिटर्निंग वॉल एवं वार्ड क्रमांक 2 (रावजी बाग) में सीसी रोड निर्माण।
3. 45w, 60W और 90W की LED लाइट्स की खरीदी।

संक्षिप्त समाचार

गणगौर महोत्सव में मंडल कलाकारों ने दी भजनों की प्रस्तुति

समय जगत ,हरदा। छलोत्रे परिवार के तत्वावधान में गणगौर महोत्सव आयोजित किया जा रहा है।आयोजन के पंचम दिवस कलाकारों ने मनमोहक प्रस्तुति दी।पंचम दिवस ग्राम गाडामोड खुर्द में मातापुर,भाट परेटिया, रूपी परेटिया, पानपाट एवं अन्य मंडलों द्वारा प्रस्तुति दी गई। अंत में देवो राजा घर जावा भजन के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।आयोजक परिवार जगदीश छलोत्रे ने बताया कि भुआणा क्षेत्र में गणगौर को पर्व के रूप में मनाया जाता है।प्रतिवर्ष इसे चैत्र और वैशाख के महीने में मनाया जाता है।महिलाएं विधि विधान से पूजा करती हैं और नौ दिन तक जागरण चलता है।इन दिनों अलग-अलग गांवों की मंडलियों के माध्यम से विशेष परिधान पहनकर भजन कीर्तन और नाटक की प्रस्तुतियां दी गई।

चौधरी वेयरहाउस में गेहूं खरीदी केन्द्र का शुभारंभ

सिलवानी। चौधरी वेयरहाउस साईखेडा में गेंहू खरीदी केन्द्र शुभारंभ पंडित विपिन बिहारी जी कथावाचक के कर कमलों द्वारा किया गया।चौधरी बाबूसिंह रघुवंशी ने पूजा अर्चना के बाद गेहूं तुलाई प्रारंभ की ।कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष श्याम साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष विजय शुक्ला, साहब सिंह रमपुरा वाले, महेंद्र रघुवंशी, महेंद्र रघुवंशी समिति प्रबंधक, पुष्पेंद्र भार्गव, रामकुमार चंदेल, राघवेंद्र चौधरी, रविंद्र चौधरी, प्रहलाद सिंह रघुवंशी वर्धा सहित क्षेत्र के बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे।

नगर पालिका परिषद सारंगपुर का वित्त वर्ष 2025-26 का बजट किया गया पारित

समय जगत, सारंगपुर। नगर पालिका परिषद सारंगपुर का 27-03-2025 को साधारण सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु बजट पारित किया गया बजट प्रस्तुत करते हुए प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी दीपक रानवे द्वारा सम्मेलन में वित्तीय वर्ष 2025-26 में निकाय की समस्त स्त्रोतों से प्रस्तावित आय 1,20,88,11,157/- अक्षरी एक अरब बीस करोड अठयासी लाख ग्यारह हजार एक सौ सत्तावन रुपये तथा समस्त मदों में प्रस्तावित व्यय 1,20,87,68,841/- अक्षरी एक अरब बीस करोड सत्यासी लाख अढसठ हजार आठ सौ इकतालीस रुपये बताया गया इस प्रकार कुल रूपये 42,316/- की बचत का बजट परिषद द्वारा सर्व सम्मति से पारित किया गया।बजट में आय के मुख्य श्रोत के रुप में निकाय को शासन से प्राप्त होने वाली चुंगीक्षतिपूर्ति एवं यात्रीकर क्षतिपूर्ति राशि एवं अनुदान राशि,विशेष निधि,शासन की महत्वपूर्ण योजनाएं अमृत 2.0 एवं कायाकल्प अभियान,स्वच्छ भारत मिशन और समय-समय पर प्राप्त होने वाले शासन अनुदान व निकाय की स्थानीय वसूलियां सम्पत्तिकर समेकित कर आदि से होने वाली आय मुख्य रूप से बजट में शामिल की।

वन भूमि पर संगठित अवैध कटाई अतिक्रमण उत्खनन परिवहन को संयुक्त प्रयासों से किया जाए विफल : कमिश्नर

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी की अध्यक्षता में वन विभाग की संभाग स्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने वन विभाग एवं राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे संयुक्त रूप से वन भूमि पर संगठित अवैध वृक्ष कटाई, वन भूमि पर अतिक्रमण, अवैध उत्खनन एवं परिवहन करने वाले लोगों को संयुक्त प्रयास से उनके मंसूबे विफल करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए की वन क्षेत्र में अवैध कटाई अवैध उत्खनन एवं वन भूमि पर यदि कोई अतिक्रमण कर रहा है तो उसकी प्रभावी रोकथाम की जाए। राजस्व विभाग एवं पुलिस विभाग इसमें अपना सहयोग देते हुए ऐसे प्रयासों को सख्ती से रोके। कमिश्नर ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को भी निर्देश दिए कि वह वन विभाग के साथ वन क्षेत्र में संयुक्त रूप से गश्त कर विद्युत लाइनों को ट्रिपिंग से रोके एवं विद्युत लाइनों का रखरखाव समुचित रूप से करें। कमिश्नर ने कहा कि विद्युत लाइन के ट्रिपिंग को रोके ताकि वन्य एवं वन्य प्राणियों को विद्युत करंट से बचाया जा सके। कमिश्नर ने कहा कि विद्युत विभाग के क्षेत्रीय अधिकारी वन विभाग के साथ संयुक्त गश्त कर वन अपराधियों द्वारा विद्युत लाइन से करंट लगाकर की जा रही अवैध शिकार गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाए एवं विद्युत की अनियमित ट्रिपिंग होने पर इसकी सूचना वन विभाग के अधिकारियों के साथ तत्काल साझा करें। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि आपसी समन्वय स्थापित कर अवैध शिकार गतिविधियों को प्राथमिकता से विफल किया जाए। कमिश्नर तिवारी ने निर्देश दिए की सतपुड़ा टाइगर रिजर्व नर्मदापुरम वन मंडल एवं हरदा तथा सामान्य वन मंडल उत्तर दक्षिण एवं पश्चिम बैतूल में आदतन वन एवं वन्य प्राणियों के अपराधियों के नामों की सूची बनाकर आपस में साझा किया जाए। सूची पुलिस विभाग को भी दी जाए। वन संरक्षक अशोक कुमार ने बताया कि मालिक मकबूजा प्रकरणों में वृक्षों की कटाई हेतु खसरे के मालिकाना हक एवं स्वामित्व की पुष्टि ग्राम पंचायत के सरपंचों द्वारा की जाती है। उन्होंने कहा कि इसके लिए राजस्व एवं वन विभाग की अनापत्ति भी आवश्यक होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कई बार सरपंच वन भूमि एवं खसरे के मालिक की भूमि पर स्थित वृक्षों में फर्क नहीं समझ पाते हैं।

भूमि की दशा सुधारने के लिए जैविक खेती है आवश्यक : वीर सिंह मालवीय

समय जगत, हरदा। कृषि को बचाने और आने वाली पीढ़ी को स्वस्थ रखने के लिए किसानों को रासायनिक खाद से दूरी बनाकर जैविक खेती करना होगा। रासायनिक खादों का उपयोग करने से शरीर की ऊर्जा और मानव का लंबा जीवन खत्म होते जा रहा है। इसलिए पारम्परिक खेती के साथ जैविक खेती के साथ गौवंश,प्रकृति की रक्षा करना जरूरी है। प्रकृति को बचाने के लिए हमें हर संभव प्रयास करना पड़ेगा क्योंकि बिना प्रकृति के हम जीवित नहीं रह सकते यह बात शिवशक्ति ग्रुप की की तरफ से कृषि अधिकारी वीरसिंह मालवीय ने को ग्राम लहाड़पुर में आयोजित किसान सम्मेलन के दौरान किसानों को संबोधित करते हुए कही। आधुनिक युग में किसान अपनी खेती में खड़ी मूंग की फसल में कीटो को नियंत्रण करने और उत्पादन बड़ाने के लिए विभिन्न कंपनी की दवाईयां उपयोग कर रहे हैं,अगर इस पद्धति को नही सुधारा गया तो भविष्य में देश की आबादी के 30 प्रतिशत लोग कैंसर

पीड़ित हो जाएंगे,अतः शिवशक्ति वायो ग्रुप द्वारा गाँव-गाँव जाकर किसान संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है और किसान मित्रों को बताया जा रहा है कि अपने खेत की नरवाई ना जलाए, क्योंकि इसके जलाने से किसानों को बहुत हानि हो रही है। ग्राम लहाड़पुर किसान संगोष्ठी में क्षेत्रीय अधिकारी शर्मा जी ने किसान भाईयों को बताया कि किसान अपनी परम्परागत खेती से भटक कर रसायनिक खाद एवं उर्वक की और चले गये है, उपस्थित किसानों को बताया कि जैविक खेती में ही किसान भाईयों का भविष्य सुरक्षित है तथा कम कीमत में जीवाणु भूमि की संरचना को सुधारते है जैविक खाद एवं दवाईयों के प्रयोग से भूमि की उर्वरा शक्ति बढती है और किसान मित्र कीटों एवं जीवाणुओं की संख्या बढती है जो कि भूमि के लिये अति आवश्यक है। आयोजन के समापन के दौरान किसानों ने कुछ रकवा जैविक खेती करने का वचन दिया है।

शहर कांग्रेस की प्रेस वार्ता : नगर निगम भ्रष्टाचार का महासागर

सीवरेज में 150 करोड़ का घोटाला, बाजार बैठक शुल्क लेने , सीवरेज और संपत्ति कर को न्यायालय में देंगे चुनौती

रतलाम । नगर निगम में भ्रष्टाचार तथा संपत्ति कर में वृद्धि और बाजार बैठक प्रारंभ करने को लेकर शहर कांग्रेस तथा पार्षद दल द्वारा आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए शहर कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र कटारिया ने कहा की 50त्त की भ्रष्टाचारी सरकार है। संपत्ति कर में 10 से 30 हजार तक अवैध वसूली की जा रही है। उन्होंने जनता से कहा कि वह संपत्ति कर में 10 गुना वसूली राशि नहीं भरे। नेता प्रतिपक्ष शांतिलाल वर्मा ने कहा कि नगर निगम की लूट का परिषद की बैठक में पुरजोर विरोध किया जाएगा। और सड़कों पर भी आंदोलन किए जाएंगे। पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने घोटालो की लंबी चौड़ी फेहरिस्त पेश करते हुए कहा कि सिवरेज में डेढ़ सौ करोड़ का घोटाला हुआ है। जिसे न्यायालय में चुनौती दी जाएगी। सिवरेज का 28/12/2016 को कार्य प्रारंभ होने के 6 साल बाद 31/12/2022 को कार्य पूर्ण होने के दो माह पहले अक्टूबर 2022 को स्वीकृत टेंडर राशि 123.85 करोड़ से बढ़ाकर 141.44 करोड़ कर दी गई, तथा मकान की संख्या 53273 से घटकर 43273 कर दिया। सकलेचा ने कहा कि दिसंबर 2022 तक 27530 मकान को जोड़ने पर ही संपूर्ण राशि का भुगतान कर, कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र दे दिया गया। तथा टेंडर में 30.54 करोड़ की लागत से बनने वाले 6 ट्रीटमेंट प्लांट के स्थान पर दो प्लांट स्वीकृत कर 30.54 करोड का भुगतान कर दिया गया।

भागवत कथा के पांचवें दिन कथा पंडाल में धूमधाम से मनाया भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

समय जगत, सिलवानी । पूर्व मंत्री रामपाल सिंह राजपूत ने आज सिलवानी तहसील के ग्राम साईखेड़ा में साहू मुकद्दम परिवार द्वारा आयोजित स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.मुकद्दम लक्ष्मण प्रसाद साहू एवं स्व.श्री मति सरस्वती बाई साहू कि पुण्य स्मृति में मुकद्दम नीरज साहू यजमान किरण मधुसूदन साहू परिवार द्वारा आयोजित संगीतमय श्रीमद भागवत कथा साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ के पांचवे दिवस में श्री विपिन बिहारी दास के मुखारविंद से अमृत बर्षा में शामिल होकर कथा श्रवण कि तथा व्यास पीठ का पूजन कर कथा वाचक पंडित श्री विपिन बिहारी जी महाराज का आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, भाजपा वरिष्ठ नेता विजय शुक्ला, मंडल अध्यक्ष श्याम साहू, पूर्व मंडल अध्यक्ष दीपक रघुवंशी, मंडल अध्यक्ष पप्पू ठाकुर, सर्वेश खरे, विक्रम शाह, संजू बनारसी, पुनीत सामैया, पार्षद प्रतिनिधि मोहन साहू,

भाजपा नेता लखन सिंह, अरविंद रघुवंशी एवं कार्यकर्तागण साथ में उपस्थित रहे भागवत कथा के पांचवे दिन कथा पांडाल में धूमधाम से मनाया कथा व्यास जी बोले हमें आपको प्रभावित नहीं करना है परिवर्तन करना है विपिन बिहारी दास जी कथा व्यास गादी से कथा का महत्व बताते हुए उन्होंने समझाया कि जीवन में सम्मान मिलना बहुत बड़ी बात नहीं है भगवान कि कृपा से जब भी आपको सम्मान प्राप्त हो उसे बचाव कैसे बचेगा सम्मान उसके लिए देखो उदाहरण दें जब कोई प्रतिनिधि नेता अपने क्षेत्र में जाता है उसका स्वागत किया जाता है उसे मालाएं पहनाई जाती हैं तो बो उन मालाओं का क्या करता है वो मालाओं को अपने बगल वाले को देते जाता है इसी तरह तुम सम्मान की माला ऊपर वाले को देते परमात्मा को देते जाओ तुम्हारे सारे काम प्रभु बनाएगा इसी क्रम में पंडित विपिन बिहारी दास जी ने कृष्ण अवतार कि महिमा सुनाई जब-जब भी धरती पर आसुरी शक्ति हावी हुई, परमात्मा ने धर्म की रक्षा के लिए अवतार लेकर पृथ्वी पर धर्म की स्थापना की। मथुरा में राजा कंस के अत्याचारों से व्यथित होकर धरती की करुण पुकार सुनकर नारायण ने कृष्ण रुप में देवकी के अष्टम पुत्र के रूप में जन्म लिया और धर्म और प्रजा की रक्षा कर कंस का अंत किया। यह बात सिलवानी तहसील के ग्राम सांईखेड़ा में चल रही सप्त दिवसीय श्रीमद् भागवत के पांचवे दिन भगवान श्रीकृष्ण जन्म का प्रसंग सुनाते हुए पंडित विपिन बिहारी दास ने श्रद्धालुओं के बीच कही। कथा सिलवानी बरेली रोड पर स्थित ग्राम सांईखेड़ा के श्री लक्ष्मी नारायण बढ़ा मंदिर के प्रांगण परिसर में आयोजित की जा रही है। श्रीमद् भागवत कथा के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए पांचवे दिवस पंडित विपिन बिहारी दास ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म की कथा का वर्णन किया। इसके पूर्व पं. बिहारी दास ने कहा कि जीवन में भागवत कथा सुनने का सौभाग्य मिलना बड़ा दुर्लभ है। जब भी हमें यह सुअवसर मिले, इसका सदुपयोग करना चाहिए। कथा सुनते हुए उसी के अनुसार कार्य करें। कथा का सुनन तभी सार्थक होगा। जब उसके बताए हुए मार्ग पर चलकर परमार्थ का काम करें।उन्होंने रामकथा का संक्षिप्त में वर्णन करते हुए कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम ने धरती को राक्षसों से मुक्त करने के लिए अवतार धारण किया।

एएसपी ने कुलपहाड़ थाने का किया अर्धवार्षिक निरीक्षण

महोबा। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना कुलपहाड़ का अर्धवार्षिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान महिला हेल्प डेस्क पहुंच कार्यों को परखा गया, जिसमें आवेदिका, आने वाली पीड़िता का नाम, पता आदि एवं समस्या का स्पष्ट उल्लेख तथा समस्या निराकरण हेतु की गयी कार्यवाही एवं समस्या के निदान के उल्लेखित विवरण के सम्बन्ध में जानकारी की गयी। तदोपरान्त थाना कार्यालय, मालखाना, बंदी गृह, कम्प्यूटर कक्ष, विवेचक कक्ष, साइबर हेल्प डेस्क, शौचालय, स्नानघर, भोजनालय, थाना परिसर में साफ-सफाई आदि का निरीक्षण करते हुए मालखाने में रखे शस्त्रों की साफसफाई व रख रखाव का निरीक्षण किया गया। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक ने थाना कार्यालय में रखे अभिलेखों का बारिकी से निरीक्षण किया और त्यौहार

रजिस्टर, अपराध रजिस्टर, टॉप-10 अपराधियों की सूची का अवलोकन कर अपराधियों पर और अधिक प्रभावी कार्यवाही करने एवं नये सिरे से टॉप-10 अपराधियो को चिन्हित कर वैधानिक कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा थाना परिसर में खडे माल मुकदमाती एवं लावारिस वाहनों के शीघ्र निस्तारण करने हेतु प्रभारी निरीक्षक थाना कुलपहाड़ राधेश्याम वर्मा को निर्देशित किया गया। इस दौरान थाने में नियुक्त पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों से वार्ता कर उनकी समस्याओं को जानने का प्रयास किया गया, समस्या निस्तारण हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। निरीक्षण के दौरान प्रभारी निरीक्षक कुलपहाड़ राधेश्याम वर्मा, निरीक्षक यशवंत सिंह, चौकी प्रभारी बेलाताल उ0नि0 विवेक कुमार सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

अलविदा की नमाज सकुशल कराई गयी संपन्न

महोबा। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल द्वारा जनपद महोबा की विभिन्न मस्जिदों में माह-ए-रमजान में अलविदा की नमाज के दृष्टिगत सभी मस्जिदों पर चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत थाना कोतवाली नगर महोबा क्षेत्रअन्तर्गत विभिन्न मस्जिदों में भ्रमणशील रहकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा सर्व समुदाय के धर्मगुरुओं से वार्तालाप कर शांति व सद्भाव बनाए रखते हुये आगामी पर्व को मनाये जाने की अपील की गयी, साथ ही जनपद में अमन चैन

बना रहे इसके लिये किसी भी तरह की अवांछनीय गतिविधि होने पर इसकी सूचना पुलिस प्रशासन को दिये जाने की अपील की गयी, जिससे जनपद का माहौल खराब करने वालों के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्यवाही की जा सके। इस दौरान क्षेत्राधिकारी नगर दीपक दुबे, पीआरओ अरविन्द सिंह गौर सहित अन्य पुलिस अधिकारी, कर्मचारीगण मौजूद रहे। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के निर्देशन पर अलविदा की नमाज के दौरान जनपद में शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के दृष्टिगत इबादतगाहों व मिश्रित आबादी वाले व अन्य महत्वपूर्ण स्थानों में ड्रोन कैमरों से निगरानी के साथ ही चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल को तैनात करते हुये व्यापक पुलिस प्रबन्ध किया गया, इस दौरान भारी पुलिस बल दृश्यमान रहा। जनपदीय पुलिस प्रशासन की चुस्ती व मुस्तैदी के परिणाम स्वरुप जनपद में अमन चैन के साथ जुमे की नमाज को शांतिपूर्ण माहौल में सकुशल संपन्न कराया गया।

सार-समाचार

जिलाधिकारी ने फरियादियों की सुनी शिकायतें निराकरण के दिए निर्देश

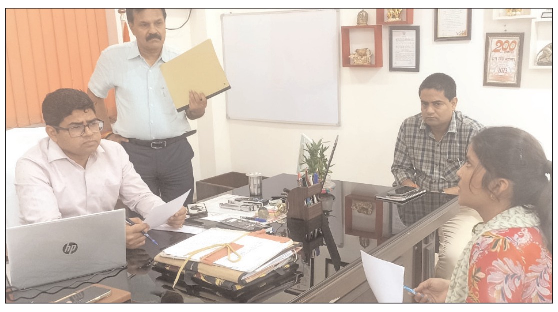

समय जगत, हमीरपुर। जनपद के जिलाधिकारी घनश्याम मीना ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनसुनवाई कर जन सामान्य की शिकायतों को सुना एवं संबंधित अधिकारियों को प्राप्त शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण व समयबद्ध तरीके से निस्तारण करने के निर्देश दिए ।जनसुनवाई में लगभग 62 शिकायते प्राप्त हुई जिनमें से अधिकांश का जिलाधिकारी ने त्वरित ढंग से मौके पर निस्तारण कर दिया।शेष शिकायतों के निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने समस्त एसडीएम , खंड विकास अधिकारी व अन्य संबंधित अधिकारियों के साथ वर्चुअल/ जूम एप के माध्यम से बैठक कर उनके तत्काल निस्तारण हेतु निर्देशित किया।उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम ,बीडीओ व अन्य संबंधित अधिकारियों द्वारा नियमित रूप से अपने कार्यालय में जनसुनवाई कर जन समस्याओं का त्वरित ढंग से निस्तारण किया जाए इसमें किसी भी तरह किसी शिथिलता न बरती जाए। जिलाधिकारी ने कहा की जनसुनवाई, आईजीआरएस व अन्य माध्यमों से प्राप्त होने वाले प्रकरणों का सभी संबंधित अधिकारियों द्वारा मौके पर जाकर गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारण कर उसकी समय से आख्या दी जाए।

हत्या के आरोपी को आजीवन कारावास व 25 हजार रुपए के अर्थदण्ड से किया दण्डित

समय जगत, चित्रकूट। पुलिस महानिदेशक उ0प्र0 के निर्देशन में चलाये जा रहे ऑपरेशन कन्विक्शन के तहत माननीय न्यायालय में लम्बित चल रहे वादों में गहन पैरवी कर अपराधियों को अधिक से अधिक सजा कराने हेतु *पुलिस अधीक्षक चित्रकूट अरुण कुमार सिंह* द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुपालन में थानाध्यक्ष राजापुर प्रवीण सिंह एवं पैरोकार मुख्य आरक्षी बृजबिहारी व प्रभारी मॉनिटरिंग सेल निरीक्षक विनोद कुमार शुक्ला व उनकी टीम द्वारा की गयी गहन पैरवी एवं सहायक शासकीय अधिवक्ता अजय कुमार सिंह द्वारा की गयी प्रभावी प्रस्तुति एवं प्रभावी बहस के फलस्वरूप *माननीय न्यायालय अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम चित्रकूट श्री अनुराग कुरील* द्वारा आज दिनाँक 28.03.2025 को पुलिस मुख्यालय से पैरवी हेतु चिन्हित एवं थाना राजापुर में पंजीकृत मु0अ0सं0 785/2008 धारा 302/34 भादवि0 के आरोपी अभियुक्त भोंदू उर्फ राधाकृष्णा पुत्र बच्चुराम निवासी बरद्वारा थाना राजापुर जनपद चित्रकूट को आजीवन कारावास व 25 हजार रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया।उल्लेखनीय है कि दिनांक 28.08.2008 को वादी अनिरुद्ध प्रसाद द्विवेदी पुत्र बैजनाथ निवासी बरद्वारा थाना राजापुर जनपद चित्रकूट द्वारा थाना राजापुर पर सूचना दी कि अभियुक्त भोंदू उपरोक्त द्वारा उनके पुत्र मधुकर की गोली मारकर हत्या कर दी।सूचना थाना राजापुर में मु0अ0सं0 785/2008 धारा 302/34 भादवि0 पंजीकृत किया गया था जिसकी विवेचना तत्कालीन निरीक्षक श्री बृजभूषण दुबे द्वारा सम्पादित की गयी।आरोपी के विरुद्ध दिनाँक 15.01.09 को आरोप पत्र माननीय न्यायालय प्रेषित किया गया।

बीडीओ ने जानी किसानों की समस्यायें, समाधान का दिया आश्वासन

बांदा। जंगली और हिंसक जानवरों द्वारा फसलों को बर्बाद किए जाने से नाराज किसानों ने धरना शुरू किया तो प्रशासन की नींद टूटी और उन्हें संरक्षित करने के लिए स्थान चिन्हित स्थान पर कंटीले तार लगाए जाने निर्देश दिए।बिजली आपूर्ति और अन्ना मवेशियों की समस्या को लेकर ग्राम पंचायत पल्हरी, बड़ागांव, नीलाथू, मिलाथू, आलमपुर, देवरथा सहित करीब एक दर्जन से अधिक गांव के किसानों ने समाज सेवी पीसी पटेल की अगुवाई में किसानों ने अनशन शुरू कर दिया है।किसानों के इस फैसले को लेकर जहां प्रशासन परेशान है।खंड विकास अधिकारी गरिमा अग्रवाल भी मौके पर पहुंचकर किसाने की समस्याओं को सुना।बीडीओ ने कहा कि जंगली और हिंसक जानवर है इनको पकड़ने में बड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी लेकिन किसानों का सहयोग मिला तो इन जानवरों को पकड़ कर एक जगह संरक्षित किया जाएगा। किसानों के इस सुझाव को खंड विकास अधिकारी गरिमा अग्रवाल, ब्लाक प्रमुख रमाकांत पटेल, आईएसबी अनिल कुमार श्रीवास्तव, प्रधान सुरेश पटेल ने बड़ागांव के सौंधिया तालाब का निरीक्षण कर चारों तरफ से कंटीले तार लगाकर उन्हें संरक्षित किए जाने की योजना बनाते हुए गांव के प्रधान एवं सचिव दिनेश यादव को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के अंदर तारबाड़ी लगाकर हिंसक जानवरों को बंद किया जाए साथ यह भी बताया कि जंगली एवं हिंसक जानवरों को पकड़ने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ेगी और गौशालाओं में जो भी गोवंश बंदी हैं उन्हे टेंगिग कर दी गई है।जो किसानों की फसलों को चट कर रहे हैं वह जंगली एवम हिंसक मवेशी है।उधर जिले के जिले के अधिकारियों ने वन विभाग को भी पत्र लिखकर हिंसक जानवरों को पकड़ने के लिए मदद मांगी है।

कलेक्टर आशीष सिंह ने बस ऑपरेटरों की ली बैठक

इंदौर में इधर-उधर से सवारी बैठाने और बस खड़ी करने पर होगी कड़ी कार्रवाई- बसों को किया जायेगा जब्त

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने बस ऑपरेटरों से कहा कि वे अपनी बसों का संचालन निर्धारित स्थान से ही करें। इधर-उधर से कहीं पर भी बस रोक कर सवारी नहीं बैठाये। सड़कों पर अपनी बसों को पार्क नहीं करें। बसे निर्धारित स्थान पर ही पार्क करें। इधर-उधर से सवारी बैठाने और बसें पार्क करने पर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। बसों को जप्त भी किया जायेगा। बस संचालकों को बस पार्क करने के वैकल्पिक स्थान चयन करने के लिए तीन दिन की मोहलत दी गई है। इसके बाद परिवहन विभाग और यातायात पुलिस द्वारा संयुक्त मुहिम चलाकर बसों को जप्त करने की कार्रवाई की जायेगी। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इस संबंध में व्यवस्था बनाने के लिए आज अखिल भारतीय पर्यटक परमिट एवं स्टेज कैरिज परमिट पर संचालित बसों के ऑपरेटरों की बैठक ली। बैठक में स्मार्ट सिटी के सीईओ श्री दिव्यांक सिंह, क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी श्री प्रदीप शर्मा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में बताया गया कि उक्त बस ऑपरेटरों द्वारा अपनी बसों को गंगवाल बस स्टैण्ड, छोटी ग्वालटोली, नवलखा, पिपल्याहाना,

रिंग रोड तथा तीन ईमली क्षेत्र में कहीं पर भी बसें खड़ी कर यातायात बाधित किया जाता है। इससे यातायात जाम होता है और दुर्घटना की आशंका रहती है। बस ऑपरेटरों से कहा गया कि वे अपनी बसों को तीन दिन में निर्धारित स्थान से संचालित करना शुरू करें। कहीं से भी सवारी नहीं बैठाये। बसों को पार्क करने के लिए वैकल्पिक स्थान मुहैया कराया जायेगा। इसके लिए कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने संबंधित क्षेत्र के एसडीएम को स्थान चिन्हित कर बसों को पार्क करने की आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी से कहा कि वे ऑटो रिक्शा संचालकों की भी बैठक लेकर उक्त संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश देंवे। बैठक में बस ऑपरेटरों से भी सुझाव लिये गये।

बहुमुखी विकास के कार्य कर सुशासन की संकल्पना हो रही साकार-प्रभारी मंत्री

जिले में विकास एवं सुशासन उत्सव का भव्य आयोजन

धौलपुर। राजस्थान दिवस साप्ताहिक महोत्सव के अंतर्गत शुक्रवार को विकास एवं सुशासन उत्सव का जिला स्तरीय आयोजन किया गया। नगर परिषद के टाउनहॉल में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री एवं राज्य मंत्री गृह, गोपालन, पशुपालन, डेयरी एवं मत्स्य विभाग श्री जवाहर सिंह बेढ़म ने शिरकत की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में भीलवाड़ा के चित्रकूट धाम स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम का वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सीधा प्रसारण किया गया। राज्य स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 10,000 करोड़ रुपए के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया। साथ ही, राजस्थान पत्रकार स्वास्थ्य योजना, सभी जिलों की पंच गौरव पुस्तिका, ई-उपचार एप का शुभारंभ किया गया। इसके अतिरिक्त मुख्यमंत्री ने स्थानीय निकायों के सशक्तिकरण, हरित अरावली विकास परियोजना, फायर एनओसी प्रक्रिया के सरलीकरण, नए जिलों में डीएमएफटी गठन, तथा राशन दुकानों में अन्नपूर्णा भंडार संबंधी दिशा-निर्देश भी जारी किए। जिला स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि सरकार बहुमुखी विकास के कार्य करते हुए सुशासन की संकल्पना को साकार कर रही है। स्वयं सहायता समूह से लेकर औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने तक हर मोर्चे पर प्रभावी ढंग से कार्य किये जा रहे हैं एवं जनकल्याण का मार्ग प्रशस्त कर रही है। सरकार ने

ईआरसीपी को मूर्त रूप दिए जाने की ओर महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है, इस परियोजना से पूर्वी राजस्थान की भूमि तर होगी, किसानों के जीवन में खुशहाली आएगी। उन्होंने कहा कि इस बार यह संयोग है कि राजस्थान दिवस की तिथि और नव वर्ष संवत्सर एक साथ आया है।इसी दिन एकीकृत राजस्थान का गठन हुआ था। इसी उपलक्ष्य में अलग-अलग दिन आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य सरकार की योजनाओं की क्रियान्विति के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने आह्वान किया कि प्रदेश सरकार की योजनाओं को धरातल पर उतारने में सभी अपने-अपने क्षेत्र में प्रयास करें और राजस्थान को आगे बढ़ाए, राजस्थान विकसित बनेगा तो निश्चित रूप से भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। कार्यक्रम के समापन की घोषणा करते हुए जिला कलेक्टर श्रीनिधि बी टी ने सभी अतिथियों एवं आमजन को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर बाड़ी विधायक जसवंत सिंह गुर्जर, अतिरिक्त जिला कलक्टर हरिराम मीना, भाजपा जिलाध्यक्ष सत्येंद्र पाराशर, भाजपा नेता जगमोहन बघेल, शिवचरण कुशवाह, नीरजा शर्मा, धीर सिंह जादौन सहित अन्य उपस्थित रहे।

शनिवार को युवा एवं रोजगार उत्सव का होगा आयोजनः राजस्थान दिवस समारोह की श्रृंखला में जिला स्तरीय युवा एवं रोजगार उत्सव का आयोजन शनिवार को दोपहर 12:00 बजे से नगर परिषद टाउनहॉल में किया जाएगा।

बीएसएनएल कार्यालय बंद होने से उपभोक्ता परेशान

फील्ड में होने का बहाना बनाकर जिम्मेदारियों से पल्ला झाड़ रहे अफसर, अव्यवस्था चरम पर

शिवपुरी। शिवपुरी जिले के पिछोर नगर में बीएसएनएल कार्यालय पर कई दिनों से ताला लगा होने की बात आमजन में चर्चा का विषय बनी हुई है। एक समय था जब वीएसएनएल कार्यालय पर लोगों का जमावडा देखने को मिलता था। लेकिन अब हालात कार्यालय पर ताला लटके होने के नजर आने लगे हैं। जानकारी के अनुसार यहां एक मात्र अधिकारी जेटीओ हैं जो कि फील्ड में होने की बात कहकर अपना पल्ला झाडते नजर आते हैं। स्थानीय लोग यह भी बताते हैं कि कार्यालय पर कोई ना होने से यहां पर पास ही में रखा लाखों रूपये का सामान टावर लावारिस स्थिति में रहता है। टावर से संबंधित व अन्य वीएसएनएल सेवा संबंधी शिकायत लेकर आने वाले उपभौक्ता परेशान होकर वापस आ जाते हैं। लोगों का आरोप है कि जेटीओ पटेल कभी कभार ही आफिस आते हैं। फिंगर लगाकर अपनी हाजिरी प्रदर्शित कर चले जाते हैं। बताया जाता है कि यह हाल केवल पिछोर का ही नहीं अपितु आसपास के ग्रामीण बीएसएनएल कार्यालय का भी है। पिछोर खनियाधाना समेत भौंती में भी वीटीएस सेवा के लिये कोई अधिकारी कर्मचारी उपलब्ध

नहीं है। कुछ ग्रामीणों में महेश प्रजापति, संतोष कुशवाह, सुनील, नकूल यादव, वंटी जाटव, ने जानकारी देते हुये बताया कि बीएसएनएल से संबंधित कोई भी जानकारी लेनी हो तो नहीं मिलती है। कार्यालय प्रांगण में गंदगी देखने को मिलती है। अगर वीएसएनएल टावर गायव हो जाते हैं तो कई घंटों तक गायब ही बने रहते हैं। कुछ अन्य जानकारी लेने के दौरान बताया गया है कि बीटीएस टावर के सभी जगह के ठेकेदार पूर्व से नियुक्त है लेकिन उनकी राशि को भृष्टाचार पूर्वक वीएसएनएल अधिकारी डकार रहे हैं। पिछोर में पदस्थ वीएसएनएल जेटीओ पटेल पर भी इसी तरह के आरोप लगाये जा रहे हैं। कई उपभौक्ताओं द्वारा शिकायती आवेदन के माध्यम से शासन प्रशासन को इस संबंध में अबगत भी कराया गया है।

फर्सी रोड का नाम हुआ आचार्य विद्यासागर मार्ग

बेगमगंज। सागर भोपाल मार्ग से नगर के टीचर कालोनी को जाने बाली सड़क का नाम बदलकर आचार्य विद्यासागर मार्ग रखने और सड़क पर प्रवेशद्वार निर्माण का भूमिपूजन किया गया। जैन समाज के द्वारा आचार्य विद्यासागर के नाम पर मार्ग का नाम रखने की मांग की गई थी। जिसको लेकर पार्षद राजेश यादव ने प्रस्ताव रखा और नपा परिषद की बैठक में स्वीकृति प्रदान की गई। शुक्रवार को नगर पालिका द्वारा मार्ग का लोकार्पण जैन मुनि श्री श्री 108 निष्कंप सागर महाराज एवं निष्काम सागर महाराज की उपस्थिति में नगरपालिका अध्यक्ष संदीप लोधी, भाजपा मंडल अध्यक्ष अजय जाट, नपा उपाध्यक्ष सुदर्शन घोषी, वार्ड पार्षद राजेश यादव, पार्षद अजय जैन, लोकराज ठाकुर, राजीव दुबे, गुलाब रजक, महेश साहू के द्वारा आचार्य विद्यासागर के चित्र की पूजा अर्चना कर एवं फीता काटकर मार्ग का एवं प्रवेश द्वार का लोकार्पण किया गया।

एनटीपीसी विंध्याचल द्वारा सिलाई ट्रेनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया गया समापन

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल सीएसआर के तत्वावधान में यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, सिंगरौली द्वारा संचालित महिलाओं हेतु आयोजित सिलाई ट्रेनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया गया। इस समापन समारोह में एनटीपीसी विंध्याचल के वरिष्ठ प्रबंधक सीएसआर एवं आर एंड आर माहताब आलम, कार्यपालक सीएसआर निखिल जायसवाल, जिला अग्रणी प्रबंधक रंजीत कुमार, यूनियन ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक विजय कुमार और फैकल्टी श्रीमती निशा द्विवेदी सहित कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। समारोह के दौरान संस्थान द्वारा महिलाओं को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए, जिससे वे आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम और बढ़ा सकें। यह कार्यक्रम महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए एक नई पहल साबित हुआ है, जो उन्हें हुनर और रोजगार के अवसर प्रदान करता है। यह पहल एनटीपीसी विंध्याचल परियोजना के निरंतर प्रयासों को प्रदर्शित करती है जो महिलाओं को कौशल विकास के माध्यम से सशक्त बनाने, आर्थिक स्वतंत्रता और सतत आजीविका को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।

दोषियों पर कड़ी कार्यवाही की मांग

विदिशा जिले की घटनाओं को लेकर विश्वकर्मा समाज ने सौंपा ज्ञापन

बेगमगंज। विश्वकर्मा समाज के नागरिकों ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन बेगमगंज एसडीएम को सौपा है। ज्ञापन मैं उल्लेख किया है कि विदिशा जिले में 13 मार्च को गंजबासौदा रहने वाले एक युवक का शव रेलवे ट्रैक पर मिला था। उसके साथ ट्रेन में किन्नरों ने मारपीट की थी। इस मारपीट करने का एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो में दिख रहे युवक का नाम आदर्श विश्वकर्मा है। पिटाई के बाद युवक की ट्रेन से गिरने से मौत भी हुई। अब इस मामले में विश्वकर्मा समाज ने किन्नरों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आदर्श विश्वकर्मा भोपाल मैं कार्य करता था तथा विदिशा से भोपाल अप डाउन करता था। इसी बीच 13 मार्च को गोंडवाना ट्रेन में उसके साथ किन्नरों ने पैसों की मांग की गई पैसा न दिए जाने पर उसके साथ मारपीट की। वहीं दूसरी और एक अन्य मामले में नाबालिक बालिका के साथ 18 मार्च 20 25 को उसके निज निवास पर फांसी के फंदे पर लटकी मिली बालिका की नस कटी एवं चोट के निशान पाए गए म्रतक के भाई ने गांव के एक व्यक्ति को घर से निकलकर भागते देखा। साथ ही साथ ही आरोपियों के घर पर बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण हटाया जाए आरोपी पर धारा 302,376 पास्को एक्ट का प्रकरण दर्ज किया जाए पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की जाए आदि सब मांगों को लेकर बड़ी संख्या में विश्वकर्मा युवा मंडल, सर्व विश्वकर्मा समाज के लोग शामिल हैं। ज्ञापन देने वालों में समाज समाज अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह विश्वकर्मा, युवा मंडल अध्यक्ष ऋ षभ विश्वकर्मा, प्रशांत विश्वकर्मा, रवि विश्वकर्मा, प्रभु विश्वकर्मा, राम सिंह, मुकेश विश्वकर्मा, अरविंद विश्वकर्मा, शिवाकांत विश्वकर्मा, देवेंद्र, तुलसीराम सीताराम, मुकेश, चंद्रेश, बलराम सहित बड़ी संख्या में विश्वकर्मा समाज के लोग शामिल हैं।

कृषि मंडी में बंपर आवक, दूर-दूर से उपज बेचने आ रहे किसान

समय जगत, बीनागंज। बीनागंज गुना जिले में मशहूर बीनागंज कृषि उपज मंडी में वर्तमान समय में बंपर आवक देखी जा रही है दूर-दूर के क्षेत्र से किसान अपनी फसल को बीनागंज मंडी में बेचने के लिए ला रहे हैं हालत यह हैं स्थानी मंडी ग्राउंड छोटा हो जाने से मंडी का घोष विक्रय दो अलग-अलग स्थान पर किया जा रहा है रात से ही किसान भाइयों का आना शुरू हो जाता है सुबह होते-होते मंडी का एक ग्राउंड फुल हो जाता है इसे वैकल्पिक व्यवस्था हेतु किसान भाइयों को अपने अनाज से भरे हुए पिकअप वाहन ट्रैक्टर एवं अन्य साधनों से ले जाने वाले अनाज को दूसरे ग्राउंड में लगवाया जाता है दूर-दूर से आने वाले किसान भाइयों के लिए बड़े-बड़े टीन शेड निर्माण किया है जिसमें कृषक आराम से खड़े होकर अपनी फसल को बेच सकते हैं पीने के लिए शुद्ध जल की व्यवस्था ठंडे पानी के मटके लगाए गए हैं भोजन के लिए कैंटीन पर मात्र ?5 में भरपेट भोजन की व्यवस्था रखी गई है रात्रि कालीन समय में प्रांगण में बड़े-बड़े हैलोजन लगाए गए हैं जिसे समुचित प्रकाश की व्यवस्था मंडी प्रांगण में की गई है।

फर्जी शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठग लिये 9 लाख 65 हजार रुपये

समय जगत, खरगोन। जिले के मंडलेश्वर थानाक्षेत्र में एक कृषक को टेलीग्राम पर शेयर मार्केट में निवेश कर कम दाम पर शेयर खरीदने का लालच लेकर लाखों रुपए की कि गई ठगी मामले में सायबर सेल ने बड़ी सफलता हासिल की है। समय पर शिकायत मिलने पर सायबर सेल ने किसान से ठगी गई राशि बरामद कर किसान को लौटा दी। मिली जानकारी अनुसार मंडलेश्वर क्षेत्र के निवासी किसान ने शिकायत की थी कि कुछ दिन पूर्व उसे टेलीग्राम के माध्यम से शेयर मार्केट में आईपीओ व कम दाम पर शेयर आदि दिलाने का लालच दिया गया था। अज्ञात व्यक्तियों से चेटिंग के दौरान उनके झांसे में आकर कहे अनुसार फर्जी शेयर मार्केट ऐप्लकैशन डाउनलोड किया व पैसे डाले गए। थोड़े दिनों बाद जब अपने निवेश किए पैसे निकालने चाहे तो टैक्स, सर्विस चार्ज आदि के नाम पर और पैसे लिए गए। जब अंदेशा हुआ तब तक वह 9 लाख 65 हजार रुपए गंवा चुका था। इसके बाद थाने आया व शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने सायबर डेस्क से संपर्क किया व पूरी घटना बताई। सायबर सेल ने जिन बैंक खातों में फरियादी का पैसा गया था उन्हें तत्काल होल्ड कराया। होल्ड लगने के बाद कानूनी न्यायालयीन प्रक्रिया के उपरांत फरियादी के राशि 9 लाख 65 हजार रुपये वापस कराए गए है।

नागरिकों से की अपील

- किसी भी अनजान व्यक्ति से फोन पर अपनी निजी जानकारी व बैंक संबंधी जानकारी शेयर न करे।
- किसी भी अनजान व्यक्ति द्वारा दी गई लिंक पर क्लिक न करे ।
- अनजान व्यक्ति द्वारा दिए गए कैशबैकए रिफन्ड आफर आदि से बचे।
- किसी भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आने वाली ण्ंचा फाइल को डाउनलोड न करे।
- किसी भी अनजान मोबाईल एप्लीकेशन को मोबाईल की पर्मिशन न दे।
- फर्जी लोन ऐप्लकैशन/ शेयर मार्केट ऐप्लकैशनस से लोन या निवेश न करे ।
- सायबर फ्रॉड हो जाने की स्थिति में गृह मंत्रालय द्वारा जारी हेल्पलाइन न 1930 या एनसीआरपी पोर्टल पर तत्काल शिकायत दर्ज करें या तत्काल नजदीकी पुलिस थाने पर संपर्क करें।

बीएसएनएल के 30 टावर शुरू, 6 पर टेस्टिंग जारी

श्योपुर-कराहल एवं श्यामपुर रोड को कवर करने लगेंगे टावर

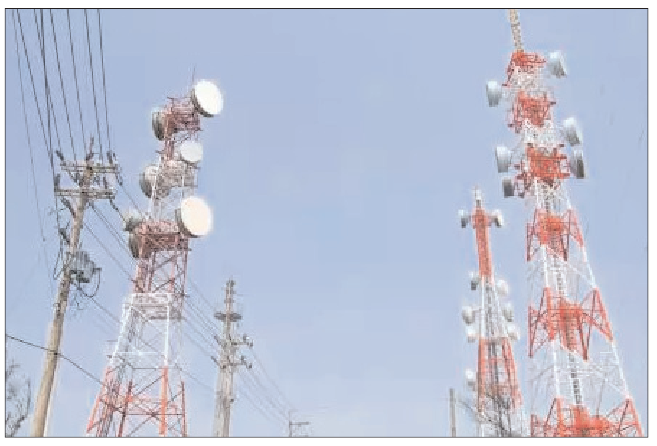

समय जगत, श्योपुर। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने बीएसएनएल सहित विभिन्न टेलीकाम कंपनियों के प्रतिनिधियों को निर्देश दिये कि एनएच-552 श्योपुर से वीरपुर तथा श्योपुर से शिवपुरी मार्ग को नेटवर्क से कवरेज किया जाए। उन्होने कहा कि इन सड़क मार्गो पर ऐसे स्थान जहां नेटवर्क नही आते है, उन स्थानों पर पर्याप्त संख्या में टावर लगाकर नेटवर्क की सुविधा उपलब्ध कराई जायें। उन्होने बीएसएनएल के जेटीओ आंनद बाबू को निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में लगाए गए टावर से नेटवर्क की सुविधा निरंतर संचालित रहें तथा जिन 6 टावर पर टेस्टिंग चल रही है, उन्हें भी नियमित रूप से शुरू किया जायें। इसके साथ ही जिले के ऐसे स्थान जहां नेटवर्क की आवश्यकता है, उन स्थानों का आंकलन कर टावर लगाने के प्रस्ताव भेजे जायें। बैठक में बताया गया कि श्योपुर, कराहल एवं श्यामपुर रोड को कवर करने के लिए जीयो द्वारा कलमी, गोरस, कराहल तथा एयरटेल द्वारा ओछापुरा में टावर लगाए जाएगे। बीएसएनएल के जेटीओ आंनद बाबू ने बताया कि श्योपुर जिले में पूर्व से 18 टावर कार्य कर रहे है, हाल ही में ग्रामीण क्षेत्र में 30 टावर लगाकर शुरू कर दिए गये है, इसके साथ ही 6 स्थानों पर टेस्टिंग का कार्य चल रहा है, जिले में बीएसएनएल के कुल 54 टावर है। इसके साथ ही 20 स्थानों पर नेटवर्क सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नये प्रस्ताव बनाकर भेजे गये है। एयरटेल के प्रतिनिधि ने जानकारी दी कि उनके 90 टावर जिले में नेटवर्क सुविधा प्रदान कर रहे है, हाल ही में ओछापुरा, बर्धाबुजुर्ग, श्योपुर के चूडी मार्केट तथा ढेगदा में नये टावर लगाकर शुरू कर दिये गये है, अगले एक महीने में बुढेरा, गोरस, बरगवा, पानडी एवं कलेक्ट्रेट क्षेत्र में टावर चालू कर दिये जायेगे। वोडाफोन एवं आइडिया के प्रतिनिधि ने बताया कि वीआई द्वारा जिले में 47 टावर संचालित किये जा रहे है, हाल ही में ढेगदा, चंबल कॉलोनी में दो स्थानों पर, पोस्ट आफिस, बडौदा, किला श्योपुर में टावर लगाये गये है। इसके अलावा बडौदा में दो स्थानों पर, सलमान्या, चन्द्रपुरा, खातौली तिराहा, माकडोद, अजापुरा, ढोढपुर, गुरनावदा में नये टावर लगाए जाएगे। जीयों के प्रतिनिधि ने जानकारी दी कि उनके कुल 130 टावर संचालित है, हाल ही में बस स्टैण्ड श्योपुर, कुम्हार खेडली, रेलवे स्टेशन, ब्लॉक कॉलोनी, मानपुर में टावर लगाये गये है, इसके साथ ही कलमी, गोरस, कराहल तथा कलेक्ट्रेट क्षेत्र में नवीन टावर लगाये जायेगे।

दो लाख रुपए से भरी थैली को ले उड़ा चोर, सोसाइटी में देने के लिए बैंक से निकाले थे पैसे

समय जगत, बड़वाह। ग्राम लालपुरा से आए ग्रामीण की थैली से दो लाख रुपए चोर ने दिन दहाड़े चोरी कर ली। जिसका एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया। जिसमें चोर ने बड़ी आसानी गाड़ी में पैसे से भरी लाल थैली को निकालते दिख रहा हैं। घटना शुक्रवार सुबह की हैं। जब ग्रामीण सोसायटी में पैसे जमा करने के लिए बैंक से पैसे निकाले थे। मात्र एक मिनिट में चोर ने गायब कर दिए। ग्रामीण विष्णु चावड़ा ने बताया कि सोसायटी में जमा करने की आखिरी तारीख थी। उसी के लिए बैंक से दो लाख रुपए निकाल कर लाया था। पैसे जेब में नहीं आए इसलिए थैली में रखे। थैली को गाड़ी के हैंडल में टांग दी। उसके बाद उमड़ेखर मार्केट में मोबाइल की दुकान पर पानी पीने के लिए रुका था। मात्र एक मिनट में गाड़ी के हैंडल में टंगी थैली के साथ दो लाख रुपए गया। इसकी सूचना स्थानीय थाने में भी दे दी हैं।

कूनो बफर जोन से लगे ग्रामों के सरपंच सचिवों की बैठक की गई आयोजित

श्योपुर, ब्यूरो। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा के मार्गदर्शन में कूनों वन मंडल के आसपास लगे 55 ग्रामों के सरपंचों और पंचायत सचिवों की बैठक आयोजित कर उन्हें चीतों की सुरक्षा तथा चीतों के व्यवहार के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। डीएफओ कूनो आर थिरूकुरल एवं जिला पंचायत सीइओ अतेंद्र सिंह गुर्जर द्वारा जिला पंचायत सभागार में आयोजित उक्त बैठक के दौरान चीतों की सुरक्षा के लिए ग्रामीणों को प्रेरित करने तथा चीता प्रोजेक्ट के महत्व के संबंध में जानकारी प्रदान करते हुए चीतों के व्यवहार के संबंध में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर चीतो की जीवनशैली, व्यवहार पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन भी किया गया। डीएफओ आर थिरूकुरल ने कहा कि यह हमारे जिले के लिए गौरव की बात है कि भारत में चीतों को बसाने की योजना हमारे यहां शुरू हुई। अंर्तमहाद्वीपीय चीता पुर्नस्थापन का यह प्रोजेक्ट सफलता के साथ आगे बढ रहा है। दक्षिण अफ्रिका और नामिबीया से 20 चीते आए थे, अभी चीतों की संख्या 26 है। चीतों को भारत में बसाने की इस योजना में सभी ग्रामीणों एवं जन प्रतिनिधियों के सहयोग की निरंतर आवश्यकता है। उन्होने कहा कि ग्राम में चीता दिखाई देने पर घबराए नही, चीतों के आसपास भीड न लगाए, उन्हें केवल शोर करके भगाए तथा सुरक्षित जंगल में जाने दें। ग्रामीणों को बताया जाए कि चीता इंसानों के लिए खतरा नही है, इसके साथ ही यह भी बताया जाए कि यदि चीता मवेशियों को नुकसान पहुंचाता है तो वन विभाग द्वारा तत्काल ही उसे मुआवजा राशि भी प्रदान की जाती है। जिला पंचायत सीइओ अतेंद्र सिंह गुर्जर ने उपस्थित सरपंच एवं सचिवों से अपेक्षा की कि चीतों की सुरक्षा हमारी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसलिए लोगों को समझाइश दें तथा चीतों की सुरक्षा के लिए ग्रामीणों को प्रोत्साहित करें। उन्होने कहा कि सरपंच एवं सचिव गांव में चीता दिखाई देने पर तत्काल कन्ट्रोलरूम को सूचना प्रदान करें।

क्षेत्र की जनता की सुविधाओं का विस्तार है मेरा लक्ष्य: सबनानी

समय जगत, भोपाल। दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत वार्ड 27 के एलआईजी कार्टर कोटरा के मुख मार्ग पर रोड डामरीकरण कार्य का भूमि पूजन भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री व क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक भगवानदास सबनानी द्वारा शुक्रवार को किया गया। मुख्य मार्ग पर बनने वाली सड़क के लिए क्षेत्रीय नागरिक और व्यापारियों ने विधायक से निवेदन किया था जिसका भूमि पूजन शुक्रवार को किया गया और जल्दी ही कार्य भी शुरू हो जाएगा। इस अवसर पर श्री सबनानी ने कहा कि क्षेत्र का विकास हो जनता की सुविधाओं का विस्तार हो इसके लिए मैं सदा ही प्रयत्नशील रहता हूं, और जिन समस्याओं की जानकारी मेरे पास आती है मेरा सदैव यही लक्ष्य रहता है कि उनका निवारण जल्द से जल्द हो,और लोगों की सुविधाओं का विस्तार हो, हमारी विधानसभा में कुछ बड़ी योजनाएं भी आने वाली हैं जिनका काम भी आने वाले समय में शुरू हो जाएगा और क्षेत्र की जनता को उसका लाभ मिलेगा। हमारे क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता निरंतर जनता के बीच रहते हैं और उनकी छोटी बड़ी समस्याओं के निवारण का हर संभव प्रयास करते हैं। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष मुकेश देहाडे संतोष ब्रह्मभट्ट प्रतिक्षा ब्रह्मभट्ट निधि चौरसिया राजकुमारी चौरे वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश जैन अनुपम लीलाधर यादव दिनेश भारती रामनेता सिंह नंदू केलकर मोहनलाल गुप्ता टी एस राठौर पंकज डाले सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के नागरिक उपस्थित रहे।

अलविदा जुमे की नमाज में सैकड़ों लोग हुए शामिल

समय जगत, सिरोंज। रमज़ान के महीने के आखिरी जुमे पर अलविदा जुमे की नमाज मे मस्जिदों मे बहुत भीड़ देखने को मिली गांव, शहर सब जगह का आदमी मस्जिदों मे अलविदा के जुमे की नमाज पढ़ने के लिए सुबह से ही आ गए थे सभी लोग जुमे की नमाज से पहले मस्जिद मे आ कर अपनी अपनी नफ़ल नमाजे पढ़ने मे व्यस्त रहे उसके बाद जुमे की नमाज पड़कर ही बाहर आए। जामा मस्जिद में जुमे की नमाज से पहले मौलवी जाहिद अली नदवी ने बयान करते हुए लोगों को इंसानियत के रास्ते पर चलने की बात कही उन्होंने कहा जैसे हम लोग रमजान मे बुरे कामों से बचते हे अच्छी बाते करते हे नमाज पाबंदी से पढ़ते हे किसी का बुरा करने का नहीं सोचते हे इसे ही हमे रमजान के बाद भी अच्छा इंसान बन कर जिंदगी गुजारना हे जैसे हमारे नबी मोहम्मद साहब ने जिंदगी गुजारने का तरीका हमे बताया हे उनके रास्ते पर चलकर हमारी जिंदगी कामयाब बनेगी मौलवी जाहिद अली नदवी ने जकात और फितरे पर बयान करते हुए बताया कि जिस इंसान पर ज़कात फ़र्ज़ हे उसे जल्द से जल्द ज़कात अदा करना चाहिए और ईद की नमाज़ से पहले सदका ए फितर अदा करना चाहिए जो घर के हर इंसान की तरफ से अदा किया जाता हे जामा मस्जिद मे अलविदा के जुमे की नमाज हाफ़िज़ मुईन उद्दीन ने पढ़ाई उसके बाद दुनिया मे अमन, शांति, भाईचारे की दुआ कराई जिस पर उपस्थित नमाजियों ने आमीन कहा ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के प्रदेश सचिव डॉक्टर वसीम ने बताया कि हर गरीब इंसान को भी ईद का त्यौहार मनाना हे गरीब भी अपनी ईद अच्छे से मना सके इंसान को अपनी जकात और सदका ईद से पहले निकाल देना चाहिए।

जिससे जिस गरीब तक आपकी जकात और सदका पहुंचे वो भी ईद की तैयारियां ईद से पहले कर ले ईद की खुशियों मे गरीबों का बहुत बड़ा हक़ होता है। अलविदा के जुमे की नमाज इन मस्जिदों मे अदा की गई। 27 मस्जिदो , एवं तीन मदरसों मे नमाज हुई। जामा मस्जिद, अरीठे वाली मस्जिद, कोर्ट वाली मस्जिद, मदरसा इस्लामिया मस्जिद, टोरी वाली मस्जिद, घेर वाली मस्जिद, मस्जिद नबी अकरम, सिविल कोर्ट वाली मस्जिद, नक्कास वाली मस्जिद कीड़ी, बड़ी मस्जिद, नाले वाली मस्जिद, फूल मस्जिद, कमन गिरान मस्जिद, नन्नी बी वाली मस्जिद, मदीना मस्जिद, कछवाड़े वाली मस्जिद आदि शामिल हैं।

7 APRIL

रेत माफियाओं के आतंक पर कब लगेगी लगाम?

समय जगत, मुरैना। चम्बल रेत उत्खनन को लेकर और अवैध परिवहन रोकने के लिए शासन प्रशासन से लेकर पुलिस महकमे की जिम्मेदारी अधिक बनती है लेकिन पुलिस इस जिम्मेदारी का निर्वहन नहीं कर पाती है। चाहे महुआ उसैद घाट का मामला हो या फिर चम्बल चिन्नौनी और देवगढ़ व राजघाट का, लगातार उत्खनन हो रहा है। पुलिस और प्रशासन इस मामले को नजर अंदाज कर रहे हैं। हाल ही में बीती रात अवैध रेत उत्खनन का एक डम्फर हरे रंग का बिना नंबर का वन विभाग ने पकड़ लिया। जिसको लेकर वन विभाग स्थानीय पुलिस थानों में देर रात तक घूमता रहा। किसी भी पुलिस थाने द्वारा उस डम्फर रखकर सुपुर्दगी देने के लिए तैयार नहीं था। लगातार थानों में फोन की घंटियां बज रही थीं। जैसे कोई बड़ा अधिकारी उस मामले के पीछे खड़ा हो। जैसे-तैसे सिटी कोतवाली थाने में डम्फर को रखवा दिया। डम्फर किसका है इसका तो पता नहीं लेकिन डम्फर के ऊपर एक नंबर मोबाईल का अंकित है जिसमें चारों तरफ एएस कंषाना लिखा हुआ है। जो आज मीडिया की सुर्खियों में रहा। बहरहाल अवैध रेत उत्खनन के इस नजारे ने यह तो साबित कर दिया कि पुलिस अवैध रेत उत्खनन के अपराध में बराबर की हिस्सेदार है। मजे की बात तो यह है कि न्याय तंत्र और प्रशासन तंत्र सरकार सभी मिलकर इस अवैध उत्खनन को रोकने का प्रयास करते हैं फिर भी यह गंभीर अपराध नहीं रूकता है। इसको लेकर आम जन मानस अश्चर्य में है।

स्वत्वाधिकारी, समय जगत मीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक अशोक त्रिपाठी द्वारा एवरेस्ट प्रेस ई-49/8 औखला, इंडस्ट्रीयल-एरिया प्लॉट-2 प्रींटिंग प्रेस से मुद्रित एवं बी-125 सादतपुर कालोनी दिल्ली-110094 से प्रकाशित। RNI NO. DELHIN/2005/14553, **प्रधान संपादक:** अशोक त्रिपाठी * **संपादक** अनिल श्रीवास्तव * **समाचार संपादक** सौरभ वार्ष्णेय
दिल्ली कार्यालय : एस-557, हीरा कॉम्पलेक्स 203 द्वितीय तल मुख्य मार्ग शकरपुर दिल्ली- 01142173537, 9899589700, **भोपाल कार्यालय** - 9, रायल हाउस, प्रेस काम्पलेक्स, एम.पी. नगर जोन-1, भोपाल। **फोन :** 0755-4273868, 4203479 **फैक्स :** 4094417 **ई-मेल** dainiksamayjagat.delhi@gmail.com *(समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार)